रांची एक्सप्रेस
61 साल से लगातार...
। जनपक्षीय पत्रकारिता।
देसी अंदाज नया मिजाज

रांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.theranchiexpress.com

वर्ष-02 अंक-122 कोलकाता, रविवार 30 जून 2024, संवत् 2079 पृष्ठ-12

मूल्य 3 रु.

महाराष्ट्र में बच्चे की पैर की जगह कर दी प्राइवेट पार्ट की सर्जरी

ठाणे के सरकारी अस्पताल का है मामला, परिजनों का जबरदस्त हंगामा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के शाहपुर स्थित सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही उजागर हुई है। यहां एक कपल अपने 9 साल के बेटे के पैर का इलाज करवाने पहुंचे थे। हालांकि, डॉक्टरों ने पैर की जगह उसके प्राइवेट पार्ट का ऑपरेशन कर दिया। कपल ने इसकी शिकायत की तो मेडिकल ऑफीसर ने कहा कि डॉक्टरों ने कुछ भी गलत नहीं किया है। बच्चे के प्राइवेट पार्ट में दिक्कत थी।

इसलिए सर्जरी की गई है। हो सकता है कि डॉक्टर ऑपरेशन के बारे में माता-पिता को बताना भूल गए होंगे या उन्होंने गलती से किसी दूसरे मरीज के रिश्तेदार को बता दिया होगा। हालांकि, बच्चे के माता-पिता ने डॉक्टरों की सफाई को मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने शाहपुर पुलिस से मामले की शिकायत की है। हालांकि, अभी मामला दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जिला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने मामले की जांच करवाने का आश्वासन दिया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बच्चे के पेरेंट्स ने बताया कि उनका बेटा पिछले महीने अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान उसके पैर में चोट लग गई। बच्चे को 15 जून को शाहपुर के उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने हाल ही में घायल पैर की जगह उसके प्राइवेट पार्ट की सर्जरी कर दी। बाद में डॉक्टरों को जब अपनी गलती का एहसास हुआ तो उन्होंने बच्चे के घायल पैर की सर्जरी की। पैर में चोट के अलावा बच्चे को फिमोसिस की समस्या भी थी।

कर्नाटक में फिर नाटक की दिखी आहट, टेंशन में सिद्धा!

डगमगाने लगी सीएम की कुर्सी, डीके शिवकुमार बना रहे दबाव

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार और कांग्रेस पार्टी में घमासान मचा हुआ है। वहां मुख्यमंत्री बदलने की मांग तेज हो गई है। सीएम सिद्धारमैया की अपने डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार की वर्चस्व की लड़ाई उजागर होने के बाद कांग्रेस आलाकमान आलोचनाओं का सामना कर रहा है। आलोचकों का कहना है कि केंद्रीय नेतृत्व अंदरूनी कलह को दूर करने में विफल रहा है। शिवकुमार को उम्मीद है कि सिद्धारमैया सरकार के पांच साल के कार्यकाल के बीच में ही अपना पद छोड़ देंगे, लेकिन सिद्धारमैया ने पद छोड़ने की कोई इच्छा अभी तक नहीं दिखाई है। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सीएम पद के लिए रस्साकशी बीते विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के साथ ही शुरू हो गई थी।

दोनों ही नेताओं ने अभी तक सार्वजनिक रूप से बहुत कम ही बोला है, लेकिन दोनों के समर्थकों ने और उपमुख्यमंत्रियों की मांग करके आग को सुलगाए रखा है। पिछले साल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत के तुरंत बाद डीके शिवकुमार ने कथित तौर पर सीएम पद के लिए आलाकमान पर दबाव बनाया। हालांकि, उन्हें उपमुख्यमंत्री का पद देकर फिलहाल के लिए शांत कर दिया गया।

जदयू के पहले कार्यकारी अध्यक्ष बने संजय झा

केसी त्यागी बोले

बिहार को विशेष दर्जा, आर्थिक पैकेज के लिए लड़ाई जारी रहेगी, नीतिश एनडीए के साथ

पटना (एजेंसी)। जदयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में संजय झा को जदयू का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। संजय झा पार्टी के पहले कार्यकारी अध्यक्ष हैं। बैठक में संजय को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव बिहार सीएम नीतिश कुमार ने रखा। बैठक के बाद पार्टी के सीनियर लीडर केसी त्यागी ने कहा कि सीएम नीतिश कुमार ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सामने ऐलान किया है कि अब वह हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे। राज्यसभा सांसद संजय झा को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने कहा कि हम

बिहार को विशेष दर्जा और आर्थिक पैकेज के लिए लड़ना जारी रखेंगे। बिहार हाईकोर्ट ने आरक्षण पर रोक लगाई है इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद संजय झा ने कहा कि नीतिश कुमार ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। उनके प्रति मैं कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। नीतिश कुमार ने बिहार को ट्रांसफॉर्म कर दिया है। उनके काम को अन्य जगहों पर लेकर जाना उद्देश्य है। लोकसभा चुनाव में हम लोग 30 सीट जीते हैं। 243 विधानसभा सीटों में 177 सीटों पर हम लोग चुनाव जीते हैं। 2025 में जो विधानसभा चुनाव होगा, उसका इस चुनाव ने सिग्नल दे दिया है। जेडीयू की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में नीतिश कुमार के नेतृत्व में 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया गया। इसके साथ ही इस साल के अंत में होने वाले झारखंड के चुनाव में भी पार्टी ने कैंडीडेट उतारेगी।

लद्दाख में नदी में फंसा टैंक

पांच जवानों की मौत

एक्सरसाइज से लौट रहे थे जवान, रात एक बजे नदी में पानी बढ़ने से हुआ हादसा

लेह (एजेंसी)। लद्दाख के न्योमा-चुशूल इलाके में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के पास श्योक नदी का जलस्तर बढ़ने से सेना के 5 जवान बह गए। सभी की मौत हो गई है। इनमें एक जूनियर कमिशन्ड ऑफीसर भी थे। घटना शुक्रवार (28 जून) की रात करीब 1 बजे की है। जानकारी शनिवार को सामने आई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सेना के जवान मिलिट्री एक्सरसाइज के बाद देर रात टी-72 टैंक से लौट रहे थे। मिलिट्री टैंक ईस्टर्न लद्दाख के सासेर ब्रांगसा में श्योक नदी पार कर रहा था, तभी पानी का लेवल अचानक बढ़ गया और जवान टैंक सहित नदी में डूबने लगे। लेह की फायर एंड फ्यूरी 14 कॉर्प्स के मुताबिक, हादसा एलएसी के चुशूल से

148 किलोमीटर दूर मंदिर मोड़ के पास हुआ। रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं, लेकिन नदी में तेज बहाव और जलस्तर के कारण जवानों को बचाया नहीं जा सका। पांचों जवानों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनकी पहचान रिसालदार एमआर के रेड्डी, दफादार भूपेंद्र नेगी, लांस दफादार अकदुम तैयबम, हवलदार ए खान और नागराज पी के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि श्योक नदी के ऊपरी इलाके में बारिश के चलते अचानक पानी बढ़ गया। रात होने के चलते जवानों को इसका पता नहीं चल सका। आमतौर पर टी-72 टैंक पर कमांडर, एक गनर और एक ड्राइवर होता है। हालांकि, हादसे के वक्त टैंक पर 5 जवान सवार थे। टी-72 टैंक 5 मीटर (16.4 फीट) गहरी नदियों को पार करने की क्षमता रखता है। यह एक छोटे डायमीटर वाले स्नोर्कल की मदद से नदी पार करता है। पानी के अंदर टैंक का इंजन बंद होने पर इसे 6 सेकेंड के भीतर चालू करना जरूरी होता है। ऐसा नहीं करने पर कम दबाव होने के कारण इंजन में पानी भर जाता है।

मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे पर हादसा, 6 की मौत

- दो कारों में भयानक टक्कर के बाद उछलकर सड़क पर गिरे लोग

नागपुर (एजेंसी)। मुंबई नागपुर एक्सप्रेस्वे पर कल रात एक भीषण हादसा हो गया। दो कारों के बीच टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि कम से कम 6 लोगों की जान चली गई। वहीं 5 अन्य लोग घायल हैं। यह हादसा मुंबई से करीब 400 किलोमीटर दूर जालना जिले में हाईवे पर कदवांची गांव के पास समृद्धि हाईवे पर हुआ। दुर्घटना रात करीब 11 बजे हुई जब एक स्विफ्ट डिजायर पेट्रोल भरने के बाद गलत साइड से हाईवे पर घुसी और नागपुर से मुंबई जा रही एक अर्टिगा से जा टकराई।

भाजपा में जल्द हो सकती है नए अध्यक्ष की नियुक्ति

पीएम मोदी ने की बड़ी बैठक, कई नामों की चल रही चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के केंद्र सरकार में मंत्री बनने के बाद पार्टी में जल्दी ही नए अध्यक्ष की नियुक्ति की जा सकती है। चार महीने बाद होने वाले झारखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा व जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए बेहद अहम हैं और उसकी तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है। ऐसे में नड्डा पर दोहरा दायित्व के बजाए पार्टी नए अध्यक्ष की नियुक्ति कर सकती है। पार्टी में एक विचार कार्यकारी अध्यक्ष का भी है, लेकिन वह ज्यादा उपयोगी नहीं माना जा रहा है। भाजपा का केंद्रीय संसदीय बोर्ड जल्दी ही इस बारे में फैसला ले सकता है। ऐसी स्थितियों में संसदीय बोर्ड के पास नया अध्यक्ष नियुक्त करने का अधिकार है। सूत्रों के अनुसार, गुरुवार रात भाजपा के बड़े नेताओं की बैठक में भी इस बारे में चर्चा की गई है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पार्टी अध्यक्ष व स्वास्थ्य मंत्री जेपी नडड्डा शामिल हुए।

एससीओ समिट में शामिल होने नहीं जाएंगे पीएम मोदी

- कजाकिस्तान में अब एस जयशंकर संभालेंगे देश का मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में अगले सप्ताह होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं जाएंगे। अब भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एससीओ शिखर सम्मेलन तीन और चार जुलाई को होगा और इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा हालात और संपर्क एवं व्यापार को बढ़ावा देने के तरीकों पर मुख्य रूप से चर्चा होगी।

दक्षिण चीन सागर में दादागिरी दिखा रहा चीन

फिलीपींस से फिर भिड़ा, समर्थन में उतरा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के हफ्तों में चीन की आक्रामक कार्रवाइयों से दक्षिण चीन सागर में तनाव बढ़ गया है। पिछले हफ्ते फिलीपींस के राष्ट्रपति ने कहा था कि उनका देश किसी भी विदेशी ताकत के आगे नहीं झुकेगा लेकिन कभी युद्ध की शुरुआत नहीं करेगा। विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की सेना द्वारा फिलीपींस की नौसेना के जवानों को घायल करने और एक झड़प में कम से कम दो सैन्य नौकाओं को क्षतिग्रस्त किये जाने की पृष्ठभूमि में उन्होंने यह कहा। अब इस मुद्दे पर भारत की प्रतिक्रिया भी सामने आई है।

भारत ने खुलकर फिलीपींस का समर्थन किया है। भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह दक्षिण चीन सागर में बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने की एकतरफा कार्रवाई का विरोध करता है।

एक जुलाई से लागू होंगे तीन नए आपराधिक कानून!

मोदी सरकार की तैयारी पूरी, हर स्तर पर चल रहा प्रशिक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को एक जुलाई 2024 से लागू करने की तैयारी पूरी हो गई है। हर स्तर पर प्रशिक्षण का सिलसिला तेजी से चल रहा है। एफआईआर दर्ज करने सहित नए आपराधिक कानूनों के साथ प्रौद्योगिकी अनुकूलता को सुगम बनाने के लिए मौजूदा सीसीटीएनएस एप्लीकेशन में 23 फंक्शनल संशोधन किए गए हैं। नई प्रणाली में निर्बाध ट्रांजिशन के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है। नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की निरंतर समीक्षा और सहायता के लिए टीमें और कॉल सेंटर बनाए गए हैं। ऐसे एप्लीकेशन बनाए गए हैं जो सुरक्षित क्लाउड स्टोरेज सपोर्टेड हैं और इसमें अपराध स्थल की वीडियोग्राफी और इनमें फॉरेंसिक साक्ष्य एकत्र करने का प्रावधान शामिल होगा। 14 मार्च, 2024 को आपराधिक कानूनों का एनसीआरबी संकलन नामक मोबाइल ऐप वेब एप्लीकेशन लॉन्च किया गया था, वर्तमान में इसके लगभग 1.2 लाख यूजर्स हैं। नए आपराधिक कानूनों के तहत अपराध स्थलों की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी, न्यायिक सुनवाई और

इलेक्ट्रॉनिक रूप से अदालती समन भेजने को सुगम बनाने के लिए ई-साक्ष्य, न्यायश्रुति और ई-समन ऐप विकसित किए जा चुके हैं। ई-साक्ष्य ऐप अपराध स्थलों की वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और साथ ही दस्तावेजों की ऑनबोर्डिंग डालने की प्रक्रिया को सुगम बनाता है।

देश के सभी थाने आयोजित करेंगे विशेष कार्यक्रम

देश के समस्त 17,500 पुलिस थाने एक जुलाई को एक विशेष आयोजन करेंगे जिसमें महिलाओं, छात्रों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और प्रतिष्ठित हस्तियों को उस दिन प्रभाव में आने वाले तीन नये अपराध कानूनों की प्रमुख विशेषताओं से अवगत कराया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। इन नये कानूनों में भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 हैं जो एक जुलाई से प्रभाव में आएंगे। ये तीनों नए कानून ब्रिटिश कालीन कानूनों क्रमश: भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। सूत्रों ने बताया कि इन तीन नये आपराधिक कानूनों के प्रभाव में आने के मौके पर एक जुलाई को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रत्येक पुलिस थाने में प्रभारी अधिकारी एक कार्यक्रम आयोजित करेंगे और इन नये कानूनों की प्रमुख विशेषताओं से लोगों को अवगत कराएंगे।

राधा-रानी विवाद

पंडित प्रदीप मिश्रा ने नाक रगड़कर मांगी माफी

- अचानक बरसाना पहुंचे, कृष्ण के बजाय किसी और को बताया था राधा का पति

मथुरा (एजेंसी)। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने राधा-रानी के जन्म और विवाह से जुड़े अपने बयान पर माफी मांग ली। वे शनिवार की दोपहर बरसाना पहुंचे। राधा रानी मंदिर में नाक रगड़कर माफी मांगी। दंडवत प्रणाम किया। इसके बाद मंदिर से बाहर निकले। हाथ जोड़कर ब्रज वासियों का अभिनंदन किया। राधा रानी को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद कथा वाचक प्रदीप मिश्रा ने शुक्रवार को बरसाना स्थित मंदिर पहुंचकर माफी मांग ली। साधु-संतों के भारी विरोध के बाद बरसाना पहुंचे कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने राधा रानी के सामने पहले सिर झुकाया फिर दंडवत होकर नाक रगड़ी। कथावाचक ने राधा रानी से माफी मांगते हुए कहा, उन्होंने जो कुछ भी कहा है उसके लिए राधा रानी उन्हें माफ करें।

ये लड़ाई नहीं रुकेगी...., सुवेंदु ने डीए के लिए आंदोलन कर रहे कर्मियों को सौंपा 40 हजार रुपये का चेक

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल सरकार के कर्मचारियों का एक बड़ा वर्ग केंद्र सरकार के कर्मियों की तरह ही महंगाई भत्ता (डीए) की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलनरत हैं। उस आंदोलन का संचालन सरकारी कर्मचारियों के संगठन संग्रामी संयुक्त मंच कर रहा है।

अधिकारी ने सौंपा 40 हजार रुपये का चेक

भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने नेता प्रतिपक्ष के तौर पर ममता सरकार की ओर से दिए जाने वाले अपना अतिरिक्त वेतन शुक्रवार को उस संगठन के सदस्यों को सौंप दिया। उन्होंने डीए आंदोलन करने वाले कर्मचारियों को 40 हजार रुपये का चेक सौंपा। उन्होंने कहा कि संग्रामी मंच के सदस्यों को हर माह वेतन का पैसा सौंपा जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में लंबित है डीए मामला

डीए मामला फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सुवेंदु ने कहा कि यह पैसा सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई जारी रखने के लिए जरूरी खर्चों के लिए है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल के नेता के तौर पर बंगाल सरकार ने मुझे जो अतिरिक्त वेतन दिया था, वे रुपये मैंने मंच को दे दिए। उनके धरना मंच पर जाने से पहले, मैंने कहा था कि मैं उनकी कानूनी लड़ाई में साथ खड़ा रहूंगा। इसलिए मैं ये थोड़ा सा पैसा उन्हें सौंप रहा हूं। हालांकि यह समुद्र में एक बूंद पानी की तरह है। डीए आंदोलन का मामला अब सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। वहां किसी मामले की पैरवी करने में बहुत पैसा खर्च होता है।

वकीलों की फीस और यात्रा पर खर्च होगा पैसा: उन्होंने मुझसे कहा कि यह पैसा वकीलों की फीस और यात्रा खर्च पर खर्च किया जाएगा। सुवेंदु ने यह भी कहा कि बकाया डीए की मांग कर रहे आंदोलनकारियों से जो वादा मैंने किया था उसे निभाना शुरू किया है। जब तक मैं विपक्ष के नेता के पद पर रहूंगा और मुझे यह अतिरिक्त वेतन मिलता रहेगा, मैं इसे हर महीने उन्हें सौंपता रहूंगा। मैं कैमरे के सामने शुरुआत कर रहा हूं, क्योंकि ये बताना जरूरी है कि लड़ाई में विपक्षी नेता उनके पक्ष में हैं। ये लड़ाई नहीं रुकेगी।

टीएमसी ने साधा निशाना

गौरतलब है कि नेता प्रतिपक्ष समेत सभी विधायकों के वेतन में बढ़ोतरी की बात पहले कही गई थी। इसे राज्य विधानसभा से पारित भी कर दिया गया। सुवेंदु को बढ़ी हुई सैलरी पिछले एक अप्रैल से मिल रही है। शुक्रवार को उन्होंने वेतन का अतिरिक्त हिस्सा आंदोलनकारियों को सौंप दिया, हालांकि सत्तारूढ़ तृणमूल ने इसकी आलोचना की है।

बंगाल में जम्मू तवी एक्सप्रेस के साथ कोलकाता एयरपोर्ट पर बम रखे होने की खबर, मचा हड़कंप

कोलकाता, एजेंसी। जम्मू तवी एक्सप्रेस में विस्फोटक रखे जाने की सूचना से शुक्रवार को यात्रियों में हड़कंप मच गया। दक्षिणेश्वर स्टेशन पर ट्रेन को रोककर खोजी कुत्ते के जरिए तलाशी ली गई। आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने भी तलाशी शुरू कर दी। रेलवे पुलिस का कहना है कि कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। रेलवे पुलिस को किसी ने सूचना दी कि कोलकाता स्टेशन जाने वाली ट्रेन के एस-8 डिब्बे में विस्फोटक है। सीआईडी व बम निरोधक दस्ते को सूचना दे दी गई। इसके बाद ट्रेन के यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

कोलकाता एयरपोर्ट पर बम रखे जाने की सूचना से दहशत: वहीं, दूसरी ओर कोलकाता एयरपोर्ट पर शुक्रवार को बम रखे जाने की सूचना से दहशत फैल गई। एक व्यक्ति ने कोलकाता से पुणे जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में बम रखे जाने की सूचना दी। एयर एशिया की फ्लाइट को 100 यात्रियों के साथ कोलकाता से पुणे के लिए रवाना होना था। जैसे ही विमान रनवे पर जाने वाला था, तभी बम की खबर आई।

एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया

इस घटना में योगेश भोसले नामक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। जांच के दौरान सीआइएसएफ ने पूछा कि बैग में क्या है तो योगेश भोसले ने जवाब दिया कि बैग में बम है। सीआइएसएफ ने तुरंत यात्री को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की। अधिकारियों ने विमान की तलाशी ली लेकिन कुछ नहीं मिला।

बंगाल एसटीएफ ने नए आतंकी मॉड्यूल शहादत का किया खुलासा

चेन्नई से संगठन का एक आतंकवादी गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल की एसटीएफ ने बांग्लादेश की आतंकी संगठन शहादत-ए-अल-हिकमा के मॉड्यूल के एक और आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अनवर शेख राजमिस्त्रियों के प्रबंधक का कार्य करता था। इसी काम की आड़ में अनवर शेख आतंकी समूह के लिए काम कर रहा था। उसे चेन्नई से गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को उसे कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता लाया जाएगा।

आतंकियों से पूछताछ में हुआ खुलासा: खबर है कि बंगाल में गिरफ्तार आतंकियों से पूछताछ में उसके बारे में पता चला था। इसके बाद एसटीएफ की टीम चेन्नई जाकर उस दबोचा है। दो अक्टूबर 2014 को खागरागढ़ बम विस्फोट हुआ था। इस धमाके के बाद बांग्लादेशी आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिद्दीन आतंकी संगठन के बड़े मॉड्यूल का राजफाश हुआ था। उसी बर्धमान में नए आतंकी मॉड्यूल शहादत का पता चला है। बर्धमान से तीन संदिग्धों की गिरफ्तारी के बाद संगठन का पर्दा उठा है।

शहादत मॉड्यूल के पांच आतंकी गिरफ्तार: ऐसा माना जाता है कि मोहम्मद हबीबुल्लाह बांग्लादेश में संचालित इस आतंकवादी संगठन का बंगाल में किंगपिन माना जा रहा है। हाल ही में पुलिस ने ढाका के शाहीनबाग, गुलिस्तान इलाके में तलाशी के बाद नए शहादत मॉड्यूल के पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। सूत्रों का दावा है कि उनसे पूछताछ कर बंगाल के तीनों आतंकियों के बारे में पता चला था। वे मुख्य रूप से ढाका, सतक्षिरा, जशोर क्षेत्र में सक्रिय है। इसके बाद हारेज शेख नाम के एक और आतंकी को हावड़ा स्टेशन परिसर से गिरफ्तार किया गया था। अब इसी मॉड्यूल का एक और आतंकी अनवर शेख को चेन्नई से गिरफ्तार किया गया है।

कोलकाता में आठ ठिकानों पर ईडी की छापेमारी,

करोड़ों रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ताबड़तोड़ कार्रवाई

कोलकाता, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को 2021 के मनी लॉन्ड्रिंग मामले से संबंधित कोलकाता में कई स्थानों पर छापेमारी की। पहले इस मामले की जांच सीबीआई कर रही थी। सूत्रों ने बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित मामले में जो छापेमारी की गई है उसका कुछ विदेशी संबंध भी है।

ईडी की टीमों को सुरक्षा दे रहे जवान: शहर में आठ अलग-अलग स्थानों पर समानांतर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं, जिसमें न्यू अलीपुर, जोधपुर पार्क स्थित साउथ सिटी आवासीय परिसर, लेक टाउन और जादवपुर भी शामिल है। ईडी की टीमों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवान सुरक्षा दे रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि मामले में मुख्य आरोप विभिन्न मल्टी-लेवल मार्केटिंग योजनाओं के तहत अवैध रूप से सार्वजनिक जमा राशि इकट्ठा करने से संबंधित है, जैसा कि सारधा समूह और रोज वैली समूह जैसे चिटफंड घोटाले के मामलों में हुआ था।

इन शहरों में की गई थी जमा वसूली : बंगाल के अलावा ओडिशा, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में भी इस तरह की जमा वसूली की गई। इन राज्यों के विभिन्न शहरों में ऑपरेटरों के दफ्तरों और एजेंटों के नेटवर्क फैले हुए हैं। इस मामले में वित्तीय संलिप्तता सैकड़ों करोड़ रुपये की है।

बंगाल हिंसा मामलों की समिति ने जेपी नड्डा को सौंपी रिपोर्ट

अफसरों पर कार्रवाई से लेकर पीड़ितों को आर्थिक मदद के दिए सुझाव

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में राजनीतिक हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं। भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले, हत्या आदि की कई घटनाएं सामने आने के बाद भाजपा शीर्ष नेतृत्व द्वारा गठित गई वरिष्ठ नेताओं की जांच समिति ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को जो रिपोर्ट सौंपी है, वह बंगाल में अराजकता की कहानी कहती है।इस रिपोर्ट में केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती वहां बरकरार रखने की जरुरत बताते हुए जनता का उत्पीड़न करने वाले अफसरों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद का सुझाव दिया गया है। बंगाल में चल रही राजनीतिक हिंसा के तथ्यों की पड़ताल के लिए पिछले दिनों जेपी नड्डा ने चार सदस्यीय समिति गठित की थी।

बिप्लब कुमार देव की अध्यक्षता में बनी समिति

त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देव की अध्यक्षता में बनी इस समिति में सांसद रवि शंकर प्रसाद, बृजलाल और कविता पाटीदार को रखा गया। समिति ने बंगाल का दौरा किया और पूरी रिपोर्ट तैयार कर समिति ने शुक्रवार को उसे राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंप दिया।

सरकारी मशीनरी का खुलेआम दुरुपयोग- रिपोर्ट

भाजपा के मुताबिक, रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकारी मशीनरी का खुलेआम दुरुपयोग चुनाव में करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया गया है। पुलिस बल को टीएमसी का सहायक बल बना दिया गया। आरोप है कि जिन लोगों ने टीएमसी के विरुद्ध मतदान किया, उनका अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न किया जा रहा है। उनका पानी का कनेक्शन काट दिया है, रास्ते बंद कर दिए हैं। घरों के आसपास कूड़ा फेंका जा रहा है। ऐसे दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की बात कही गई है।

बंगाल शिक्षक घोटाले में CBI ने कसा शिकंजा!

एजेंसी ने शिक्षा विभाग के गोदाम से बरामद किए दस्तावेज

कोलकाता, एजेंसी। शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में सीबीआई ने शुक्रवार को कोलकाता से सटे साल्टलेक स्थित शिक्षा विभाग के मुख्यालय में लगातार तीसरे दिन छापेमारी की। जांच अधिकारियों ने शिक्षा विभाग के सील किए गए गोदाम में भी तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने गोदाम से अनेक दस्तावेज बरामद किए। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक बरामद दस्तावेजों से केंद्रीय जांच एजेंसी को शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच में कुछ अहम तथ्य मिल सकते हैं।

सीबीआई ने सील कर दिया था गोदाम

शिक्षा विभाग के विभिन्न दस्तावेजों को संग्रहीत करने के लिए उपयोग किए जाने वाले गोदाम को 23 दिसंबर, 2022 को सीबीआई ने सील कर दिया था। इससे पहले गत चार जनवरी को सीबीआई के जांचकर्ताओं ने विकास भवन में राज्य के शिक्षा सचिव मनीष जैन से पूछताछ की थी और कुछ जरूरी दस्तावेज भी जुटाए थे।

ममता बनर्जी की बढ़ी मुश्किलें,

हाईकोर्ट पहुंचे पश्चिम बंगाल के राज्यपाल दायर किया मानहानि का मुकदमा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में दो नवनिर्वाचित विधायक के शपथ का मामला तूल पकड़ रहा है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। एक दिन पहले ही ममता बनर्जी ने कहा था कि महिलाओं ने उनसे शिकायत करते हुए कहा था कि वे राजभवन की गतिविधियों के कारण वहां जाने से डरती हैं। सूत्र ने इस बात की जानकारी दी है। इस बयान के बाद राज्यपाल ने ममता बनर्जी के खिलाफ मानहानी का मुकदमा दायर किया है। बता दें कि इससे पहले सीवी आनंद बोस ने ममता बनर्जी की टिप्पणियों के लिए उनकी

आलोचना की थी और कहा कि जन प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे गलत और निंदनीय धारणाएं न पैदा करें।

टीएमसी नेताओं के खिलाफ दायर किया मुकदमा: साथ ही बंगाल के राज्यपाल ने इसी तरह की टिप्पणी करने के लिए ममता बनर्जी के साथ कुछ टीएमसी नेताओं के खिलाफ भी मानहानि का मुकदमा दायर किया है। जानकारी के लिए बता दें कि टीएमसी नेता कुणाल घोष ने भी सीवी आनंद बोस को दिल्ली के होटल ताज पैलेस को लेकर धमकी दी थी। उन्होंने कहा था, सोमवार दोपहर 3 बजे तक हमारे दोनों तृणमूल कांग्रेस के विधायकों ने शपथ नहीं ली तो मंगलवार से दिल्ली के होटल ताज पैलेस की अनकही कहानी सामने आ जाएगी।

राज्यपाल पर लगा था छेड़छाड़ का आरोप: इस बात से राज्यपाल नाराज हो गए और उन्होंने जवाब में कहा, वह इसका जवाब 4 बजे के बाद देंगे। राजभवन की एक संविदा महिला कर्मचारी ने दो मई को राज्यपाल बोस पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। इसके बाद कोलकाता पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी।

ये खतरनाक बांग्लादेशी आतंकी संगठन बंगाल में फिर बढ़ा रहा पैठ, सात सदस्यों की गिरफ्तारी से सुरक्षा एजेंसियां चिंतित

कोलकाता, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रतिबंधित आतंकी संगठन शहादत-ए-अल-हिकमा से जुड़े सात लोगों की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां चिंतित हैं। एक बड़ा सवाल ये खड़ा हो गया है कि क्या राज्य में आतंकी संगठन फिर से जाल फैला रहा है। बंगाल पुलिस के एसटीएफ ने सबसे पहले इस संगठन से जुड़े होने के आरोप में कंप्यूटर साइंस के छात्र मोहम्मद हबीबुल्लाह को शनिवार देर शाम पश्चिम बर्द्धमान जिले में उसके घर से गिरफ्तार किया था। हबीबुल्लाह बंगाल में संगठन का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। उससे पूछताछ के बाद ही बाकी छह सदस्यों को पकड़ा गया।

शहादत-ए-अल-हिकमा बांग्लादेश में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन: मालूम हो कि शहादत-ए-अल-हिकमा बांग्लादेश में एक प्रतिबंधित इस्लामी आतंकवादी संगठन है। हबीबुल्लाह व उसका अन्य साथी फिलहाल 14 दिनों की पुलिस हिरासत में हैं। उन सभी से पूछताछ कर एसटीएफ इस संगठन से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में भी पता लगाने में जुटी है।

अलकायदा के सदस्यों की भी बंगाल से गिरफ्तारी होती रही है: बता दें कि अलकायदा सहित अन्य आतंकी संगठनों के सदस्यों की भी बंगाल से लगातार गिरफ्तारी होती रही है। बांग्लादेश की सीमा से सटे मुर्शिदाबाद जिले से चार साल पहले एनआईए ने नौ अलकायदा आतंकियों को गिरफ्तार किया था। एसटीएफ का दावा है कि हबीबुल्लाह पश्चिम और पूर्व बर्द्धमान जिले के युवाओं को आतंकी संगठन में भर्ती कराने का प्रयास कर रहा था। अन्य जिलों में भी इसके लिंक की जांच की जा रही है।

चंद्रचूड़ की सीएम ममता ने की तारीफ, कहा- न्यायपालिका को निष्पक्ष और ईमानदार होना चाहिए

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि न्यायपालिका को राजनीतिक पक्षपात वाला नहीं, बल्कि पूरी तरह से निष्पक्ष, ईमानदार और पवित्र होना चाहिए। कोलकाता में नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि मेरी एकमात्र अपील है कि देश की न्यायपालिका को पूरी तरह निष्पक्ष और

ईमानदार होना चाहिए। गोपनीयता बरकरार रहनी चाहिए। सम्मेलन में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम भी मौजूद थे। कानून की डिग्री रखने वाली सीएम ममता ने कहा कि वह भी कानूनी बिरादरी की सदस्य हैं और न्याय तंत्र उनके लिए एक पवित्र मंदिर, चर्च, मस्जिद या गुरुद्वारे की तरह है।

जजों की तुलना भगवान से करना सही नहीं, CJI डीवाई चंद्रचूड़ ने अदालत और न्याय को लेकर क्या कह दिया?

कोलकाता, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि जजों की तुलना भगवान से करने की परंपरा खतरनाक है, क्योंकि जजों की जिम्मेदारी आम लोगों के हित में काम करने की है। कोलकाता में नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, अक्सर हमें आनर या लार्डशिप या लेडीशिप कहकर संबोधित किया जाता है। जब लोग अदालत को न्याय का मंदिर बताते हैं तो इसमें एक बड़ा खतरा है। बड़ा खतरा है कि हम खुद को उन मंदिरों में बैठे भगवान मान बैठें। सीजेआई ने कहा कि जब उनसे कहा जाता है कि अदालत न्याय का मंदिर होता है तो वह कुछ बोल नहीं

पाते हैं, क्योंकि मंदिर का मतलब है कि जज भगवान की जगह हैं। बल्कि मैं कहना चाहूंगा कि जजों का काम लोगों की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि जब आप खुद को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखेंगे जिनका काम लोगों की सेवा करना है तो आपके अंदर दूसरे के प्रति संवेदना और पूर्वाग्रह मुक्त न्याय करने का भाव पैदा होगा।

कामकाज में टेक्नोलाजी पर दिया जा रहा जोर

उन्होंने कहा कि किसी क्रिमिनल केस में भी सजा सुनाते समय जज संवेदना के साथ ऐसा करते हैं क्योंकि अंतत-किसी इंसान को सजा सुनाई जा रही है। सीजेआई ने कहा, इसलिए मेरा मानना है कि संवैधानिक नैतिकता की ये अवधारणाएं महत्वपूर्ण हैं- न सिर्फ सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के जजों के लिए बल्कि जिला स्तर के जजों के लिए भी, क्योंकि न्यायपालिका के साथ आम लोगों का पहला संपर्क जिले की न्याय व्यवस्था के साथ ही शुरू होता है। उन्होंने न्यायपालिका के कामकाज में टेक्नोलाजी के महत्व पर भी जोर दिया। उनके अनुसार, आम लोगों द्वारा फैसले तक पहुंच और इसे समझने में भाषा सबसे बड़ी बाधा है। टेक्नोलाजी कुछ चीजों का समाधान प्रदान कर सकता है। ज्यादातर फैसले अंग्रेजी में लिखे जाते हैं। टेक्नोलाजी ने हमें उनका अनुवाद करने में सक्षम बनाया है। हम 51,000 फैसलों का दूसरी भाषाओं में अनुवाद कर रहे हैं। सम्मेलन में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम भी मौजूद थे।

पटना समेत 26 जिलों में बारिश का अलर्ट, मधुबनी में नदी में निर्माणाधीन पुल का गार्डर गिरा

कटिहार में महानंदा का कटाव जारी

पटना, एजेंसी। बिहार में मानसून एक्टिव हो चुका है। आज प्रदेश के 26 जिलों में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट है। मौसम विभाग की माने तो अगले दो से तीन दिनों में मानसून पूरे बिहार को कवर कर लेगा। इसके कारण अगले 72 घंटे के दौरान बिहार में मानसून की गतिविधियां तेज हो जाएगी। मौसम विभाग ने आज कई जिलों में तेज हवा और आकाशीय बिजली का भी अलर्ट जारी किया है। मधुबनी में बारिश की वजह भुतही बलान नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इससे 2.98 करोड़ की लागत से 4 पिलर वाला निर्माणाधीन पुल का गार्डर गिर गया। बताया जा रहा है कि 2 दिन पहले ही इसकी ढलाई हुई थी। वहीं कटिहार के अमदाबाद प्रखंड में महानंदा नदी के जलस्तर में उतार-चढ़ाव के कारण कटाव हो रहा है। इसके साथ ही पटना में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने लगा। अररिया में परमान और पूर्णिया में महानंदी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया है।

मधुबनी में निर्माणाधीन पुल का गार्डर गिरा

अधिकारियों ने बताया कि गार्डर की ढलाई करने के बाद नदी के जलस्तर अचानक बढ़ा। इसकी वजह से शेटरिंग पानी के तेज बहाव में बह गया। जिसके चलते ये गार्डर गिरा है। ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से साल 2021 से ही पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। घटना में किसी के जान के नुकसान की खबर नहीं है।

तक सिर्फ 20 जिलों में अच्छी बारिश हुई

प्रदेश में मानसून की एंट्री 20 जून को किशनगंज और पूर्णिया के रास्ते हो गई थी। इसके बाद मानसून कमजोर पड़ गया था। 24 जून से एक बार फिर से सक्रिय होकर आगे बढ़ने लगा। हालांकि, अभी तक मानसून की अच्छी बारिश प्रदेश के 20 जिलों में देखने को नहीं मिली है।

इन जिलों में रविवार तक अच्छी बारिश होने की संभावना है। बक्सर, आरा, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, बांका, जमुई, नवादा, गया, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर, बेगूसराय, सहरसा, खगड़िया, समस्तीपुर और सीवान में अच्छी बारिश हो सकती है।

परमान-महानंदा नदी खतरे के निशान के ऊपर

उधर, अररिया में परमान नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 22 सेमी ऊपर है। शुक्रवार की रात में और 18 सेमी जलस्तर बढ़ने का पूर्वानुमान था। इसी तरह महानंदा नदी का जलस्तर पूर्णिया के ढेंगराघाट पर खतरे के निशान से 64 सेमी ऊपर है। कटिहार के झावा में यह नदी खतरे के निशान से 11 सेमी नीचे है।

पटना में गंगा का बढ़ा जलस्तर

राज्य में बारिश होने के बाद गंगा समेत अन्य नदियों का जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया है। पटना के गांधी घाट पर पिछले 24 घंटों में गंगा का पानी 44 सेमी बढ़ा है। यहां गुरुवार को 42.27 मीटर जलस्तर मापा गया था जो शुक्रवार को बढ़कर 42.71 मीटर हो गया। हालांकि, यह खतरे के निशान से अभी 5.89 मीटर नीचे है। गांधी घाट पर खतरे का निशान 48.60 मीटर है।

59 फीसदी बारिश में कमी

पिछले 24 घंटे के दौरान बिहार में सबसे ज्यादा बारिश पूर्वी चंपारण में 56.3 एमएम रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अब तक बिहार में 59 फीसदी बारिश में कमी हुई है। 28 जून तक बिहार में 140.4 एमएम बारिश होनी थी, लेकिन सिर्फ 57.3 एमएम ही बारिश हुई है।

संक्षिप्त समाचार

चलती बस के नीचे आकर दी जान, बस के आते ही पिछले पहिए के सामने आया

गया, एजेंसी। गया शहर में एक शख्स ने चलती बस के नीचे आकर अपनी जान दे दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। घटना सोमवार की शाम साढ़े छह बजे की है। मामला डेल्हा थाना क्षेत्र के छोटकी डेल्हा मुख्य मार्ग का है। वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स आत्महत्या करने की नीयत से अचानक से चलती बस के पिछले पहिए के नीचे आ जाता है। उसका सिर बुरी तरह से कुचलते हुए बस आगे निकल जाती है। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृत अधेड़ की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। मृतक गंजी और लूंगी में था और वह नाराज दिख रहा था। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि किन कारणों से उसने आत्महत्या की है। इसकी पुष्टि शव की शिनाख्त होने के बाद ही हो सकेगी। घटनास्थल पर लोगों के बीच चर्चा है कि मरने वाला शख्स किसी बात को लेकर परेशान चल रहा था। डेल्हा थानाध्यक्ष इंद्रदेव इंद्र ने बताया कि शव की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। मृतक का चेहरा और सीना बुरी तरह से कुचला गया है। आसपास के लोगों की भी मदद ली जा रही है, लेकिन पहचान नहीं हो सकी है।

भोजपुर में ससुराल आए दामाद की मौत

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के चरपोखरी थाना क्षेत्र के डेगो डिहरी गांव में शुक्रवार को संदेहास्पद स्थिति में ससुराल आए दामाद की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक अरवल जिला के कुर्था थाना क्षेत्र के मकदुमपुर गांव निवासी शिव बलम सिंह का बेटा विकास कुमार(19) है। वह हैदराबाद में रहकर प्राइवेट कंपनी में काम करता था। इधर, मृतक के ससुर संतोष कुमार ने बताया कि वह हैदराबाद जाने वाला था। 10 दिन पहले अपनी पत्नी और बच्चे से मिलने के लिए चरपोखरी थाना क्षेत्र के डेगो डिहरी गांव ससुराल आया था। शुक्रवार की देर शाम जब वह चौकी पर बैठा हुआ था। तभी अचानक वह बेहोश होकर गिर गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे पहले इलाज के लिए गड़हनी PHC ले जाया गया। जहां से प्राथमिक इलाज के बाद उसे आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन तुरंत उसे आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, घटना के बाद परिजन उसके शव का बिना पोस्टमॉर्टम कराए ही वापस गांव ले गए। हालांकि, युवक की मौत क्यों और कैसे हुई यह स्पष्ट नहीं हो सका है। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई और एक बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां सीता देवी, पत्नी प्रीति कुमारी और एक डेढ़ साल का बेटा विराट है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की मां सीता देवी, पत्नी प्रीति कुमारी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बालू उठाव से बने गड्ढों का नहीं हुआ समतलीकरण

गया/बाराचट्टी, एजेंसी। राज्य सरकार की ओर से 15 जून से नदियों से बालू उठाव बंद करने का आदेश जारी किया गया। आदेश जारी करने के बाद जिला प्रशासन की ओर से तीस जून तक सभी नदी घाटों से बालू खनन के दौरान बने गड्ढों को समतलीकरण करने का आदेश जारी किया गया। मगर आदेश जारी होने के बाद भी मोहनपुर प्रखंड क्षेत्र के कई नदी घाटों का हाल जस का तस बना हुआ है। मोहनपुर प्रखंड के लाडू गांव के समीप से गुजरी लीलाजन नदी में लगभग दस जगहों पर बालू का उठाव किया गया है। बालू खनन वाले इलाकों में पंद्रह से बीस फिट तक गहरा हो गया है। गढ़ों में पानी का जमाव बना है। जिस कारण आए दिन किसी भी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। जानकारी के अनुसार साल 2022 में संबंधित नदी घाट पर गड्ढे में डूबने से लाडू गांव के अंशु कुमार की मौके पर मौत हो

भोजपुर पुलिस को 2 मामलो में मिली कामयाबी
फाइनेंसकर्मी से लूटकांड केस में अपराधी गिरफ्तार
लूट की राशि में मोबाइल बरामद

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर पुलिस को दो अलग-अलग मामलों में सफलता मिली है। गड़हनी थाना क्षेत्र अन्तर्गत रतनाढ़- धमनियां पथ पर सुअरी बाल के पास एक फाइनेंस कर्मी से घटित लूटपाट के मामले का पुलिस ने राजफास किया है। साथ ही कांड में संलिप्त एक बदमाश को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार बदमाश सुभाष कुमार रतनाढ़ गांव का निवासी है। पुलिस ने उसके पास से लूट की राशि में से 5600 नकद और एक छीना गया एक मोबाइल बरामद किया है। इसकी जानकारी एसपी प्रमोद कुमार ने दी। लाइनर के रूप में भूमिका सामने आई है। उन्होंने बताया कि कांड का उद्भेदन कर लिया गया है। कांड में संलिप्त तीन अन्य अपराधियों की तलाश जारी है। एसपी ने बताया कि आरा के कतीरा में संचालित एक फाइनेंस कंपनी में कार्यरत कर्मचारी बड़हरा के बखोरापुर निवासी नागेन्द्र सिंह 19 जून को तगादा में गड़हनी की ओर गए थे।

इस दौरान रतनाढ़ गांव से नकदी लेकर निकलते ही दो बाइक सवार 4 हथियार बंद बदमाशों ने ओवरटेक कर सुअरी बाल के पास फाइनेंस कर्मी को कब्जे में ले लिया था। उनके पास से 1 लाख 3471 रुपए और मोबाइल लूट लिया था। इसे लेकर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी कराई गई थी। इसके आधार पर कांड के उद्भेदन के लिए टीम का गठन किया गया था। गड़हनी थानाध्यक्ष के नेतृत्व में गठित टीम ने रतनाढ़ गांव में छापेमारी कर कांड में संलिप्त सुभाष कुमार को गिरफ्तार कर लिया। लूटा गया मोबाइल के अलावा 5600 रुपए नकद बरामद कर लिया गया। पूछताछ में उसने संलिप्त स्वीकार करते हुए साथियों का नाम बताया है। टीम में दारोगा कुमार गौरव के अलावा डीआइयू के पदाधिकारी शामिल थे। 3 अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है, सभी फरार हैं।

कमालुचक दोहरे में वांछित बालू धंधेबाज गिरफ्तार

कोईलवर थाना क्षेत्र के कमालुचक दोहरे हत्याकांड में वांटेड बालू धंधेबाज को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार हरेराम प्रसाद कोईलवर थाना के महादेव चक सेमरिया गांव का निवासी है। वांछित की गिरफ्तारी महादेव चक सेमरिया से हो सकी। इससे पहले 15 जून को इस कांड में वांछित लाल बाबू यादव को गिरफ्तार किया गया था। वांछित की गिरफ्तारी सारण जिले के डोरीगंज क्षेत्र से हो सकी थी। गिरफ्तार लाल बाबू यादव के पास से 315 बोर का 133 कारतूस बरामद किया गया था। बता दें कि एक मई की रात कोईलवर थाना क्षेत्र के कमालुचक दियारा में अवैध बालू खनन को लेकर घटित गोलीबारी में सारण जिले के चकिया निवासी सुदर्शन राय और विकास की मौत हो गई थी। इसे लेकर मृतक के पिता ने प्राथमिकी कराई थी। इसमें सत्येन्द्र पांडेय और गुड्डू राय गैंग को आरोपित किया गया था। इस घटना को लेकर पुलिस ने तत्काल ही 19 मई को सारण के चकिया निवासी शूटर सरोज राय को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में कांड में संलिप्त अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी हुई थी। इधर, कांड में संलिप्त अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी को कोईलवर एसडीपीओ टू रंजीत सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित किया गया था। इस दौरान टीम ने महादेव चक सेमरिया गांव से हरेराम प्रसाद को धर दबोचा। टीम में कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद और दारोगा राम जन्म कुमार शामिल थे।

ट्रक और बाइक में आमने-सामने भिड़ंत, एक की मौत

कटिहार, एजेंसी। कटिहार में शुक्रवार की रात करीब 11:00 बजे के करीब भीषण सड़क हादसा हुआ है। जहाँ ट्रक और बाइक की आमने-सामने भिड़त हो गई। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि मनिहारी से कटिहार आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने गौशाला हवाई अड्डा की ओर जा रही एक बाइक सवार को रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी के बाद पहुंचे स्थानीय लोग उसे मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान बरारी प्रखंड के सजापुर निवासी 30 वर्षीय फंटूश मंडल के रूप में की गई है। हादसे के बाद चालक और खलासी घटनास्थल पर वाहन छोड़कर फरार हो गए। हादसे की जानकारी के बाद पहुंचे परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। घटना सहायक थाना क्षेत्र के ललियाही हनुमान मंदिर बुलेट शोरूम के पास की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉटम के लिए भेज दोनों वाहन को जब्त कर लिया है।

छपरा से उधना व बड़ोदरा के लिए 30 जून से चलेगी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

छपरा , एजेंसी। छपरा जंक्शन से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर है। अगर वे गर्मियों की छुट्टी में बड़ोदरा या उधना जाना चाह रहे हैं तो उन्हें आसानी होगी। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की हो रही भारी भीड़ को देखते हुये यात्री जनता की सुविधा के लिए 09041/09042 उधना-छपरा-वड़ोदरा ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन उधना से 30 जून व 7 जुलाई दिन रविवार को व वड़ोदरा से 2 व 9 जुलाई दिन मंगलवार को 2 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। रविवार को उधना से 22.00 बजे प्रस्थान कर सायन से 22.37 बजे, भरूच से 23.12 बजे, दूसरे दिन वड़ोदरा से 00.40 बजे, गोधरा से 01.55 बजे, रतलाम सें 5.10 बजे, नागदा से 05.52 बजे, कोटा से 09.40 बजे, सवाई माधोपुर से 11.07 बजे, गंगापुर सिटी से 12.22 बजे, बयाना से 14.52 बजे, आगरा फोर्ट से 17.00 बजे, टुण्डला से 17.32 बजे, इटावा से 18.22 बजे, गोविन्दपुरी 21.02 बजे, तीसरे दिन प्रयागराज जं. से 01.40 बजे, बनारस से 03.55 बजे, गाजीपुर सिटी से 6.05 बजे तथा बलिया से 7.27 बजे छूटकर छपरा 9.00 बजे पहुंचेगी।

दामाद ने ससुर पर चाकू से किया हमला, जख्मी, जमुई में बचाने पहुंची पत्नी और बेटे को भी पीटा

पीड़ित बोले-पंचायत से लौटने के बाद घर में सोया था

जमुई, एजेंसी। जमुई के गिद्धौर थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव में दामाद ने अपने ही ससुर पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं उसे बचाने पहुंची उसकी बेटी और नाती को भी मारपीट कर घायल कर दिया। सभी को इलाज के लिए गिद्धौर अस्पताल लाया गया। घटना की जानकारी के बाद आरोपी विजय यादव घर छोड़कर फरार हो गया। जिसे पुलिस पकड़ने की कोशिश में जुट गई है। जहां वृद्ध की हालत गंभीर बनी हुई है। घायल की पहचान खैरा प्रखंड के लालपुर गांव निवासी मसूदन यादव और उसकी पुत्री उरो देवी नाती प्रदीप यादव के रूप में की गई है।

नशे में धुत्त होकर किया हमला : घायल मसूदन यादव ने बताया कि उसकी बेटी की शादी गिद्धौर थाना क्षेत्र के रतनपुर निवासी विजय यादव के साथ की गई थी। वहीं शादी के बाद से ही उसे उसके पति आए दिन शराब के नशे में धुत होकर उसे प्रताड़ित करता है और तलवार से मारपीट करता है। इसी बात की जानकारी के बाद वह गुरुवार को उसके पिता मसूदन यादव रतनपुर गांव पहुंचे थे। जहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ शुक्रवार के दोपहर पंचायत बुलाई गई थी। जहां पंचायत में मारपीट के मामले को सुलटाने की बात कही गई थी। लेकिन देर शाम शराब के नशे में उसके दामाद विजय यादव आया और जब मसूदन यादव अपनी बेटी के घर में सोया था।

तभी उसके सिर पर दामाद विजय यादव ने तेजधार हथियार से उसके सिर पर हमला कर दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल वृद्ध को बचाने पहुंचे उसकी बेटी उरो देवी और नाती प्रदीप यादव के साथ भी मारपीट की। जिसमें तीनों घायल हो गया।

सड़क हादसे में असिस्टेंट प्रोफेसर की मौत अनियंत्रित पिकअप ने रौंदा
मुजफ्फरपुर से बाइक से आ रहे थे नालंदा,इलाज के दौरान गई जान

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में शुक्रवार को सड़क हादसे में एक युवक की इलाज के दौरान देर शाम मौत हो गई। मामला चेरो ओपी अंतर्गत एनएच-20 द्वारिका बीघा गांव के पास की है। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर जिला के मीठापुर निवासी महेश कुमार के बेटे राजीव कुमार(30) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतक के दोस्त ने बताया कि राजीव कुमार मुजफ्फरपुर से अपनी बाइक से नालंदा आ रहे थे। तभी चेरो ओपी अंतर्गत बेकाबू पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। घटना के बाद पिकअप चालक गाड़ी छोड़ मौके से फरार हो गया। वहीं, गंभीर रूप से घायल राजीव कुमार को स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने इलाज के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से नाजुक स्थिति को देखते हुए पावापुरी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो

गई। राजीव कुमार नालंदा में फार्मासिस्ट कॉलेज के अंदर असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे। वह ड्यूटी करने के लिए नालंदा आ रहे थे। इसी बीच सड़क हादसे का शिकार हो गए। घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस द्वारा परिजनों को दी गई। वहीं, इस मामले में चेरो ओपी प्रभारी मिथिलेश कुमार पंडित ने बताया कि पिकअप को जब्त करते हुए थाना लाया गया है। मौत की पुष्टि के बाद से शव को कब्जे में लेकर पुलिस पोस्टमॉर्टम कराने की प्रक्रिया में जुट गई है। आवेदन मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

संभावित बाढ़ की समस्या से निपटने की तैयारी में जुट जिला प्रशासन

सहरसा, एजेंसी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बाढ़ पूर्व तैयारी की समीक्षा कर संबंधित पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए। वर्षा मापक यंत्र की अद्यतन स्थिति के संबंध में बताया गया कि वर्षा मापक यंत्र सभी अंचलों, प्रखंड में कार्यशील है।समय समय पर इसके भौतिक सत्यापन का निर्देश दिया गया है।तटबंधों की वर्तमान स्थिति के संबंध में कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण द्वारा तटबंधों के पूर्णत सुरक्षित होने के संबंध में आश्वस्त किया गया है।जिलाधिकारी वैभव चौधरी ने संबंधित अंचलाधिकारी को तटबंधों के निरंतर पर्यवेक्षण एवं इसके सुरक्षा के लिए ठोस कारवाई का निर्देश दिया।संभावित बाढ़ की स्थिति में स्थानीय व जिला स्तर पर आवश्यक सूचनाओं के आदान प्रदान और इसके आधार पर त्वरित कार्रवाई के लिए पंचायत स्तर पर कम्युनिकेशन प्लान के निर्माण तत्संबंधी सूची जिला को अविलंब उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। इस आशय का निर्देश सिमरी,महिषी,नवहट्टा,सलखुआ के अंचलाधिकारी सुनिश्चित कराएंगे।गैर निबंधित नावों का परिचालन कदापि न हो, इसे सुनिश्चित कराने का निर्देश सभी अंचलाधिकारी को दिया गया है। बाढ़ पूर्व तैयारी समीक्षा के क्रम में जानकारी दी गई की वर्तमान में 119 नावों की इकरारनामा संबंधित सूची बाढ़ से प्राय प्रभावित होने वाले अंचलों द्वारा उपलब्ध कराई गई है। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त नाव संबंधित सूची भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। बाढ़ से प्रभावित परिवारों के आश्रय के लिए चिन्हित स्थलो के पुन भौतिक सत्यापन एवं अतिक्रमण की स्थिति में अतिक्रमण मुक्ति हेतु यथोचित कारवाई का निर्देश दिया गया है।कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग को बाढ़ आश्रय स्थल से संबंधित सड़को के समुचित संधारण एवं कार्यपालक अभियंता,पीएचईडी को बाढ़ आश्रय स्थल से संबंधित चापाकल के मरम्मती का निर्देश दिया गया है।सिविल सर्जन को संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक चिकित्सीय तैयारी का निर्देश दिया गया है। सामुदायिक स्तर पर बाढ़ जन्य परिस्थिति से निपटने के लिए एसडीआरएफ के सौजन्य से प्रशिक्षण की व्यवस्था एवं उपलब्ध मोटरबोट के कार्यशीलता के भौतिक सत्यापन के लिए निर्देशित किया गया है।

श्रावणी मेला की तैयारी का सभापति ने किया निरीक्षण

भागलपुर/सुल्तानगंज, एजेंसी। श्रावणी मेला तैयारी को लेकर नगर परिषद के सभापति राजकुमार गुड्डू अपने अधीनस्थ कमी सहायक अभियंता और कनीय अभियंता सहित सशक्त स्थायी समिति सदस्य नवीन कुमार बन्नी पार्षद विभूति विकल्प के साथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। सभापति ने बताया कि प्रमंडलीय आयुक्त और जिलाधिकारी के निर्देश के पालन हेतु सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता को निर्देश दिया कि वह समय के अंदर अपनी सारी दायित्व का निर्वहन पूर्ण करें। उन्होंने बताया कि नाला उड़ाही का कार्य किया जा रहा है।

बेगूसराय पुलिस का अपराध-अपराधी के खिलाफ एक्शन,17 आरोपियों ने किया आत्म समर्पण, 5 आरोपी गिरफ्तार

बेगूसराय, एजेंसी। अपराध, अपराधी और शराब कारोबार के खिलाफ बेगूसराय पुलिस इन दोनों एक्शन मोड में काम कर रही है। रोज गिरफ्तारी हो रही है तो पुलिस की कार्रवाई के डर से आरोपी आत्म समर्पण भी कर रहे हैं। बीते 24 घंटे के दौरान विभिन्न थानों की पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

वहीं, पुलिस की कार्रवाई के डर से 17 आरोपियों ने आत्म समर्पण कर दिया है। गिरफ्तारी के साथ-साथ वाहन चेकिंग अभियान भी मिशन मोड में चल रहा है। रोज एक लाख रुपए से भी अधिक का जुर्माना वसूल किया जा रहा है। एसपी मनीष ने बताया कि इस दौरान गिरफ्तार और आत्मसमर्पण करने वाले 22

आरोपियों में से 10 को जेल भेजा गया है। हत्या और आर्म्स एक्ट के मामले के एक आरोपी, उत्पाद अधिनियम के एक आरोपी, एक फरार एक और अन्य कांडों में 2 आरोपी गिरफ्तारी हुए हैं। चार जमानती और गैर जमानती वारंटों का निष्पादन किया गया। वहीं, एक कट्टा और दो गोली भी बरामद की गई है। इन 24 घंटे में वाहन चेकिंग के दौरान 1 लाख 4 हजार रुपए जुर्माना वसूल किया गया है। एसपी ने बताया कि बेगूसराय पुलिस का कंट्रोल रूम 9264429701 लगातार एक्टिव है। किसी भी इमरजेंसी में 112 नंबर डायल करते ही तुरंत सहायता की जा रही है। बेगूसराय पुलिस आम जनों की सेवा और सुरक्षा के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। सोशल मीडिया सेल भी एक्टिव है। सोशल मीडिया के माध्यम से भी मिली जानकारी पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है।

शहरी क्षेत्र की चुनौतियों पर स्लम क्षेत्र के झुग्गी झोपड़िया के परिवारों की समस्याओं का किया सर्वेक्षण

धनबाद- शनिवार को सिंदरी तथा ध.न.निगम के वार्ड नं. 14 के अंतर्गत खरिकाबाद में भारत ज्ञान विज्ञान समिति के आलोक में ज्ञान विज्ञान समिति झारखंड जिला इकाई धनबाद द्वारा वर्तमान में शहरी क्षेत्रों की चुनौतियों पर स्लम क्षेत्र के झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों का आवास,पेयजल,जल जमाव,स्वच्छता,रोजगार,बिजली व शिक्षा आदि समस्याओं को लेकर 100 परिवार का सर्वेक्षण संपन्न हुई। पूर्व में इसी वर्ष 24 फरवरी को खरिकाबाद व 25 फरवरी को लिंडसे क्लब धनबाद में भारत ज्ञान विज्ञान समिति के आलोक में जिला इकाई धनबाद द्वारा उक्त वर्तमान में शहरी क्षेत्रों की चुनौतियों को लेकर बैठक की गई थी। उक्त सर्वे भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. काशी नाथ चटर्जी,प्रो. डॉ. दीपक कुमार सेन,डॉ. अंतरिन चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में धनबाद जिले के सिंदरी में प्रियदर्शनी पार्क,बी बी जी कैंप बस्ती,गोराई बस्ती,आज़ाद नगर , रांगामाटी, नतूनडीह गौशाला में तथा खरिकाबाद में गोंडुडीह ओ. पी. के समीप 8 नंबर,9 नंबर, तुरिया बस्ती व 10 नंबर खरिकाबाद में दिनांक 24 जून से शुरुआत की गई थी इसके साथ ही खरिकाबाद में उक्त झारखंड सरकार के आगामी 1 जुलाई से मुख्यमंत्री बहन-बेटी स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना को लेकर जन- जागरूकता की गई। उपरोक्त सर्वे को लेकर भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. काशी नाथ चटर्जी द्वारा कहा गया कि उक्त सर्वे का प्रतिवेदन तैयार होने पर जिले,राज्य व केंद्र सरकार के पास प्रस्तुत करेगी साथ ही प्रेस वार्ता का आयोजित कर संपूर्ण तथ्यों को रखेगी। इस सर्वेक्षण को करने में सिंदरी में हेमंत कुमार जायसवाल,विकास कुमार ठाकुर,रानी मिश्रा, अनुप्रिया कुमारी,मिठू दास,राज नारायण तिवारी,प्रफुल कुमार स्वैन व रजनीकांत मिश्रा, तथा खरिकाबाद में भोला नाथ राम,रवि सिंह, रविंद्र कुमार राम,खुशी कुमारी,मधेश्वर नाथ भगत व विकाश कुमार गुप्ता का सहयोग रहा।

सीएमडी से मिलकर रागिनी सिंह ने जनसमस्याओं को रखा

धनबाद - जनता श्रमिक संघ की महामंत्री रागनी सिंह ने बीसीसीएल सीएमडी समीरन दत्ता से उनके कोयला भवन स्थित कार्यालय में मुलाकात कर झरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अग्नि प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय लोगों के सुरक्षित पूर्णवास, रोजगार समेत विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की साथ ही महा प्रबंध निदेशक समीरन दत्ता को ज्ञापन सौंप आवश्यक पहल करने की सिफारिश की। ज्ञापन के माध्यम से रागनी सिंह ने कहा कि झरिया विधनसभा क्षेत्र में अधिकांश अग्नि प्रभावित वाले क्षेत्र में आकस्मिक घटनाएं हो रही है। आकस्मिक घटना होने में जानमाल की छति होती है तथा स्थानीय आमजन के जीवन पर प्रतिकूल असर पड़ती दिख रही है।साथ ही अग्नि प्रभावित में भूधासान में आकस्मिक रूप में लोग काल-कलियन हुए है। इस संबंध में पूर्व में स्थानीय प्रशासन और आपके अधिनस्थ प्रशासन को विभिन्न माध्यमों से सूचित करती आ रही हु, परन्तु स्थानीय आमजन के समस्याओं का आजतक निदान नहीं दिलाया जा सका है। श्रीमती सिंह ने कोरोना काल में जिन कर्मचारियों का कोरोना से निधन हो गया उनके आश्रितों को अब तक नियोजन नही दिए जाने पर चर्चा की वही बेलगढिया टाउनशिप में शिफ्ट हुए स्थानीय लोगो को कार्य स्थल पर जाने के लिए निशुल्क बस की व्यवस्था देने और महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की । जिसपर सीएमडी श्री दत्ता ने बताया कि जल्द ही उन आश्रितों को नियोजन प्रक्रिया के तहत नियोजन दे दी जाएगी वही विस्थापन सहित अन्य मुद्दों पर भी जल्द विचार विमर्श कर मामले का निष्पादन कर दिया जाएगा।इस दौरान उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिन्हा केंद्रीय सचिव सतेंद्र कुमार सिंह सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे ।

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो मिडटाउन कपल्स ने जीता बेस्ट क्लब एवं बेस्ट लेडी प्रेसिडेंट का अवार्ड

बोकारो। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 (बिहार एवं झारखंड) द्वारा आयोजित समारोह में रोटरी क्लब ऑफ बोकारो मिडटाउन कपल्स को सत्र 2023-24 में किए गए सामाजिक कार्यों के आधार पर बेस्ट क्लब चुना गया। यह पुरस्कार समारोह जमशेदपुर के होटल क्रूज में किया गया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष अमीषा अग्रवाल को रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 के बेस्ट लेडी प्रेसिडेंट का पुरस्कार भी दिया गया। इस कार्यक्रम में रोटरी बोकारो मिडटाउन कपल्स को कुल 10 अवार्ड दिए गए। रोटेरियन शिव अग्रवाल को 3 पुरस्कार दिए गए जिसमे स्टार रोटेरियन का पुरस्कार शामिल है। रोटेरियन मोहित अग्रवाल को बेस्ट न्यू रोटेरियन का पुरस्कार मिला।क्लब के अध्यक्ष अमीषा अग्रवाल ने सभी सदस्यों को धन्यवाद देते हुए कहा की यह सफलता क्लब के सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास का ही फल है। उन्होंने सेक्रेटरी मिनी कपूर एवं सजन कपूर को भी धन्यवाद देते हुए कहा की उन दोनों के निस्वार्थ साथ के कारण ही हम इतने सारे सामाजिक कार्यक्रम कर सके। अध्यक्ष अमीषा अग्रवाल का कार्यकाल 30 जून को खत्म हो रहा है इसलिए क्लब के सभी सदस्यों ने अध्यक्ष अमीषा अग्रवाल की सफलता पर उनका भव्य बिदाई समारोह होटल हंस रीजेंसी में किया। इस अवसर पर रोटरी बोकारो, रोटरी चास एवं बोकारो मिडटाउन कपल्स के सभी सदस्य मौजूद रहे।

हेमंत सोरेन से मिलने पहुँचे योगेंद्र प्रसाद, दी शुभकामनाए

बोकारो ,स्वांग। शनिवार को अध्यक्ष, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सह गोमिया के पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो एवं पूर्व विधायक बबीता देवी राजधानी रांची पहुंचे। शुक्रवार को जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आए राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन से मुलाकात की। नेताद्वय ने उन्हें बुके भेंटकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कैलूडीह स्थित एस.टी.जी (डेको)आउटसोर्सिंग में काम चालू करने और बंद करने के सवाल पर दो गुट हुए आमने-सामने

कतरास -* कैलूडीह स्थित जीटीए आउटसोर्सिंग में शनिवार को दो गुट आमने-सामने हो गए. खूनी संघर्ष की संभावना को देखते हुए कतरास पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया और दोनों के आमने-सामने होने से पहले ही पुलिस पहुंच गयी.बरोरा मधुबन सहित कई थाने के पुलिस छावनी में तब्दील हो गया. भारी संख्या में पुलिस बल को देखते हुए दोनों गुटों को पीछे हटना पड़ा. एक गुट एचपीसी की मांग को लेकर पिछले 25 जून से आंदोलित है. इधर प्रबंधन ने 25-25 मजदूरों को दो बार छटनी कर मजदूर को हटा दिया था. जिससे वहां स्थिति और बिगड़ गई . शुक्रवार को आउटसोर्सिंग कंपनी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला संगठन सचिव अताउल रहमान के आग्रह पर आउटसोर्सिंग कंपनी ने 50 मजदूरों को पुन बहाल कर लिया. बहाली के बाद आज मजदूर काम करना चाहते थे जैसे ही मजदूरों ने काम करने की योजना बनाई वैसे ही दूसरे गुट के मजदूर भड़क गए और एक दूसरे से मरने मारने को तैयार हो गए. जिससे स्थिति बिगड़ने लगी इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई मामला बिगड़ता की कतरास पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया.घटनास्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया. कतरास थानेदार असित कुमार सिंह ने बताया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के दो गुट आमने-सामने हो गए हैं. विधि व्यवस्था को देखते हुए कतरास पुलिस ने सशस्त्र बल तैनात कर दिया है. कल 10-00 बजे दोनों पक्ष के लोग, आउटसोर्सिंग प्रबंधन तथा बीसीसीएल अधिकारियों के बीच गोविंदपुर एरिया महाप्रबंधक कार्यालय में बैठक रखी गई है. जिसमें में वार्ता होगी विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए कतरास थानेदार असित कुमार सिंह,बरोरा थानेदार विकास कुमार,मधुबन थानेदार जयप्रकाश सशस्त्र बल के साथ तैनात हैं.

झामुमो को कतिपय लोग कर रहे हैं बदनाम-अताउल रहमान

युवा झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला संगठन सचिव अताउल रहमान ने बताया कि कतिपय लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा को बदनाम करना चाहती है.पार्टी के बैनर तले अपनी निजी स्वास्थ्य साधना चाह रही है. मजदूरों के हितों का कोई ख्याल नहीं रखा जा रहा है. जिससे बार-बार आउटसोर्सिंग में समस्या उत्पन्न हो रही है.

पुर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर चंदनकियारी में खुशी की लहर

बोकारो। झामुमो बोकारो जिला उपाध्यक्ष सह चंदनकियारी विधानसभा के झामुमो के पूर्व प्रत्याशी विजय रजवार के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर चंदनकियारी पार्टी कार्यालय में पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच मिठाई बांटकर एवं एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर गाजे बाजे फठेाटा फोड़कर चंदनकियारी सुभाष चौक समेत चारों सड़क घूमकर खुशी जाहिर किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष विजय रजवार ने कहा कि बीजेपी के द्वारा प्रशासन के सहारे से एक सोची समझी साजिश के तहत राज्य के पूर्व मूख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के जेल भेजने की काम किया था। लेकिन हम सभी को न्यायालय पर पूरा विश्वास था। और न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत देकर न्याय दिया हैं। कहा कि बीजेपी ने झारखंडी के आवाज को दबाने की प्रयास किया। जिसका परिणाम लोकसभा चुनाव में देखने को मिला है। और विधानसभा में बीजेपी की सुपरा साफ हो जाएगी। चंदनकियारी में बीजेपी को हारा कर झामुमो परचम लहराएंगे। इस अवसर पर चांस प्रखंड अध्यक्ष सुबल महतो,पूर्व प्रखंड अध्यक्ष गोराचांद महतो,वरीय नेता भवानी महतो,जेडी महतो, सोनाराम टुडू, अमरजीत भगत दिनेश मोदी,आदि थें।

त्रिपक्षी वार्ता में राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित अकूशल मजदूरों को अब 12203/? मासिक या 469 रुपया प्रतिदिन बेसीक मजदूरी की सहमति बनी

बोकारो, स्वांग/ तेनूघाट थर्मल पावर स्टेशन में काम करने वाले ठेकेदारी मजदूरों को 28 जून 2024 से मजदूरी का नये दर से मजदूरी भुगतान किये जाने का निर्णय हुआ है।उपश्रमायुक्त बोकारो स्टील राजेश प्रसाद के अध्यक्षता में ठेकेदार मजदूर यूनियन और तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन के प्रबंधन के बीच त्रिपक्षी वार्ता में राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित अकूशल मजदूरों को अब 12203/? मासिक या 469 रुपया प्रतिदिन बेसीक मजदूरी दी जाएगी। अर्ध कुशल मजदूरों को 12750 मासिक या 491 रुपया प्रतिदिन का बेसिक मजदूरी भुगतान होगा। इसके अलावा भीडीए तथा पूर्व से जो अतिरिक्त सुविधा या राशि दी जाती रही है उसमें कोई कटौती नहीं की जाएगी। कुशल मजदूरों को अतिरिक्त मिलने वाली सुविधा के अलावा 16853/? बेसिक दिया जाएगा और अतिकुशल को 19468/? बेसीक दिया जाएगा। उपर्युक्त नई दर 28 जून24 से प्रभावी होगी। त्रिपक्षीय वार्ता में उपश्रायुक्त के अलावा प्रबंधन पक्ष की ओर से श्री शंभू कुमार कार्यपालक अभियंता तथा सुखदेव महतो, कार्मिक पदाधिकारी तथा ठेकेदार मजदूर यूनियन की ओर से यूनियन के महासचिव इफ्तेखार महमूद, उप महासचिव समीर कुमार हलदार, यूनियन के उपाध्यक्ष गेंदो केवट, सचिन मुकूंद साव के अलावा धनेश्वर रविदास, संजय करमाली इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

डीपीएस बोकारो में मेधा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

बोकारो। पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से विद्यालय, राज्य व देश का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो में शनिवार को मेधा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में शैक्षिक सत्र 2023-24 के दौरान 10वीं एवं 12वीं के टॉपरों के साथ-साथ विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक पाने वाले तथा समूहवार खेलकूद, वाक-पटुता, पठन-दक्षता, लेखन, कला-संगीत, कंप्यूटर साइंस, पर्यावरण-मैत्री, क्विज, छायांकन, नृत्य, अनुशासन व अन्य क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ रहे कुल 144 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, उक्त सत्र के छात्र परिषद के हेड बॉय व हेड गर्ल को भी सम्मानित किया गया।

समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सीआरपीएफ बोकारो रेंज के उप-महानिरीक्षक (परिचालन) ब्रजेश सिंह अपनी सहधर्मिणी मंजू सिंह के साथ उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री सिंह ने सम्मानित किए गए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता एक दिन का प्रयास नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सतत कठिन परिश्रम, समर्पण, उनकी लगन व निरंतरता तथा उनके अभिभावकों के त्याग का परिणाम है। यह प्रयास आगे भी जारी रहे, क्योंकि आनेवाले समय में अभी और चुनौतियां आएंगी, जिसे समझना होगा। उन्होंने उपलब्धियों के लिए डीपीएस बोकारो परिवार को बधाई देते हुए यहां आना अपने लिए गर्व का विषय बताया।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने डीपीएस बोकारो की शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए मेधा सम्मान समारोह के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यालय हर बच्चे की प्रतिभा को निखारने के लिए कटिबद्ध है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ नवाचार व रचनात्मकता को बढ़ावा देकर भावी नेतृत्वकर्ताओं का निर्माण यहां किया जा रहा है। उन्होंने बच्चों से इसी प्रकार अपने लक्ष्य के प्रति लगनशील बने रहने तथा सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बनने का आह्वान किया।

गणमान्य लोगों में मौजूदगी में 1700 साइकिल का वितरण किया गया

बोकारो।, स्वांग. झारखंड सरकार %उन्नति का पहिया% साइकिल वितरण शिविर वित्तीय वर्ष 2023- 24 में कक्षा 8 में अध्यरत विद्यार्थियों के बीच गोमिया प्रंखड मुख्यालय के परिसर में गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो जिला परिषद अध्यक्षा सुनीता देवी प्रमुख प्रमिला चौड़े प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव कुमार महतो जिला परिषद सदस्य डॉक्टर सुरेंद्र राज, पशुपालन विभाग चिकित्सक सुरेश प्रसाद के उपस्थिति में 128 साइकिल का वितरण किया गया। कल्याण विभाग पदाधिकारी दोराए बुरु ने बताया कि सरकारी निशुल्क साइकिल का वितरण वित्तीय वर्ष 2023- 24 कक्षा 8 के उत्क्रमित विधालय सरहचिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमाटांड,उत्क्रमित मध्य विधालय डुमरी, सस्बेडा मध्य विद्यालय के128 छात्र-छात्राओं को साईकिल वितरण किया गया और 1700 साइकिलो का अन्य विधालय के विधार्थियों को किया जाएगा। गौरतलब हो कि अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जाति पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चों को कल्याण विभाग द्वारा और सामान्य वर्ग के बच्चों को शिक्षा विभाग द्वारा निःशुल्क साईकिल दिया जाता है। इस मौके पर मुखिया धरंज्य सिंह,पिंटु , विधायक प्रतिनिधि विपिन कुमार,राज कुमार यादव, रोजगार सेवक विनय गुरु, युधिष्ठिर कुमार जैन, मंटु कुमार,सोनु ,मालती देवी सुधीर पांडेय, संदीप,छोटु,शिवचरण,उत्तम व विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं अविभावक सहित अन्य लोग मौजूद थे।

विधायक राज सिन्हा ने मंदिर शेड का शिलान्यास किया

धनबाद /धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने, दास टोला पांडरपाला के आमलोगो की चिर परिचित माँग काली मंदीर के सामने शेड निर्माण का शिलान्यास नारियल फोड़कर किया।शिलान्यास कार्यक्रम में पहुँचने पे स्थानीय लोगो ने विधायक श्री सिन्हा का गर्मजोशी से स्वागत किया, उन्हें फुल मालाओं से लाद दिया गया। इस अवसर पे उन्होंने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि, क्षेत्र के आमलोगो के विकास कार्य मेरी प्राथमिक सूची में है। चाहे वह रोड, नाली, या शुद्ध पेयजल की व्यवस्था हो। मैं जनहित के इन कार्यों के लिए कृतसंकल्पित हुँ।उन्होंने मोदी जी के द्वारा चलाये जा रहे लोक कलायणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों को दी। एवम कहा कि, प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज नई ऊंचाइयों को छूते हुए अकल्पनीय विकास के पथ पर अग्रसर है। इस अवसर पे मुख्य रूप से हुल्लास दास, रामेश्वर दास , टुन्ना सिंह,भागीरथ दास, मनोज मालाकार, मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा,रोहन दास,मनोज रिंकू, अरविंद भारती, राजेश सिंह, सिंह,गुलाब दास,दिलीप पंडित,मोहन दास, शंकर दास, भूणेश्वर दास, अजय दास, जगराम दास, लखी राम दास, बबलू दास सहित सैकड़ो स्थानीय निवासी महिला एवम पुरुष उपस्थित थे।

पुलिस की पाठशाला में नए कानून के तहत महिलाओ की सुरक्षा व अधिकारों पर विशेष चर्चा

धनबाद/ 1 जुलाई से देशभर में तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम लागू हो जाएंगे। इन नए कानूनों में आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार लाने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी संशोधन पेश किए गए हैं, जिसमें समय पर न्याय प्रदान करने, पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण, लैंगिक तटस्थता और महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के लिए कड़े दंड का प्रावधान किया गया है।

वरीय पुलिस अधीक्षक ह्रदीप पी जनार्दनन के निर्देशानुसार इन्हीं विषयों को लेकर आज एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में धनबाद पुलिस की तरफ से *पुलिस की पाठशाला* अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया द्य

कार्यक्रम के दौरान वहां मौजूद छात्राओं को नए कानून के तहत महिलाओं के लिए निहित अधिकारों पर विशेष चर्चा करते हुए उन्हें सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की छात्राओं को सम्बोधित करते हुए पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय 2) संदीप गुप्ता ने बताया कि नए कानूनों में महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराधों के अनुसन्धान को प्राथमिकता दी गई है। दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के मामलों में अनुसन्धान दो माह के भीतर पूरी करने की व्यवस्था की गई है। नए कानून के तहत विक्टिम को अपने मामले की प्रगति पर नियमित रूप से जानकारी पाने का कानूनी अधिकार भी प्रदान किया गया है

पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम के दौरान डीएसपी संदीप गुप्ता ने वहां उपस्थित छात्राओं को महिला सुरक्षा, घरेलु हिंसा व यौन अपराध से बचाव को लेकर सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से विस्तार पूर्वक जानकारी दी द्य किसी भी आपातकालीन स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 100/112 के इस्तेमाल करने को कहा गया द्य उन्होंने बताया कि महिलाओ व बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस विभाग अति गंभीर है, लिहाजा किसी भी विषम परिस्थिति में पुलिस की मदद कुछ ही मिनट में प्रदान करने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है द्य पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम को पुलिस उपाधीक्षक संदीप गुप्ता के साथ पुलिस निरीक्षक सह धनबाद थाना प्रभारी राम नारायण ठाकुर ने भी सम्बोधित किया द्य इस दौरान एसएसएलएनटी महिला कॉलेज की प्रिंसिपल श्रीमति शर्मीला रानी समेत कई अध्यापिका व सैकड़ो छात्राएं मौजूद थीं

भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बने उपचुनाव

केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा प्रत्याशियों के नाम

लखनऊ , एजेंसी। पूर्व सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्या के इस्तीफे से रिक्त सीट पर भाजपा प्रत्याशी को लड़ाने का फैसला केंद्रीय नेतृत्व करेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को उनके सरकारी आवास पर प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में 10 उम्मीदवारों के नाम का पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेजने का फैसला किया गया। तय हुआ कि 14 जुलाई को इस संबंध में लखनऊ में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक होगी।

बैठक में 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव के लिए 3-3 उम्मीदवारों के नाम तय करते हुए केंद्रीय नेतृत्व को पैनल भेजने और पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों का सम्मान करने का निर्णय हुआ। इसकी तारीख जल्द घोषित की जाएगी। प्रदेश में वृहद स्तर पर होने वाले पौधरोपण में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की सहभागिता की रणनीति तय की गई। बैठक में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

2006 में भी पेपर लीक में आया था बेदीराम का नाम, गैंगस्टर की हुई थी कार्रवाई

गाजीपुर, एजेंसी। पेपर लीक मामले में वायरल हो रहे वीडियो के चलते जखनिया से सुभासपा विधायक बेदी राम एक बार फिर चर्चा आ गए। हालांकि इस वीडियो की हम पुष्टि नहीं करते हैं। वही, इस मामले में उनपर लगे आरोप कोई हैरान करने वाले नहीं हैं, क्योंकि पूर्व में भी इस तरह के मामलों में उनका नाम आ चुका है। बताते हैं कि स्थिति यहां तक होती थी कि रेलवे, ग्राम विकास अधिकारी और टीईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के शुरू होने के पहले ही एसटीएफ बेदीराम पर नजर रखती थी। लेकिन, नौकरशाहों और कई नामचीन नेताओं से अच्छी पकड़ बनाने वाले बेदीराम को रंगेहाथ पकड़ नहीं पाती। चर्चाएं तो यहां तक होती रही हैं कि सरकार किसी की भी हो, चलती बेदीराम की। यही वजह रहा कि अपने संबंधों और पैसे की बदौलत बेदीराम ने पत्नी को जलालपुर (जौनपुर) से ब्लाक प्रमुख का चुनाव लड़वाया जीतवाया और खुद गाजीपुर के जखनिया से विधायक बन गए। जौनपुर के केराकत तहसील क्षेत्र के कुसियां निवासी बेदीराम पिछले कई वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं में सेटिंग करके परीक्षार्थियों को पास कराने के लिए जाने जाते थे। हालांकि कभी भी सीधे पैसा लेते नहीं देखे गए। 2006 में रेलवे का पेपर लीक कराने के मामले में पहली बार नाम सामने आया। लखनऊ के कृष्ण नगर में बेदी राम पर एसओजी और एसटीएफ ने मुकदमा दर्ज कराया था। यहीं, उनपर गैंगस्टर एक्ट लगा था। एक वर्ष भी नहीं बीता था कि रेलवे का पेपर लीक कराने में गोमती नगर में एक और मुकदमा दर्ज हुआ। इसके बाद बेदीराम के नाम की चर्चाएं प्रदेश के बाहर भी होने लगी। स्थिति यह हुई कि 2009 में ही रेलवे की परीक्षा सेटिंग कराने के मामले में नाम आया। वहां भी एसओजी और एसटीएफ ने मुकदमा दर्ज कराया गया। वह पेपर लीक मामले में गिरफ्तार भी हो चुके हैं। इतना ही नहीं 21 अगस्त 2014 को यूपी एसटीएफ गैंगस्टेर एक्ट में बेदी राम के खिलाफ कार्रवाई भी की थी।

घर के दरवाजे पर सो रहे युवक की फावड़े से काटकर हत्या

भोर में गांव के ही युवक ने बोला हमला

प्रयागराज , एजेंसी। खीरी थाना क्षेत्र के जोरा गांव शनिवार भोर में घर के बाहर दरवाजे पर सो रहे युवक की फावड़े से मारकर हत्या कर दी गई। चीख पुकार सुनकर परिजनों की नींद खुल गई। घायल युवक को परिजन उपचार के लिए एसआरएन अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जोरा गांव निवासी रजनीश (30) पुत्र पारस नाथ बिन्द अपने घर के बाहर दरवाजे पर सो रहे था। भोर में करीब चार बजे गांव के ही एक युवक नकुल बिंद ने फावड़े से उसके गर्दन पर वार कर दिया। इससे वह मरणासन्न हो गया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। कुछ देर बाद पुलिस ने उसे गांव के पास से ही धर दबोचा। चीख पुकार सुनकर परिजन उसे लेकर एसआरएन अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपी की तलाश में पुलिस जुट गई है। फिलहाल घर के लोग हत्या के पीछे का कोई कारण नहीं बता पा रहे हैं। रजनीश बिंद की पत्नी ममता नौ माह की गर्भवती है। घटना के बाद उसका रो-रोकर बुरा हाल है। रजनीश के दो बच्चे अंश एक वर्ष और मनोरमा तीन वर्ष है। ममता का कहना है कि पुलिस उसके पति का शव लेकर चली गई। परिवार के लोगों के आने का इंतजार भी नहीं किया गया।

रिश्वतखोर सिपाहियों की गिरफ्तारी न होने पर पूर्व आईपीएस ने उठाए सवाल

प्रशिक्षु दरोगाओं से ली थी रिश्वत

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना शाहगंज में 16 अप्रैल 2024 को सिपाही सहगल तेवतिया और अभिषेक काकरान द्वारा प्रशिक्षु दरोगाओं से पोस्टिंग के लिए घूस मांगे जाने के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई थी। इस मामले में आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर द्वारा की गई शिकायत के बाद इन सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है, किंतु अब तक इनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। यह जानकारी आगरा पुलिस द्वारा शाहगंज थाने के उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह द्वारा दी गई आख्या में अंकित है। राजेंद्र सिंह ने अपनी आख्या में कहा है कि साक्ष्य संकलन और गवाहा के आधार पर मामले की विवेचना की जा रही है। अभी अन्य किसी कार्रवाई की आवश्यकता नहीं है. इस पर अमिताभ ठाकुर ने डीजीपी को पत्र लिखकर कहा है कि यह एफआईआर प्रशिक्षु आईपीएस मयंक पाठक द्वारा की गई जांच में फोन पे के माध्यम से घूस लिए जाने की पुष्टि होने के बाद इंस्पेक्टर शाहगंज द्वारा दर्ज कराया गया। इसके बाद भी अभी ढाई महीने तक कोई कार्रवाई नहीं होना पुलिस के आचरण को संदिग्ध बनाता है। अत : उन्होंने इस मामले की विवेचना किसी वरिष्ठ अफसर से कराते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

भलुअनी में दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट, तीन घायल- लोगों ने किया धरना प्रदर्शन

बरहज , एजेंसी। बरहज के भलुआनी कस्बे में तड़के सुबह दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया, जिसमें एक पक्ष से जयप्रकाश और भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश गुप्त (38) वर्ष सहित तीन लोग घायल हो गए। एक पक्ष से मारपीट की जानकारी होने पर घायलों के साथ अन्य लोग मुख्य चौक पर धरने पर बैठ गए। अधिकारियों के आश्वासन के करीब डेढ़ घंटे बाद धरना समाप्त हुआ। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। भलुअनी कस्बा के जयप्रकाश नगर वार्ड नंबर 12 निवासी दिनेश गुप्त सहयोगियों के साथ कब्रिस्तान के समीप अपनी जमीन पर जाली लगाकर घेर रहे थे। इसी बीच एक पक्ष के कुछ लोग पहुंच गए। जहां सभी लोग जाली लगाने का विरोध करते हुए पैमाइश के दौरान लगा पत्थर तोड़ने लगे, जिसका विरोध करने पर कहासुनी और मारपीट होने लगी।

करीब आधा घंटा तक हुए बवाल से मोहल्ले में खलबली मच गई। मारपीट में एक पक्ष से दिनेश गुप्त, दीनबंधु मद्धेशिया (60) और उनके पुत्र राजेश मद्धेशिया (38) घायल हो गए। घटना की जानकारी होने पर वार्ड में तनाव हो गया। लोग घायलों के साथ मुख्य चौक चौराहे पर मनबढ़ों के खिलाफ धरने पर बैठ गए। मौके पर एसडीएम अंगद यादव, सीओ आदित्य कुमार गौतम, इंस्पेक्टर भलुअनी अर्चना सिंह, बरहज राहुल सिंह और सुरौली पुलिस पहुंच गई। अधिकारियों द्वारा कार्रवाई के आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ।

खूबसूरत रामगढ़ताल में बदबू

जलस्तर के साथ ऑक्सीजन घटने से मर रही मछलियां

गोरखपुर , एजेंसी। रामगढ़ताल का जलस्तर करीब एक मीटर कम हो गया है। अप्रैल से ही ताल से उठ रही बदबू पर जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। ताल के पानी की निचली सतह भी गरम होने से उसमें ऑक्सीजन का स्तर कम हो गया है, जिससे इसका सीधा जवाब कोई जिम्मेदार नहीं दे रहा है।

गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने सितंबर 2023 में मत्स्य जीवी सहकारी समिति लिमिटेड तारामंडल को रामगढ़ताल में मछलीपालन का पट्टा दिया है। समिति को यह पट्टा 10 साल के लिए 20.30 करोड़ रुपये में दिया गया है। समिति अब यहां मछली पालन का काम करती है। इस बार बेतहाशा गर्मी पड़ने और तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने से रामगढ़ताल के पानी का ऊपरी सतह भी गरम हो गया था। इस बीच जल निगम की तरफ से सिक्टौर के पास ताल पर लगे फाटक को बदलने का काम शुरू कर दिया गया। फाटक हटने पर रामगढ़ताल का पानी तेजी से रासी नदी में जाने लगा। मछली पालन से जुड़े लोगों ने मौके पर पहुंचकर फाटक खोलने का विरोध भी किया, लेकिन अफसरों ने उनकी एक न सुनी।

मछलियां मरने लगी हैं। शुक्रवार को तेज हवा बहने पर लहरों के साथ मरी मछलियां किनारे उतराईं तो हड़कंप मच गया। मछली पालन से जुड़े लोगों का कहना है कि दो दिन में ही मछलियों की मौत हुई है। हालांकि, जल निगम पानी की गुणवत्ता व स्तर को सही बता रहा है, लेकिन मछलियां क्यों मर रही हैं,

करीब 40 से 50 लाख रुपये का हुआ नुकसान

मत्स्य पालन समिति से जुड़े नंदकिशोर साहनी ने बताया कि पैडलेगंज से नौकायन के बीच ताल के किनारे मृत पड़ी मछलियों को पांच नाव लगाकर निकलवाया जा रहा है। करीब 40 से 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। अफसरों को पहले ही ताल में पानी कम होने की बात बताई गई थी, लेकिन कोई हमारी बात सुन नहीं रहा था। अब जब नुकसान हो गया, तब अफसर नई-नई कहानी सुना रहे हैं।

अप्रैल में रामगढ़ताल से उठने लगा था बदबू

रामगढ़ताल में किनारे की तरफ काई जमने से अप्रैल में ही बदबू उठने लगा था। इसकी जानकारी होने पर जीडीए ने जलकुंभी की सफाई कराई, जिसके बाद बदबू उठना बंद हो गया। हालांकि स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ताल की सतह की सफाई नहीं कराई गई। शुक्रवार को ताल में मछली मरने की जानकारी पर सफाई कार्य शुरू कराया गया। ताल की सतह पर भी प्लास्टिक की बोतल व गंदगी दिख रही थी।

तापमान अधिक होने से वर्ष 2014-15 में भी मरी थीं मछलियां

डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार द्विवेदी ने बताया कि वर्ष 2014-15 में भी रामगढ़ताल में मछलियां मरी थीं। उस समय भी ताल का तापमान अधिक हो गया था। जिस तरह इंसानों को सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है, उसी तरह जलीय जीवों को जीवित रहने के लिए पानी में घुली ऑक्सीजन की जरूरत होती है। किसी जलाशय में ऑक्सीजन की कमी का मुख्य कारण फास्फोरस और नाइट्रोजन के उच्च स्तरों की ओर से संचालित अत्यधिक शैवाल और फाइटोप्लांकटन वृद्धि है। जिस भी ताल में जलीय जीव रहते हैं, उनका तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए। निचली सतह का तापमान बढ़ने से ऑक्सीजन लेवल घटने लगता है।

डी श्रेणी में है रामगढ़ताल की जल गुणवत्ता- उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तरफ से मई में रामगढ़ताल की जल गुणवत्ता को मापा गया था। इसका विवरण बोर्ड की वेबसाइट पर भी अपलोड है। इसमें रामगढ़ताल में डीओ (घुलित ऑक्सीजन) 7.9, बीओडी 4.20 और टोटल कोलीफॉर्म 29000 और फीकॅल कोलीफार्म 21000 पाया गया। इस वजह से ताल के पानी को डी श्रेणी में रखा गया है। डी श्रेणी का पानी दूषित माना जाता है।

मरीज की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल के बाहर किया हंगामा

चक्का जाम, मौके पर पहुंची फोर्स

प्रयागराज, एजेंसी। घूरपुर थाना क्षेत्र के करमा पुलिस चौकी अंतर्गत बरौली (चोरहिया) गांव के रहने वाले विनोद कुमार पटेल (32 वर्ष) पुत्र राम कैलाश की ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने शव सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया। काफी देर तक हंगामा चलता रहा। अस्पताल संचालक के खिलाफ मुकदमा एवं मुआवजा को लेकर लोग अड़े रहे। घूरपुर थानाध्यक्ष केशव वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाया बुझाया, लेकिन वह नहीं माने। शुक्रवार की रात विनोद को करमा स्थित प्रिंस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां पर हालत बिगड़ने पर उसे शहर लिए रेफर कर दिया गया है। रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। शनिवार सुबह परिजन

शव अस्पताल लेकर पहुंच गए और हंगामा कर दिया। गौहानिया करछना हाईवे पर शव रख कर चक्का जाम कर दिया। हंगामा देख पुलिस के हाथ पैर फूल गए। घूरपुर थाना तक केशव वर्मा कर्म पुलिस चौकी प्रभारी प्रीत कुमार पांडेय मयफोर्स पहुंचकर परिजनों को समझने लगे, लेकिन वह नहीं माने। पुलिस हालांकि उनकी हर संभव मदद को तैयार थी, लेकिन देर तक हंगामा होता रहा। परिजनों का आरोप है की लापरवाही के चलते विरोध की मौत हुई है। परिजन अस्पताल संचालक के विरुद्ध मुकदमा मुआवजा पर अड़े रहे। गांव निवासी विनोद कुमार पटेल (33) पुत्र राम कैलाश शुक्रवार को पेट दर्द की शिकायत पर गौहनिया में स्थित अल्ट्रासाउंड सेंटर से जांच कराने पर पथरी की जानकारी मिली। उसी दिन करमा के प्रिंस अस्पताल में ऑपरेशन के लिए भर्ती कराया गया। ऑपरेशन होने के बाद आधी रात उसकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल कर्मियों ने उसे शहर के लिए रेफर कर दिया, जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई।

नए यमुना पुल से युवती ने लगाई छलांग, पीएसी के जवानों ने बचाई जान

अस्पताल में कराया भर्ती

प्रयागराज , एजेंसी। नैनी के नए पुल से एक युवती ने यमुना में छलांग लगा दी। शनिवार को दोपहर में पुल पर पहुंची युवती कुछ देर तक इधर उधर टहलने के बाद पुल से नीचे कूद गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने शोर गुल मचाना शुरू कर दिया। यमुना के किनारे तैनात बाढ़ राहत दल के पीएसी के जवानों ने पानी में कूदकर युवती को सकुशल बाहर निकाला। बेहोशी की हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवती का नाम रूबी निषाद बताया जा रहा है। उसने किस कारण से आत्मघाती कदम उठाया। इसका पता नहीं चल सका है।

एक जुलाई से लागू नहीं होगी रेलवे की नई समय सारिणी

तकनीकी कारणों से निर्णय स्थगित

प्रयागराज , एजेंसी। भारतीय रेलवे की नई समय सारिणी एक जुलाई से प्रभावी नहीं होगी। रेल प्रशासन ने एक जुलाई से प्रभावी हो रही नई समय सारिणी लागू करने का निर्णय स्थगित कर दिया है। चर्चा है कि अब यह छह माह बाद जारी होगी। महाकुंभ के पहले एक जनवरी 2025 से इसे प्रभावी किया जा सकता है।

पिछले दिनों ही रेलवे प्रशासन ने पैसेंजर ट्रेनों के नंबर के आगे से जीरो हटाने का निर्णय लिया था, लेकिन इसी सप्ताह उसे वापस ले लिया। इसके बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि रेलवे प्रशासन एक जुलाई 24 से अब शायद ही नई समय सारिणी लागू करे। उत्तर मध्य रेलवे के डिप्टी सीओएम की ओर से जारी पत्र में लिखा है कि अगली सूचना तक के लिए नई समय सारिणी लागू करने का निर्णय स्थगित कर दिया गया है। फिलहाल, अब रेल महकमे में चर्चा इस बात की है कि रेलवे की नई समय सारिणी जनवरी 25 से लागू हो सकती है।

रेलवे की समय सारिणी में इस बार काफी बदलाव किए जा रहे थे। पहली बार समय सारिणी में 102 वंदे भारत ट्रेनों को शामिल किया जा रहा था। इसके अलावा प्रयागराज जंक्शन की जो ट्रेनें सूबेदारगंज शिफ्ट की गई थीं, उन्हें भी रेलवे की नई समय सारिणी में स्थान किए जाने की तैयारी थी। वहीं, एनसीआर जोन में चलने वाली 60 से ज्यादा ट्रेनों के समय में बदलाव की भी बात कही जा रही थी। फिलहाल, अब रेलवे की नई समय सारिणी के लिए अगले छह माह और इंतजार करना पड़ सकता है।

सुभासपा विधायक बेदीराम ने बढ़ाई राजभर की मुश्किल, भाजपा नेतृत्व ने भी किया तलब

लखनऊ, एजेंसी। पेपर लीक कराने के आरोपों से घिरे सुभासपा विधायक बेदीराम पार्टी के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। सुभासपा अध्यक्ष ओपी राजभर को बृहस्पतिवार को सीएम योगी द्वारा तलब किए जाने के बाद शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह ने उनसे दिल्ली में बात की।

सूत्रों की मानें तो इस मुलाकात में ओपी राजभर से बेदीराम को लेकर सवाल हुए। वहीं दूसरी ओर प्रदेश पुलिस ने फिलहाल बेदीराम के खिलाफ कोई भी जांच शुरू करने से इन्कार किया है। गाजीपुर पुलिस पेपर लीक को लेकर वायरल हुए बेदीराम, बिजेंद्र गुप्ता आदि के वीडियो की जांच कर रही है।

बता दें कि 2014 में रेलवे का पेपर लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किए गये मास्टरमाइंड बेदीराम ने जमानत मिलने के बाद राजनीति में कदम रखा और ब्लॉक प्रमुख बन गए। बीते विधानसभा चुनाव में सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली सुभासपा ने बेदीराम को गाजीपुर की जखनियां सीट से टिकट दिया, जिसके बाद

वह विधायक बनने मे कामयाब हो गए। बाद में सुभासपा ने सपा का साथ छोड़ दिया और भाजपा सरकार को समर्थन दे दिया। दो दिन पहले अचानक पेपर लीक कांड में उनके पूर्व सहयोगी बिजेंद्र गुप्ता का वीडियो वायरल हुआ। कुछ ही देर में बेदीराम का भी दूसरे राज्यों में भर्तियां कराने के दावे वाला वीडियो इंटरनेट पर तेजी से फैलने लगा।

यह मामला शांत भी नहीं हुआ था कि ओपी राजभर का भी एक वीडियो सामने आ गया, जिसमें वह बोल रहे थे कि बेदीराम किसी भी विभाग में भर्ती करा सकते हैं। इन तीनों वीडियो के सामने आने के बाद सुभासपा अध्यक्ष को सीएम योगी ने तलब किया था। शुक्रवार को दिल्ली में ओपी राजभर की जेपी नड्डा और अमित शाह से मुलाकात के बाद बेदीराम पर जल्द कोई कार्रवाई होने के कयास लग रहे हैं।

तीन बार एसटीएफ ने पकड़ा था

बता दें कि बेदीराम को 2006 से 2014 के बीच तीन बार एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। इसके अलावा वह मध्य प्रदेश की एसटीएफ और राजस्थान की एसओजी के हत्थे भी चढ़ चुके हैं। करीब एक दशक पूर्व बेदीराम को रेलवे समेत कई प्रतियोगी परीक्षाओं का पेपर लीक करने का मास्टरमाइंड माना जाता था। 2014 में रेलवे भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने पर बेदीराम को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था और उसकी संपत्तियों को कुर्क करने के लिए एसएसपी, लखनऊ को पत्र भी लिखा था, हालांकि उस दौरान कोई कार्रवाई नहीं हुई थी।

संपादकीय

पुलों का ढहना

बिहार में एक ही सप्ताह में तीन पुलों का ढहना जितना चिंताजनक, उतना ही निंदनीय भी है। तीनों पुल अलग-अलग प्रकार के हैं। एक पुल नया बना था, तो दूसरा पुराना हो चुका था और तीसरा तो अभी बन ही रहा था। अररिया में नवनिर्मित पुल करीब 180 मीटर लंबा था और जाहिर है, उसके निर्माण में गंभीर लापरवाही हुई है, इसलिए यह 18 जून मंगलवार को धूल में मिल गया। यह गहरे अफसोस और शर्म की भी बात है कि इस पुल का उद्घाटन तक नहीं हुआ था। इसे मलबे में बदलने में कुछ सेकंड लगे, पर वास्तव में पुल को मलबा बनाने की साजिश महीनों से चल रही होगी? पुल बनाने वाले ठेकेदार अगर इस काम की विशेषज्ञता नहीं रखते थे, तब उन्हें काम क्यों दिया गया? इस बात की पूरी जांच होनी चाहिए। हो सकता है, ठेकेदार या निर्माण कंपनी की सीधे-सीधे गलती न हो, पर अगर गलती है, तो अक्षम्य है। कमजोर पुल किसी भी वक्त जानलेवा साबित हो सकता है, जो भी ठेकेदार-इंजीनियर और शासकीय अधिकारी कमजोर पुल बनाते या बनवाते हैं, उन पर जान लेने की साजिश का मुकदमा चलना चाहिए। शनिवार, 22 जून को सीवान जिले में जो पुल ढहा है, वह अपेक्षाकृत छोटा था और ढहते वक्त उसके नीचे बहुत तेजी से पानी बह रहा था। अगर आसपास के लोग समय पर न देखते, तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। कहा जा रहा है कि यह पुल 30 साल पुराना हो चुका था। पूछा जा सकता है कि क्या समय-समय पर इसकी मरम्मत होती थी? क्या मरम्मत से पुल के जीवन को बढ़ाया जा सकता था? अगर पुल की मरम्मत मुमकिन नहीं थी, तो समय रहते उसके बगल में एक अन्य पुल का निर्माण हो जाना चाहिए था। आदर्श स्थिति तो यही है कि जो पुल पुराने पड़ चुके हैं, उनके समानांतर नए पुल का निर्माण समय रहते होना चाहिए। यह प्रशासन के लिए ही नहीं, स्थानीय जन-प्रतिनिधियों के लिए भी शर्म की बात है कि पुल की स्थिति के प्रति उनकी सजगता उतनी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। लोगों की सजगता से ही पुल बनते और मजबूत होते हैं। जहां के लोग सजग नहीं होते, वहां पुलों को ढहने से कोई रोक नहीं सकता। खैर, तीसरा पुल रविवार को मोतिहारी में गिरा है, जो अभी निर्माणाधीन था। यह बहुत दुख की बात है कि बारिश के मौसम में पुल टूट रहे हैं। मजबूत पुलों की हर जगह जरूरत पड़ेगी।

लोकसभा सत्र की शुरुआत के साथ बढ़ीं उम्मीदें

अठारहवीं लोकसभा की औपचारिक शुरुआत के साथ उम्मीद यही की जाएगी कि नए संसद सदस्यों ने चुनावों के दौरान जनता के सामने जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करने और देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने के लिए वे अपनी ओर से सब कुछ करेंगे। सोमवार को पहले सत्र में नए सांसदों के शपथ लेने और बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के बाद गुरुवार को राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित होगा,इसके बाद तीन जुलाई तक चलने वाले इस सत्र में फिलहाल परीक्षा में नकल के रोग, धांधली और सुर्खियों में आए कई जरूरी मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव के आसार बन रहे हैं। जाहिर है, संसद में जनता से जुड़े मुद्दों पर बातचीत या बहस एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को ही आगे बढ़ाएगी, मगर साथ ही यह अपेक्षा होगी कि ऐसी बहसें किसी ऐसे बेमानी टकराव का रुख न अख्तियार करे, जिसमें मुख्य सवाल शोर में गुम हो जाएं और समस्याओं का कोई ठोस हल न निकले। दरअसल, पिछली लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव जिस स्तर तक चला, उसमें ऐसे अवसर कम आए, जिसमें जनहित के मुद्दों पर सार्थक बहस हो और किसी मसले पर सामने आए हल में सबकी भागीदारी दिखे। ऐसी शिकायतें कई बार उभरीं जिसमें असहमति के स्वर तीखे होने के बाद विपक्ष ने सदन का बहिर्गमन किया और कई मुद्दों और विधेयकों पर पर्याप्त बहस नहीं हो सकी।इस बार संख्या बल की कसौटी पर विपक्ष बेहतर स्थिति में है और दोनों पक्षों का जिस तरह का ढांचा खड़ा हुआ है, उसमें स्वाभाविक ही पिछली लोकसभा के मुकाबले ज्यादा संतुलन दिखने की संभावना है। मगर जरूरी यह है कि किसी मुद्दे पर असहमति ऐसे टकराव में न तब्दील हो जिसमें उससे जुड़े अलग-अलग पहलू पर चर्चा न हो सके। यह छिपा नहीं है कि किसी सदन में जिन मसलों पर सदस्यों के बीच व्यापक बहस की जरूरत होती है।

कसौटी पर परखे जाएंगे तीन कानून

(विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी)

मनुष्यता के इतिहास में मूल्यगत परिवर्तन बड़े धीमे-धीमे होते हैं और कई बार तो सैकड़ों साल लग जाते हैं किसी ऐसे परिवर्तन को स्वीकृति प्राप्त करने में, जो हमारी समूची गतिविधियों को प्रभावित कर सकता हो। पिछली शताब्दी इस अर्थ में बड़ी महत्वपूर्ण रही है कि इसमें बदलाव बड़ी तेजी से घटित हुए। कई बार तो कुछ दशकों में ही इतने बड़े मूल्यगत परिवर्तन हुए, जितने कई शताब्दियों में हुआ करते थे। यौनिकता एक ऐसा ही क्षेत्र है, जिसमें बदलाव की सुनामी आसानी से महसूस की जा सकती है। लंबे संघर्षों के बाद मैग्नाकार्टा और फ्रांसीसी क्रांति के चरण पार करते हुए मानव इतिहास ने कानून की सर्वोच्चता को स्वीकार किया और धीरे-धीरे राजा को ईश्वर का प्रतिनिधि मानने की धारणा कमजोर होती गई। इस बदलाव ने ही कानून के राज्य की अवधारणा को विकसित किया और वे सारे परिवर्तन संभव हुए, जिनकी कुछ शताब्दियों पहले कल्पना करना भी संभव न था। मनुष्य जाति पहले तो परिवर्तनों को नकारने की कोशिश करती है, पर एक बार स्वीकृत करने के बाद कुछ को नियमों या संहिताओं के रूप में संरक्षित करती है और फिर उनके माध्यम से अपने जीवन का संचालन करती है। ऐसा ही एक क्षण भारतीय राज्य के जीवन में 1860 के दशक में आया, जब पहली बार उसने बड़े विस्तार से अपराध को परिभाषित करने और समाज को उससे बचाने के उपायों पर विचार किया। इस दशक में भारतीय दंड संहिता, नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे कानून अस्तित्व में आए और इनके जरिये भारतीय समाज ने अपराध और दंड की एक नई समझ विकसित की थी। यह समझ एक लंबे समय तक शासकों के तो काम आती ही रही, शासितों को भी उसने एक सर्वथा नई दुनिया से परिचित कराया। बेमन से ही सही, पर इन कानूनों को स्वीकृति मिली और लगभग दो शताब्दियों तक उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित की, पर अब तो वर्षों से सारे हितधारक महसूस करने लगे थे कि इनकी प्रासंगिकता खत्म हो गई है और इनमें बुनियादी परिवर्तनों की जरूरत है। बड़े परिवर्तनों के इस क्षण से भारतीय समाज का एक ऐसा ही साक्षात्कार 1 जुलाई को फिर होने जा रहा है, जब भारतीय दंड संहिता, नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम अपने नए अवतार में उसे मिलेंगे। यह विचारना दिलचस्प होगा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम नामक ये तीनों नए कानून किस हद तक अपने समय की कसौटी पर खरे उतरेंगे और उससे भी बढ़कर किस हद तक जनापेक्षाओं की पूर्ति करेंगे। जैसे ही इन नए कानूनों के ड्रॉफ्ट सार्वजनिक हुए, उन पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आने लगीं। अनेक भाषाओं, बहुराष्ट्रीयताओं और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं वाले देश ने स्वाभाविक ही इनको अलग-अलग रूपों में लिया। 1860 के दशक में बने कानूनों ने दो अर्थों में बड़ा योगदान दिया था। पहला तो इनकी वजह से भारतीय समाज ने समानता जैसे मूल्य का सम्मान करना सीखा और दूसरा इन्होंने सही अर्थों में भारतीय उपमहाद्वीप को एक राष्ट्र-राज्य में तब्दील होने में मदद की थी। नए कानूनों की राह इसलिए आसान होगी कि अब समानता का विरोध करना काफी हद तक असंभव हो गया है। 1 जुलाई से लागू होने वाले कानूनों के समक्ष चुनौतियां दूसरी हैं और उन्हें पहले वाली से कमतर आंकना यथार्थ से मुंह चुराना होगा । देश के प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित एक सेमिनार में कहा कि इन विधेयकों का संसद से पारित होना एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि उनके ही शब्दों में दूसरे कानून हमारे समाज की रोजमर्रा की गतिविधियों को इन फौजदारी कानूनों से अधिक प्रभावित नहीं करते। वैसे, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने नए कानूनों के कारगर इस्तेमाल के लिए सरकार के स्तर पर बड़े पैमाने पर संसाधनों के निवेश और सभी हितधारकों की सोच में परिवर्तनों को रेखांकित किया। दोनों जरूरी हैं, मगर सोच के स्तर पर बदलाव सबसे जरूरी है। खास तौर से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बदले प्रारूपों की सफलता के लिए बड़े पैमाने पर तकनीक की जरूरत होगी। एक औसत भारतीय दिमाग आसानी से नए परिवर्तनों को स्वीकार नहीं करता। कंप्यूटर का अनुभव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां वर्षों तक हमने देखा कि अदालतों में कंप्यूटर डिब्बों में बंद रहे और वरिष्ठ अधिकारी इस लोभ से अपने कक्ष में कंप्यूटर रखते थे कि उसके चलते उनके कमरे वातानुकूलित हो जाते थे। इसी तरह जेलों और अदालतों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा पिछले कुछ वर्षों से उपलब्ध होने के बावजूद असंख्य कैदी अब भी रोज अदालतों में रिमांड के लिए लाए जाते हैं। न्यायिक अधिकारियों के साथ पुलिस और जेल के अमले को तकनीकी रूप से उस स्थिति के लिए प्रशिक्षित करना एक दुष्कर कार्य होगा, पर यह तो करना ही होगा। नई व्यवस्था लागू करने में सबसे बड़ी चुनौती होगी, मुकदमों के निस्तारण में लगने वाले समय में कमी लाना। नए कानूनों का ड्राफ्ट संसद में पेश करते समय दावा किया गया कि अब फौजदारी के मुकदमों का फैसला तीन वर्षों में हो जाएगा। इसके लिए कई तरह के प्रावधान भी किए गए हैं, पर जानकारों के मन में इन्हें लेकर संशय है। अब तक का अनुभव बताता है कि पीड़ित पक्ष को छोड़कर सारे हितधारकों की कोशिश मुकदमों को लंबा खींचने में होती है और पीड़ित अक्सर असहाय होकर टुकुर-टुकुर ताकने के सिवाय कुछ नहीं कर पाता। देखना है कि नए कानून किस हद तक इस मानसिक बाधा से पार पा सकेंगे। मैंने बड़ी उत्सुकता से समझने की कोशिश की कि नए कानूनों के लागू होने के पहले कितनी जरूरी तैयारियां हुई हैं? मैंने पाया कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में पुलिस ने अपने विवेचकों और पर्यवेक्षण अधिकारियों के लिए कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रम जरूर चलाए हैं, पर ज्यादा सघन हस्तक्षेप की जरूरत है। उत्तर प्रदेश में न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े कुछ अधिकारियों से बात करके मुझे निराशा हुई और लगा कि उनकी उदासीनता नई व्यवस्था के सफल संचालन में बाधा बनेगी। सरकार को विवेचकों, न्यायिक अधिकारियों और अभियोजकों के प्रशिक्षण व जरूरी तकनीकी उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश करने की जरूरत होगी। यह मानना बहुत जरूरी है कि हमें विश्वस्तरीय सड़कों, हवाई अड्डों या बंदरगाहों जैसी आधारभूत सुविधाओं से कम जरूरत विश्वस्तरीय न्यायालयों, विवेचना उपकरणों और जेलों की नहीं है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> *दोनों जरूरी हैं, मगर सोच के स्तर पर बदलाव सबसे जरूरी है। खास तौर से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बदले प्रारूपों की सफलता के लिए बड़े पैमाने पर तकनीक की जरूरत होगी। एक औसत भारतीय दिमाग आसानी से नए परिवर्तनों को स्वीकार नहीं करता। कंप्यूटर का अनुभव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।*

तपन से राहत देता मानसून हमारी चिंता भी बढ़ा रहा

(के जे रमेश, पूर्व महानिदेशक, भारतीय मौसम विभाग)

बेहिसाब गर्मी (हीटवेव) झेलने के बाद अब उत्तर भारत मानसूनी फुहारों से भीगने लगा है। इस साल केरल में मानसून समय पर 30-31 मई को पहुंच गया था, लेकिन पूर्व की तरफ बढ़ते-बढ़ते यह ठहर सा गया था। 20 जून के बाद यह फिर से सक्रिय हुआ है। दरअसल, केरल के तटों से टकराने के बाद मानसून दो रास्तों से ऊपर की ओर बढ़ता है। एक, बंगाल की खाड़ी की तरफ से और दूसरा, अरब सागर की ओर से। इस साल देश के पूर्वी हिस्से में बेशक यह ठहर गया था, लेकिन पश्चिमी हिस्से में, यानी अरब सागर की ओर से इसकी रफ्तार अच्छी थी और 10 जून तक यह महाराष्ट्र पहुंच चुका था। यहां कोई यह समझने की भूल न करे कि मानसून में यह ठहराव अप्रत्याशित था। इसे तो सामान्य मौसमी परिघटना माना जाता है। हां, 20 दिनों तक इसका यूं रुक जाना जरूर असामान्य था। आखिर ऐसा क्यों हुआ? इसका मुख्य कारण तो निस्संदेह जलवायु परिवर्तन है, पर इस साल मौसमी परिस्थितियों के कारण भी उत्तर-पश्चिम से पूर्व की तरफ बहने वाली सामान्य हवा बंगाल की खाड़ी से उठने वाली मानसूनी हवा पर भारी साबित हुई। बहरहाल, दिल्ली व उत्तर भारत के ज्यादातर इलाके अमूमन जून के अंतिम दिनों में भीगते हैं। तब तक यहां गर्मी बनी रहती है। चूंकि बीच-बीच में पश्चिमी विक्षोभ के कारण इन क्षेत्रों में बारिश हो जाती है, इसलिए गर्मी से राहत भी मिलती रहती है। मगर इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ के आने की दर तुलनात्मक रूप से कम रही और मानसून 20 दिनों तक ठहर गया, इसलिए हमने एक लंबी और अप्रत्याशित गर्मी झेली। इन दिनों तापमान लगातार 40 डिग्री से ऊपर बना रहा। नतीजतन, पहाड़ी इलाकों में भी गर्मी का रिकॉर्ड टूटा। अब छिटपुट बारिश से तापमान जरूर कम हो गया है, लेकिन वातावरण में नमी अधिक होने के कारण उमस बढ़ गई है। उम्मीद है, 27 जून के बाद जब मानसून पूरी तरह से उत्तर भारत में सक्रिय हो जाएगा, तो उमस भी खत्म हो जाएगी और गर्मी से हमें राहत मिल सकेगी। इस बार के मानसून को लेकर एक चिंता भी है। अभी जहां-जहां यह पहुंचा है, तेज बारिश हो रही है। सिक्किम, असम सहित पूरा पूर्वोत्तर इलाका बाढ़ की चपेट में आ चुका है। इसी तरह, पश्चिमी तट, तेलंगाना, विदर्भ, मध्य प्रदेश जैसे तमाम इलाकों में सामान्य से कहीं अधिक बरसात हो रही है। उत्तर भारत में भी काफी अच्छी बारिश की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। इससे यहां के प्यासे-पथराए खेतों को पर्याप्त पानी मिल सकेगा, लेकिन शहर-प्रबंधन के मोर्चे पर तैयारी का अभाव हमारी मुश्किलें भी बढ़ा सकता है। अब तक का अनुभव अमूमन यही है कि पांच-दस सेंटीमीटर बारिश में ही शहर डूबने-उतराने लगते हैं। इसकी बड़ी वजह यही है कि नालों की पर्याप्त साफ-सफाई नहीं होती। फिर, हमने पानी के बहाव के प्राकृतिक रास्ते भी बंद कर दिए हैं। इस कारण, हल्की बारिश भी शहरी लोगों की मुश्किलें बढ़ा देती है। ऐसे में, सिविल सोसाइटी की तरफ से स्थानीय निकायों पर दबाव बनाना जरूरी है, अन्यथा इस तस्वीर को बदलना मुश्किल होगा। वैसे, यह स्थिति छोटे कस्बों की ही नहीं, महानगरों की भी है। मुंबई में साल 2005 में 99 सेंटीमीटर बारिश हुई थी और जल-निकासी की व्यवस्था को लगातार बेहतर बनाने का संकल्प लिया गया था, लेकिन आज भी बरसात होते ही मुंबई के कई इलाके पानी से डूब जाते हैं। यही कहानी बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे अन्य महानगरों की भी है। हैदराबाद तो अभी तक इस सीजन का चार बड़ा जलभराव झेल चुका है। मौसम विभाग अपने तईं तत्परता दिखाने में पीछे नहीं हटता। बारिश का पूर्वानुमान वह रंगों के माध्यम से बताता रहता है, जिसमें नारंगी रंग बारिश शुरू होने और लाल रंग मूसलाधार बारिश होने का संकेत होता है। मगर प्रशासनिक तैयारी कमजोर रहने के कारण आम लोग परेशान होते रहते हैं। चक्रवाती तूफान को लेकर हमने जिस तरह से दिशा-निर्देशों पर अमल करना शुरू कर दिया है, ठीक उसी तरह की तत्परता शहरी प्रबंधन को तेज बारिश व बाढ़ से निपटने के लिए करनी होगी।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5416

5		3						
2			3					
	4		7	1		2		3
		5	4				7	1
		4	2		1	8		
6	8				7	5		
1		7		6	9		3	
					4			6
						9		5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र.5415

2	9	3	1	7	4	8	6	5
5	1	8	6	2	3	4	7	9
6	7	4	9	8	5	2	3	1
3	8	5	2	9	6	1	4	7
1	6	9	8	4	7	5	2	3
7	4	2	5	3	1	9	8	6
4	5	1	7	6	8	3	9	2
8	2	6	3	5	9	7	1	4
9	3	7	4	1	2	6	5	8

वर्ग पहेली 5416

संकेत: बाएं से दाएं

1. 13 अगस्त 1999 को इस लेखिका की पुस्तकी आमार मएबेला पर बांग्लोदश सरकार ने प्रतिबंध लगाया (8)
7. रचित जाना, निर्मित होना (3)
8. जल में उत्पन्न वस्तु (3)
9. अलक, जुल्फ, उर्दू का अक्षर (2)
10. स्वच्छ, निर्मल (2)
11. महिला ईसाई पादरी को यह कहा जाता है (2)
13.14 वीं-15 वीं शताब्दी के प्रसिद्ध संत जिन्होंने धार्मिक एकता का उपदेश दिया था (3)
15. द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
16. दानशील, फैयाजी, दयालु (3)
17. तन, जिस्म, काया, शरीर (3)
19. व्रत या उपपास (उर्दू)(2)
20. किसी कार्य का अपनी ओर से आरंभ (3)
22. उपवन, वाटिका, बगीचा (2)
24. शरीर पर काले रंग का गहरा दाग (2)
25. श्रृंगार, सज्जा, रौनक (उर्दू) (3)

ऊपर से नीचे

1. भारतीय संगीत में प्रयोग होने वाला एक ताल वाद्य (3)
2. देवमंदिर को यह भी कहा गया है (5)
3. किशोर कुमार की अभिनेत्री पत्नी (सिर्फ नाम)(2)
4. अरब का एक प्रसिद्ध नगर जहां हजरत अली की मजार है (3)
5. तह, शिकन, बल (2)
6. क्षेत्रीय (अंग्रेजी) (4)
10. सारांश, सत, कस, निचोड़ (2)
12. राजकुमार, युवराज (5)
14. मुगल सम्राट अकबर के दरबारी रत्न जिनका असली नाम महेशदास भट्ट था (4)
15. तौल की एक सूक्ष्म इकाई जो आठ रत्ती के बराबर होती है (2)
16. पार्वती या उमा के पति होने के कारण भगवान शिव का एक नाम (4)
17. सजधज (4)
21. निदान, निष्पत्ति, निराकरण (2)
23. दुर्दशा, दुर्गति (2)

वर्ग पहेली 5415 का हल

वि	क्र	म	सा	रा	भा	ई	
शा	म	त		के	ला		क
ल		ल		श		ला	मा
का	ति	ब		श	ह	ना	ई
य	ह		ब	र्मा			
	रा	ज	न		ब		रा
वा			फू	ल	न	दे	वी
ह	ल	च	ल		ना	ना	

आज का राशिफल

मेष

आज दिन लाभ और सफलता से भरा होगा और आपके जीवन में सुख सुविधाएं बढ़ेंगी। आप धार्मिक और सामाजिक कार्य में हर प्रकार का सहयोग करेंगे और आपको लाभ प्राप्त होगा। ऑफिस में लोग आपकी बातों की सराहना करेंगे और आपको तवज्जो देंगे। यदि आपको कारोबार में लाभ होगा और सफलता प्राप्त होगी। आपके व्यापार में आज कुछ नए परिवर्तन होंगे।

वृष

आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपके धन में वृद्धि होगी और प्रभाव प्रताप में वृद्धि होगी। देर रात आपको कुछ ऐसे अनावश्यक खर्चे करने पड़ सकते हैं जिनको करने का आपका मन नहीं करेगा। आपके कुछ खर्च आज ऐसे होंगे जो आपको लगेगा कि फालतू के हैं। आपका किसी काम में नहीं लगेगा। दिन को सूझबूझ से बिताएं। जिससे आगे चलकर आपको लाभ होगा।

मिथुन

आज कारियर के मामले में लाभ होगा और आज आज हर प्रकार की चिंता से दूर रहेंगे। आपके सुख और भोग के साधनों में वृद्धि होगी और हर कार्य में सफलता प्राप्त होने के योग हैं। परिवार की तरफ से भी वांछित समाचार मिलने से आपको हर्ष होगा और बच्चों की तरक्की को देखकर खुश होंगे।

कर्क

आज दिन काफी मेहनत वाला रहेगा और आज आपको काम अधिक करना पड़ेगा। आपको राज्य और समाज की ओर से वांछित सहयोग मिलेगा और आपके घर में कोई शुभ समाचार आने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। यदि आप नौकरी करते हैं तो आपके अधिकारों में वृद्धि होगी और आपका उत्तरदायित्व बढ़ेगा। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका दिन आराम से बीतेगा। संतान और पत्नी से प्रेम की भावना बढ़ेगी। यदि आपकी प्रोन्नति होने वाली है तो अवश्य प्राप्त होगी। किसी मामले में आपको आकस्मिक चिंता हो सकती है। दूसरे व्यक्तियों की ओर से आपको लाभ होगा। सायंकाल तक आप कामयाब हो जायेंगे। रात में अकस्मात् अतिथियों के आगमन से असुविधा होगी।

कन्या

आज दिन सफलता से भरा होगा। भविष्य में आपको नई संभावनाएं प्राप्त होंगी। आध्यात्मिक कार्य में आपका मन लगेगा और आपके अच्छे कार्य से खानदान का नाम ऊंचा होगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्य में सफलता मिलेगी। शाम का समय गाने बजाने और संगीत में बीतेगा।

तुला

आज दिन करियर के मामले में सफलता से भरा होगा। आप जिस काम को लगन से पूरा करेंगे उसमें लाभ होगा और रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आप जिस योजना में भी निवेश करेंगे उसमें आपको लाभ होगा। परिवार में मनमुटाव हो सकता है समझबूझ से काम लें। शाम के वक्त वाहन खराब होने से आपका खर्च अचानक से बढ़ सकता है। धैर्य से काम लें क्योंकि जल्दबाजी में किए गए।

वृश्चिक

आज लाभ के योग बन रहे हैं और चंद्रमा का शुभ योग आपको धन लाभ करवाएगा। अपनी शान शौकत के लिए धन का व्यय करेंगे तो आपका सम्मान बढ़ेगा। गरीबों की सहायता करेंगे और आपकी बातें लोगों को खुश करेंगे। कार्य कुशलता से दूसरे व्यक्तियों को अपनी ओर आकृष्ट करने में सक्षम रहेंगे। शाम से लेकर रात तक आपका मन शुभ कार्य में लगेगा।

मकर

आज दिन मिश्रित फलकारक है और आज आपकी सेहत में गिरावट आ सकती है। ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आएंगे जो कि आपको बिना मन के भी करने पड़ सकते हैं। शाम के वक्त आपका मन उदास रहेगा और आपका काम करने में मन नहीं लगेगा। शाम के समय कोई खुशखबरी मिल सकती है और आपके उत्साह में वृद्धि होगी। रात में किसी मांगलिक समारोह में शामिल होने से मन खुश रहेगा।

कुंभ

आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपके निर्णय लेने की क्षमता से आपको लाभ होगा। आपका कोई विवाद राज्य में लंबित है तो उसमें फैसला आने की उम्मीद है। सफलता मिलने की पूर्ण संभावना रहेगी। धन का लाभ होगा। ईश्वर की पूजा में आपका मन लगेगा और आपके कार्य आराम से संपन्न हो जाएंगे। शाम से लेकर देर रात तक का समय जप और तप में बीतेगा। पुण्य कार्यों में मन लगेगा।

धनु

आज करियर में मनचाही सफलता प्राप्त होगी और भाग्य आपका साथ देगा। आपके ज्ञान में वृद्धि होगी और आप कुछ नया करने के बारे में भी सोच सकते हैं। आपकी भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी और सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। नये कार्यों की खोज करने में मन लगेगा। आप दूसरों की बातों पर गौर न करें और अपने काम पर फोकस करें तो आपको अच्छे रिजल्ट मिलेंगे।

मीन

आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होने से आपको लाभ होगा। आपके भौतिक सुख सुविधाओं में कुछ कमी आ सकती है। आप अपने मन की बात को दूसरों से शेयर न करें तो अच्छा होगा। रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। आपकी सेहत में गड़बड़ हो सकती है। खानपान में विशेष नियंत्रण करने की जरूरत है। परिवार के साथ आप कहीं सैर और सपाटे पर जा सकते हैं।

जर्मनी में विदेशी छात्रों को मिलती है कम कीमत में क्वालिटी एजुकेशन

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

जर्मनी में क्यों करें पढ़ाई

जर्मनी में पढ़ाई करने के कई कारण हैं जिसमें प्रमुख है शिक्षा की बेहतरीन गुणवत्ता, ट्यूशन फीस में छूट, शानदार करियर के मौके, इंगलिश में पढ़ाए जाने वाले इंटरनैशनल डिग्री प्रोग्राम आदि शामिल हैं। जर्मनी की यूनिवर्सिटिज की दुनिया में काफी प्रतिष्ठा है। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जर्मनी की 47 यूनिवर्सिटिज दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटिज में शामिल हैं। आप इस बात पर विश्वास करें या नहीं लेकिन यह सच है कि जर्मनी की कई यूनिवर्सिटिज ट्यूशन फीस नहीं लेती हैं और यह बात विदेशी छात्रों पर भी लागू होती है। इसके अलावा यहां छात्रों के पास स्कॉलरशिप प्राप्त करने के भी कई मौके होते हैं खासतौर से जर्न अकेडमिक एक्सचेंज सर्विस के जरिए। इसके भारत में कई ऑफिस हैं जो भारतीय छात्रों को उनकी जरुरत के हिसाब से कोर्स मुहैया कराती है।

भाषा

जर्मनी में विदेशी छात्र करीब 2 हजार ऐसे कोर्सेस में से अपनी पसंद का कोर्स चुन सकते हैं जिनकी पढ़ाई अंग्रेजी में कराई जाती है। इसलिए यहां जर्मन भाषा की समझ जरूरी नहीं है। हालांकि जर्मन भाषा को सीखना आगे आपके ही काम आएगा।

आइडिया का देश

जर्मनी शुरू से ही अविष्कारों का देश रहा है यहां प्रिंटिंग प्रेस से लेकर ऑटोमोबाइल और एमपी 3 फॉर्मेट का अविष्कार हुआ है। अभी तक करीब 80 जर्मन वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फॉरम की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी सबसे इनोवेटिव देश है। इसमें जर्मनी की यूनिवर्सिटिज अहम रोल निभाती है क्योंकि यहां रिसर्च काफी मजबूत है।

किसी जर्मन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र 18 महीने जर्मनी मे नौकरी ढूंढने के लिए रूक सकते हैं। जर्मनी इंडस्ट्रीयल इनोवेशन और मैनुफैक्चरिंग में वर्ल्ड लीडर है इसलिए यहां हर समय इंजिनियर्स की कमी रहती है। इसके अलावा यहां कई ऐसे शहर हैं जहां होली और दिवाली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं जिसके कारण यह भारतीयों के लिए बेहतरीन डेस्टिनेशन है।

ये 5 वॉटर कोर्स दिलाएंगे विदेश जाने का मौका

अगर आप विदेश जाकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए जरूरी आर्टिकल है। यहां पर हम यहां पर टॉप-5 वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट कोर्सेज के बारे में बता रहे हैं, जिनमें आप बेहतरी करियर बना सकते हैं। साथ ही लाखों-करोड़ों रुपये की कमाई भी कर सकते हैं।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। सबसे बड़ी बात ये समस्याएं किसी एक देश की सीमाओं में नहीं सिमटी हैं। ऐसे में वैश्विक जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए कुशल रणनीतिकारों और विकास विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए ऐसे लोगों की ज़रूरत है जिनके पास सही विशेषज्ञता और व्यावहारिक ज्ञान दोनों का मिश्रण हो।

क्रॉस कल्चरल कम्यूनिकेशन स्किल

वैश्विक स्तर पर टिकाऊ जल कूटनीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करना और वैश्विक भाषाई परिवेश में काम करना सीखना है। पेशेवर कूटनीतिज्ञों को कूटनीतिक वार्ता, हितधारकों को जोड़ने और नीतिगत पैरवी करते समय सावधानी और खुले दिमाग का परिचय देना चाहिए।

तकनीकी विशेषज्ञता

जल विज्ञान, जल प्रबंधन सिद्धांतों और पर्यावरण विज्ञान में मजबूत आधार होना इस पेशे की नींव है। जल मॉडलिंग, जीआईएस और डेटा विश्लेषण में विशेषज्ञता आमतौर पर हायर करने वाले ढूंढते हैं।

नीति विश्लेषण और विकास

जल क्षेत्र का मूल जल नीतियों का विश्लेषण करना, उनके लागू करने के परिणामों का अध्ययन करना और बेहतर, टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन रणनीतियों के विकास में शामिल होना है।

वार्ता और समाधान

जल पेशेवरों में कूटनीतिक स्किल मजबूत होनी चाहिए और उन्हें विवादों का समाधान करने में सक्षम होना चाहिए ताकि पानी तनाव और संघर्ष का कारण न बने।

कोर्सेज एंड ट्रेनिंग, वाटर डिप्लोमेसी एंड गवर्नेंस

अंतर्राष्ट्रीय जल कानून, सीमा पार जल प्रबंधन और कूटनीति पर बल देने वाले पाठ्यक्रम छात्रों को साझा जल संसाधनों के प्रबंधन में शामिल जटिल मुद्दों की बुनियादी समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

पर्यावरण नीति और रेगुलेशन

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ जल संसाधनों के लिए नियामक व्यवस्थाओं की जानकारी होना उचित कानून और रणनीतियां बनाने के लिए ज़रूरी है।

पारियोजना प्रबंधन

बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए नेतृत्व क्षमता, बजट बनाने का कौशल, सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों वाली टीम वर्क की आवश्यकता होती है।

जल विज्ञान और जल प्रबंधन

ऐसे तकनीकी पाठ्यक्रम मौजूद हैं जो जल विज्ञान मॉडलिंग, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन जैसे विषयों पर पढ़ाते हैं। ये पाठ्यक्रम जल संसाधनों के टिकाऊ उपयोग के लिए व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करते हैं।

अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता

इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता कौशल पर केंद्रित होते हैं, जो वैश्विक जल क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के साथ सफलतापूर्वक बातचीत करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

पेशेवर विकास कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और क्षेत्रीय विकास बैंक जैसे संगठन अक्सर जल संसाधन प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय विकास के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए पेशेवर विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं।

ये हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियां, जानिए एवरेज फीस

समय के साथ देश में शिक्षा भी महंगी हो गई है। शायद यही वजह है कि अब कुछ डिग्रियों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। हालांकि, सरकारी कॉलेजों में फीस फिर भी कम है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों कई कोर्सेज के फीस बहुत ही ज्यादा है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में

भारत में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित कई कोर्स संचालित किए जाते हैं। कई कोर्स ऐसे होते हैं जिन्हें करने के बाद बढ़िया सैलरी भी मिलती है। हालांकि, ये डिग्रीयां महंगी भी होती हैं। ऐसे में आइए हम आपको बता दें कि देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में?

मेडिसिन

मेडिसिन की डिग्री भारत में महंगी डिग्री में एक है। मेडिसिन की पढ़ाई सरकारी कॉलेजों में सस्ती होती है। लेकिन अगर प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो मेडिसिन की डिग्री के लिए 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है।

इंजीनियरिंग डिग्री

भारत में इंजीनियरिंग डिग्री के लिए सरकारी स्कूलों में फीस एक वर्ष की 2 लाख रुपये तक है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो इंजीनियरिंग के लिए 10 लाख रुपये या फिर उससे ज्यादा तक की फीस एक वर्ष के लिए देना पड़ सकता है।

बिजनेस डिग्री

बिजनेस मैनेजमेंट सहित अन्य कोर्सेज के लिए आईआईएम सहित अन्य सरकारी कॉलेजों को छोड़कर स्टूडेंट्स 20 से 25 लाख रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, प्राइवेट इंस्टीट्यूट में स्टूडेंट्स को कई तरह की स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

लॉ कोर्सेज

लॉग की डिग्री लेने के लिए प्राइवेट कॉलेजों में स्टूडेंट्स को कुल 10 लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। बदलते दौर के साथ लॉ के क्षेत्र में करियर ऑप्शन भी बढ़ गए हैं। जिसके चलते बड़ी संख्या में हर वर्ष स्टूडेंट्स लॉ की पढ़ाई करते हैं। यही वजह है कि कई प्राइवेट कॉलेजों की तरफ से फीस भी बढ़ा दी गई है।

एविएशन

एविएशन की डिग्री भी देश की महंगी डिग्रियों में एक है। एविएशन की पढ़ाई के लिए स्टूडेंट्स को 5 लाख रुपये से 15-20 लाख रुपये की फीस एक वर्ष की देनी पड़ सकती हैं। हालांकि, एविएशन की पढ़ाई के बाद स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती हैं।

डिजाइन

डिजाइन कोर्सेज की गिनती भी महंगी डिग्रियों में होती है। देश के कई संस्थानों से डिजाइन कोर्सेज को करने के लिए स्टूडेंट्स को 10 से लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। हालांकि, डिजाइन कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

फूड स्टार्टअप्स में ऐसे बनाएं करियर

बदलते जमाने के साथ लोग परंपरागत कोर्सेज से हटकर कुछ ऐसे नए कोर्स कर रहे हैं, जिससे वे न सिर्फ पैसा कमा कर रहे हैं, बल्कि अपना सपना भी पूरा कर रहे हैं। इन्हीं फील्ड में फूड स्टार्टअप भी नया विकल्प बनकर उभरा है। जिसमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं।

खाने की दुनिया लगातार बदल रही है और इस बदलाव में सबसे आगे चल रहे हैं फूड आंत्रप्रेन्योर्स। ये नई पीढ़ी के बिजनेस करने वाले लोग परंपरागत रेस्टोरेंट के तरीकों को तोड़ रहे हैं। ये ना सिर्फ खाने के बारे में हमारे नजरिए को बदल रहे हैं, बल्कि खाने से जुड़े स्टार्टअप्स में रोजगार के नए मौके भी पैदा कर रहे हैं। अगर आप भी इस रोमांचक फील्ड में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले ये जानना ज़रूरी है कि फूड बिजनेस से जुड़े कौन-कौन से कोर्स हैं, करियर के कौन से विकल्प मौजूद हैं और आपको किन खासियतों की ज़रूरत होगी।

पाठ्यक्रम और शिक्षा

अच्छा खाना पकाने की शिक्षा के बिना ज्यादातर फूड एंटरप्रेन्योर्स अपना सपना पूरा नहीं कर पाते। वैसे तो कुकिंग स्कूल क्लासिकल और प्रैक्टिकल तरीके से खाना बनाना सिखाने के साथ-साथ किचन मैनेजमेंट भी सिखाते हैं, लेकिन फूड एंटरप्रेन्योरशिप कोर्स रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में बिजनेस चलाने के बारे में पूरी जानकारी देते हैं। इन कार्यक्रमों में खासतौर पर फूड प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केटिंग और फाइनेंशियल मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में जानकारी दी जाती है। इससे भविष्य के फूड एंटरप्रेन्योर्स को बिजनेस में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी स्किल्स हासिल हो जाते हैं।

फूड स्टार्टअप्स में करियर विकल्प

शेफप्रेन्योर

जो लोग खाने के क्षेत्र में नयापन लाना चाहते हैं, उनके लिए शेफप्रेन्योर बनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये क्रिएटिव फूड प्रोडक्ट डेवलपर होते हैं, जो अपने पाक कला के हुनर से ऐसे प्रोडक्ट्स बनाते हैं, जिनका स्वाद ग्राहकों के ज़हन में बस जाता है और उनकी ब्रांड प्रतियोगिता में अलग पहचान बनाती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट

फूड टेक्नोलॉजिस्ट वो प्रोफेशनल्स होते हैं, जो खाने के सामान बनाने और उनकी खासियतों को बनाए रखने में माहिर होते हैं। फूड साइंस और टेक्नोलॉजी के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए ये प्रोडक्ट की क्वालिटी, सुरक्षा और शेल्फ लाइफ सुनिश्चित करते हैं, साथ ही नए प्रोडक्ट बनाने और मौजूदा प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने के अवसर तलाशते हैं।

मार्केटिंग और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट

फूड स्टार्टअप बाजार में सफलता के लिए अच्छी मार्केटिंग और ब्रांडिंग बहुत जरूरी है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स सोशल मीडिया, इनफ्लुएंसर कोलैबोरेशन और एक्सपीरियंसल मार्केटिंग कैम्पेन्स जैसे अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ब्रांड रिकॉल, लॉयल्टी और डिमांड पैदा करने के लिए अपने क्रिएटिव स्किल्स और रणनीतिक सोच का इस्तेमाल करते हैं।

सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर

फूड स्टार्टअप की सफलता के लिए किसी भी काम की तरह सप्लाई चेन का सुचारू रूप से चलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर सामान मंगवाने, प्रोडक्शन प्रोसेस को लागू करने और लॉजिस्टिक सपोर्ट का समन्वय करते हैं, जिससे पूरी सप्लाई चेन एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से चलती है।

लव सॉन्ग धीरे धीरे के लिए साथ आए पारस कलनावत और मन्नारा चोपड़ा

एक्टर पारस कलनावत और मन्नारा चोपड़ा पहली बार लव सॉन्ग धीरे-धीरे के लिए एक साथ आए हैं। यह सॉन्ग दर्शकों को रोमांस और शांति की दुनिया में ले जाएगा। दो मिनट 46 सेकंड के इस म्यूजिक वीडियो को पायल देव और आदित्य देव ने अपनी आवाज दी है। जैसे-जैसे गाना आगे बढ़ता है, पायल और आदित्य की मधुर आवाज रोमांस की दुनिया में ले जाती है। संगीतकार आदित्य द्वारा तैयार किए गए इस गाने में कुणाल वर्मा के दिल को छू लेने वाले बोल हैं। लव सॉन्ग धीरे धीरे अपने अंतिम नोट तक भी दर्शकों को बांधे रखता है। दिब्या चटर्जी द्वारा निर्देशित यह म्यूजिक वीडियो गाने के सार को बहुत ही खूबसूरती के साथ पर्दे पर दिखाती है।

गाने के बारे में बात करते हुए मन्नारा चोपड़ा ने कहा, पारस के साथ धीरे धीरे का हिस्सा बनना बहुत ही खुशी की बात है। गाने को बहुत ही खूबसूरती के साथ तैयार किया गया है और इसके दिल छू लेने वाले बोल इसे एक यादगार गीत बनाते हैं। जब मैंने ट्रैक की कुछ पंक्तियां सुनीं, तो मुझे इससे प्यार हो गया। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इसे किस तरह से पसंद करते हैं। क्योंकि धीरे धीरे वास्तव में रोमांस के बारे में है। वहीं गाने में मन्नारा के साथ नजर आने वाले पारस ने कहा, जब मैंने पहली बार पायल और आदित्य का यह ट्रैक सुना तो, तभी मुझे लग गया था कि यह खास है। गाने के म्यूजिक से लेकर इसके बोल दर्शकों को बेहद पसंद आएंगे। मन्नारा के साथ धीरे धीरे पर काम करना एक शानदार अनुभव रहा। यह पहली बार है जब हम दोनों एक साथ नजर आ रहे हैं। इसकी शूटिंग बेहद ही खूबसूरत लोकेशन पर की गई, जो इस गाने में आकर्षण की एक अतिरिक्त परत जोड़ देती है।

संगीतकार आदित्य ने इस गाने को प्रेरणा और भावना से भरा एक सफर बताया। उन्होंने कहा, गाने में कुणाल के बोल, इसके संगीत, मन्नारा और पारस की मौजूदगी ने इस गाने में जान डाल दी है। मैं एक ऐसा गाना बनाना चाहता था जो दर्शकों के दिलों को छू जाए।

निवेथा थॉमस की फिल्म 35 चिन्ना कथा काडू पर आया बड़ा अपडेट

निवेथा थॉमस एक मशहूर दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री हैं। उन्होंने तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में काम किया है। हाल में ही उनकी आगामी फिल्म का एलान किया गया था। वो लंबे समय से फिल्मों की दुनिया से दूर थीं। इस वजह से उनके फैंस बेसब्री से उन्हें पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे थे, जिसके बाद बीते दिनों ही निवेथा ने अपनी नई फिल्म का पोस्टर जारी किया था।

कल्कि 2898 एडी के साथ रिलीज होगा टीजर

निवेथा थॉमस ने बीते मंगलवार अपनी अगली फिल्म की घोषणा की थी, जिसका नाम 35-चिन्ना कथा काडू है। उनके फैंस की तरफ से इस पोस्टर पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। अब इस फिल्म के निर्माताओं ने एक नया अपडेट जारी कियी है। इस अपडेट में उन्होंने फिल्म के टीजर को लेकर जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म 35-चिन्ना कथा काडू का टीजर कल्कि 2898 एडी के साथ सिनेमाघरों में प्रीमियर के लिए तैयार है। इसे विशेष रूप से पीवीआर और आईनॉक्स चेन में चलाया जाएगा। हालांकि, टीजर की डिजिटल रिलीज की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है।

15 अगस्त को रिलीज होगी 35 चिन्ना कथा काडू

बताते चलें कि फिल्म में निवेथा थॉमस के अलावा युवा अभिनेता प्रियदर्शी और विश्वदेव भी फिल्म में प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 35 चिन्ना कथा काडू का निर्देशन नंद किशोर के जिम्मे है। वहीं, फिल्म का निर्माण सुरेश प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म में विवेक सागर संगीत देने वाले हैं। इस फिल्म को तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। इसकी रिलीज की तारीख का भी एलान कर दिया गया है। फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

जूनियर एनटीआर के डांस से प्रभावित हैं जान्हवी कपूर

एनटीआर की बहुप्रतीक्षित फिल्म देवरा में उनके साथ हिंदी फिल्म अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी नजर आने वाली हैं। हाल में ही विदेश में फिल्म के एक गाने की शूटिंग कर अभिनेता वापस आए हैं। देवरा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की ये फिल्म लगातार सुर्खियों में है। इस फिल्म में पहली बार ये जोड़ी पर्दे पर नजर आने वाली है, जिसको लेकर दोनों कलाकारों के फैंस काफी उत्साहित हैं। हाल में एनटीआर विदेश यात्रा से वापस आए हैं, वह जान्हवी कपूर के साथ एक गाने की शूटिंग कर रहे थे। एनटीआर के डांस से प्रभावित हैं जान्हवी फिल्म

निर्माता भली-भांति जानते हैं कि दोनों कलाकार के फैंस इस जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित है। इसलिए फिल्म में दोनों पर एक रोमांटिक गाना भी फिल्माया जा रहा है, जो इनके फैंस के लिए एक शानदार अनुभव होने वाला है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जान्हवी एनटीआर की डांसिंग से काफी प्रभावित हुई हैं। अभिनेता ने गाने के डांस स्टेप्स एक बार में ही सीख लिए, जबकि अभिनेत्री को इसके लिए थोड़ा संघर्ष करना पड़ा। फिल्म के एक गाने को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जान्हवी खुद एक प्रशिक्षित डांसर हैं, लेकिन फिर भी उन्हें इस गाने के दौरान थोड़ी मुश्किलें हुईं। वहीं, एनटीआर ने उन्हें अपनी डांसिग स्किल्स से काफी हैरान किया। इसके अलावा रिपोर्ट्स में कहा गया कि सेट पर जान्हवी काफी अच्छे से तैयार हो कर आती थीं, ताकि वो स्टेप्स सही से कर सकें। इससे सेट पर किसी का समय बर्बाद नहीं होता था।

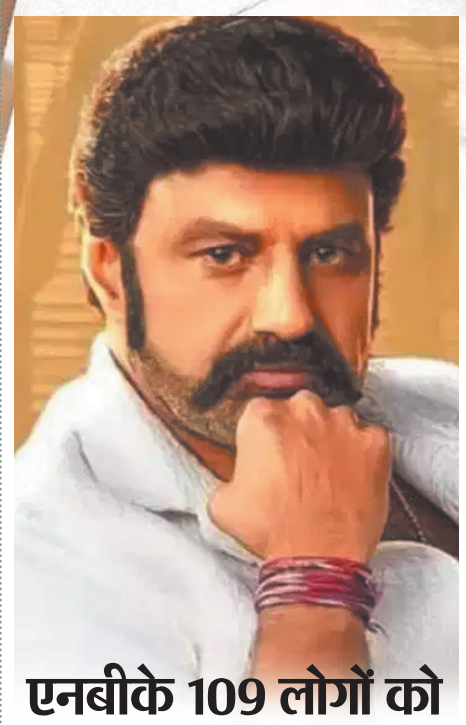

एनबीके 109 लोगों को गुदगुदाते नजर आएंगे नंदमुरी बालकृष्ण

इन दिनों नंदमुरी बालकृष्ण के सितारे बुलंद हैं। वो तीसरी बार हिंदूपुर से विधायक बने हैं और उनकी फिल्में भी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। साल 2021 में रिलीज हुई उनकी फिल्म अखंडा ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। अब वो अपनी नई फिल्म एनबीके 109 को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। हाल ही में, इस फिल्म से जुड़ी एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनबीके 109 में नंदमुरी बालकृष्ण लोगों को गुदगुदाते हुए नजर आएंगे। उनके किरदार में एक कॉमेडी टच देखने को मिलेगा। इस खबर को जानकर नंदमुरी बालकृष्ण के फैंस का उत्साह बढ़ने लगा है और अब वो उनके रोल को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस जानकारी के सामने आने से अब चर्चा चल रही है कि यह फिल्म मजेदार होने वाली है।

केएस रविंद्र कर रहे हैं फिल्म को डायरेक्ट

एनबीके 109 का निर्देशन केएस रविंद्र कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में, चिरंजीवी के साथ वाल्टेयर वीरय्या के रूप में एक ब्लॉकबस्टर फिल्म दी है। एनबीके 109 में नंदमुरी बालकृष्ण के अलावा चांदनी चौधरी भी मुख्य किरदार अदा कर रही हैं। इन दोनों के अलावा अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी अभिनय करती दिखाई देंगी।

यश भी हुए कल्कि 2898 एडी के मुरीद

कल्कि 2898 एडी अपनी रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म को समीक्षकों, दर्शकों और सितारों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं, अब इसकी प्रशंसा करने वाले सितारों में कन्नड़ सुपरस्टार यश का भी नाम जुड़ गया है। यश ने एक्स पर लिखा, एक आश्चर्यजनक दृश्य बनाने के लिए कल्कि 2898 एडी की टीम को बधाई यश ने आगे लिखा, यह फिल्म अधिक रचनात्मक कहानी कहने का मार्ग प्रशस्त करती है। इसके साथ ही उन्होंने इतना बड़ा कदम उठाने के लिए नाग अश्विन समेत निर्माताओं की भी सराहना की।

वरुण तेज की आगामी फिल्म को लेकर आई बड़ी जानकारी

वरुण तेज साउथ फिल्मों के जाने-माने अभिनेता हैं। वह मुख्य रूप से तेलुगु फिल्मों में काम करते हैं। उन्होंने साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म मुकुंद से बतौर मुख्य अभिनेता अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने फिदा, थोली प्रेमा जैसी कुछ सफल फिल्मों में काम किया। अब एक बार फिर वह पर्दे पर अपने फैंस को सौगात देने वाले हैं। उनकी आगामी फिल्म मटका की शूटिंग को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

तीसरे शेड्यूल की हैदराबाद में चल रही है शूटिंग

बीते दिनों ही फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है। इसकी जानकारी खुद वरुण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर दी हैं। वह करुणा कुमार निर्देशित फिल्म मटका में नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर आए नवीनतम रिपोर्ट में इसके शूटिंग से संबंधित जानकारी दी गई है। टीम की तरफ से सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर जानकारी दी गई है, जिसमें बताया गया है कि फिल्म का तीसरा शेड्यूल, फिलहाल आरएफसी, हैदराबाद में चल रहा है। फिल्म के इस शेड्यूल के लिए टीम ने विजाग के 80 के दशक में नजर आने वाले स्थानों को फिर से बनाया है। इसकी एक विशेष झलका टीम की तरफ से जारी की गई है।

नोरा फतेही भी हैं फिल्म का हिस्सा

बता दें कि नवीन चंद्रा भी फिल्म का हिस्सा है। उनके अलावा मीनाक्षी चौधरी और नोरा फतेही भी इस फिल्म में अभिनय करती नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण व्यारा एंटरटेनमेंट और एसआरटी एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। वहीं, जी वी प्रकाश कुमार संगीत निर्देशक हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, ऐसे में लगातार फिल्म को लेकर अपडेट सामने आ रहे हैं। बताते चलें कि वरुण तेज की पिछली दो फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया था। उनकी पिछली फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन थी, जो टिकट खिड़की पर फ्लॉप साबित हुई। इससे पहले उनकी फिल्म गांडीवधारी अर्जुन आई थी। इस फिल्म को भी दर्शकों ने खासा पसंद नहीं किया था और बॉक्स ऑफिस पर फिल्म बुरा हाल हुआ था।

राजेश खन्ना के आनंद की रीमेक करनी थी, पर लगा ये पाप है

बॉलीवुड फिल्मों में अपनी एक अलग पहचान बना चुके गुलशन देवैया बैड कॉप में नजर आ रहे हैं। ओटीटी पर क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज बैड कॉप 21 जून से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। इसमें अनुराग कश्यप भी अभिनय करते दिखाई दे रहे हैं। एक्टर ने फिल्ममेकर के साथ पहले भी काम किया है और उन्होंने उनके साथ दोबारा काम करने का अनुभव साझा किया है। साथ ही अपनी सीरीज और निजी जिंदगी के बारे में भी बात की है।

आपको पहला ब्रेक अनुराग कश्यप ने दैट गर्ल इन यलो बूट्स में दिया था। जबकि, इस सीरीज में वो आपके को-ऐक्टर हैं। अनुराग के साथ आपका रिश्ता इतने सालों में कैसे बदला है?

शुरू में मैं उनसे बात करने में हिचकता था। हमारी सिर्फ काम के बारे में बात होती थी, ज्यादातर वो बताते थे कि मैं ये फिल्म लिख रहा हूं, न्यू यॉर्क जा रहा हूं, फिल्म फेस्टिवल जा रहा हूं और हम घंटों बैठकर सुनते थे। फिर हमारे बीच थोड़ी दूरी भी आ गई क्योंकि उन्होंने मेरी दोस्त (कल्कि) से शादी की थी और वे जब अलग हुए तो पहले जैसा मिलना-जुलना नहीं रह गया। तब इतनी हिम्मत भी नहीं थी क्योंकि उनका एक ऑरा था, जिस तरह का सिनेमा वो बनाते हैं। मुझे पहला ब्रेक उन्होंने दिया था तो एक सम्मान भी था, जो अब भी है तो मैं उनका दोस्त बनने की कोशिश नहीं कर सकता था, लेकिन इस शो में हम कोस्टार्स थे। वह यहां डायरेक्टर नहीं थे तो खाली समय में उन्हें भी पता नहीं होता था कि क्या करना है। मुझे भी इतनी हिम्मत आ गई कि अब हम इधर उधर की बातें भी कर लेते थे तो हमारे बीच काफी बातें हुईं। बाकी, हम दोनों एक-दूसरे के शुभचिंतक हैं।

सीरीज में आपका अपनी पत्नी के साथ एक अलग डायनामिक्स है कि वो आपसे सीनियर हैं, जिससे आपके रिश्ते में उतार-चढ़ाव आता है। अमूमन हमारे पितृसत्तात्मक समाज में मर्द खुद से सफल पत्नी बर्दाश्त नहीं कर पाते। इस बारे में क्या कहेंगे?

इसकी वजह हमारी सोशल कंडीशनिंग है। जो हम अपने बड़े-बुजुर्ग, बड़े भाई को करते हुए देखते हैं, उसी को सही मान लेते हैं कि ऐसा ही होता है। इसका शिकार मर्द भी हैं। मर्दों पर भी बहुत दबाव रहता है, कमाने का, अच्छी नौकरी पाने का, सबका सहारा बनने का, क्योंकि वो मर्द है। इसलिए, उनकी ये कंडीशनिंग हो जाती है कि हम मर्द हैं, हमें ऐसे ही करना है। जमाने के हिसाब से यह सोच बदली नहीं है और इन चीजों को समझने में बहुत वक्त लग जाता है क्योंकि हमें स्कूल में तो ये बातें सिखाई नहीं जाती, इसके लिए हमें धीरे-धीरे काम करते रहना होगा, उसी से बदलाव आएगा। अचानक चाबुक चलाने से कुछ नहीं होगा।

इसमें आप पुलिसवाले के रोल में हैं। अनुराग कश्यप के मुताबिक, ऐक्शन के मामले में आप टाइगर श्रॉफ को टक्कर देने वाले हैं। वह अनुभव कैसा रहा?

इसमें मैं दूसरी बार पुलिस वाले का रोल कर रहा हूं लेकिन दहाड़ में जहां मैं बहुत ईमानदार और रियलिस्टिक पुलिसवाला था, यहां उससे बिल्कुल उल्टा हूं। मर्द को दर्द नहीं होता के बाद दूसरी बार डबल रोल भी कर रहा हूं। इसके डायरेक्टर आदित्य दत्त के साथ मैंने कमांडो की थी। उन्होंने विद्युत जामवाल के साथ फिल्म की है तो ऐक्शन में वह काफी माहिर हैं। मेरे लिए वह थोड़ा चैलेंजिंग था क्योंकि उसमें फिजिकली मजबूती की जरूरत होती है। ऐक्शन करते वक्त शरीर पर जोर बहुत पड़ता है। अपने को संभालो, दूसरे को भी संभालो और मैं इसका आदी नहीं हूं तो हम थक जल्दी जाते हैं। वैसे भी आप रात भर भागेंगे तो थक जाएंगे। विद्युत, टाइगर यही करते हैं। उनकी बहुत सालों की ट्रेनिंग रही है। हम दो-चार दिन की ट्रेनिंग से खुद को ऐक्शन हीरो नहीं बोल सकते तो वो मुश्किल था मगर आदित्य दत्त ने यह सब सोचकर ही ऐक्शन डिजाइन किया था। उन्होंने ऐसे ऐक्शन करवाए कि कूल भी लगे, अच्छा भी दिखे पर मैं उसे परफॉर्म भी कर सकूं।

निजी तौर पर आपका पसंदीदा पुलिस किरदार कौन सा है? और ये सीरीज बैड कॉप की रीमेक है, कोई हिंदी फिल्म है, जिसका रीमेक आप करना चाहेंगे।

पुलिसवाले करैक्टर तो कई हैं, जो मुझे पसंद हैं। जंजीर में अमिताभ बच्चन, अर्धसत्य में ओम पुरी साहब का किरदार, मुझे सिंघम भी पसंद है और दहाड़ में अपना किरदार भी। वहीं, रीमेक की बात करें तो मेरे जेहन में आनंद का रीमेक करने की बात थी, राजेश खन्ना ने उसमें कमाल का काम किया है, मगर फिर लगा कि ऐसी महान फिल्मों के रीमेक का सोचो ही मत। ये पाप है, उस फिल्म को छोड़ दो, वह अमर है।

संक्षिप्त समाचार

विदेशी मुद्रा भंडार 81.6 करोड़ डॉलर बढ़ा, रिजर्व बैंक ने बताया- देश में 653.71 अरब डॉलर फॉरेक्स रिजर्व

मुंबई, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 21 जून को समाप्त सप्ताह में 81.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 653.71 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर रहा था। विदेशीमुद्रा भंडार का सर्वकालिक उच्चतम स्तर सात जून को 655.82 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 21 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम

हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.6 करोड़ डॉलर घटकर 574.13 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

भारत की आरक्षित जमा 90 लाख डॉलर घटी- रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 98.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 56.96 अरब डॉलर रहा। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.05 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 90 लाख डॉलर घटकर 4.57 अरब डॉलर रही।

आरबीआई ने हांगकांग व शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन पर लिया एक्शन, ठोका 29.6 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने कार्ड से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने पर हांगकांग व शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड पर 29.6 लाख रुपए का जुर्माना शुक्रवार को लगाया। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि एचएसबीसी पर यह जुर्माना भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ''बैंकों के क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और रुपया मूल्यवर्गित सह-ब्रांडेड प्रीपेड कार्ड परिचालन'' पर जारी कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए लगाया गया है।

आरबीआई के अनुसार, 31 मार्च 2022 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में उसके द्वारा पर्यवेक्षी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण (आईएसई 2022) किया गया। इसमें पाया गया कि आरबीआई के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। उस संबंध में संबंधित पत्राचार के आधार पर बैंक को एक नोटिस जारी किया गया था। उसमें बैंक को कारण बताने को कहा गया था और पूछा गया था कि उक्त निर्देशों का पालन करने में विफल रहने के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। आरबीआई ने कहा कि नोटिस पर बैंक के जवाब, व्यक्तिगत पेशी के दौरान दिए गए मौखिक जवाब और उसके द्वारा दी गई अतिरिक्त जानकारी पर गौर करने के बाद उसने पाया कि अन्य बातों के साथ-साथ, बैंक के खिलाफ आरोप साबित होते हैं।

मोबाइल रिचार्ज महंगा होने से

टेलीकॉम इंडस्ट्री को 20,000 करोड़ के फायदे का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरटेल और रिलायंस जियो ने मोबाइल रिचार्ज महंगा कर दिया है। इसके बाद अब वोडाफोन आइडिया ने भी जल्द ही अपने प्लान महंगे कर दिए है। इन कंपनियों ने रिचार्ज प्लान में करीब 15-20 फीसदी का इजाफा किया है। इससे मोबाइल यूजर्स की जेब पर बोझ बढ़ गया है। दूसरी तरफ टेलीकॉम कंपनियों के मुनाफे में अच्छी-खासी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान्स में 15-20 फीसदी मोबाइल टैरिफ हाइक से इंडस्ट्री को करीब 20,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त परिचालन लाभ हो सकता है।

इस टैरिफ हाइक के बाद भारती एयरटेल और रिलायंस जियो के एवरेज रेवेन्यू पर यूजर में अच्छा खासा इजाफा होने का अनुमान है। आईसीआरए के उपाध्यक्ष और कॉर्पोरेट रेटिंग के सेक्टर प्रमुख अंकित जैन ने कहा, मोबाइल टैरिफ हाइक से प्रॉफिट जनरेशन में इजाफा होगा। इससे इंडस्ट्री को डेलीवरेजिंग करने के साथ-साथ टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन और नेटवर्क विस्तार के लिए जरूरी पूंजी मिल सकेगी।

14 प्रतिशत बढ़ जाएगा इंडस्ट्री का रेवेन्यू

आईसीआरए को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 में टेलीकॉम इंडस्ट्री का राजस्व 12-14 प्रतिशत बढ़ेगा। ऑपरेटिंग लीवरेज को देखते हुए 14-16 प्रतिशत तक परिचालन लाभ में इजाफा होने का अनुमान है। टेलीकॉम इंडस्ट्री को वित्त वर्ष 2025 में 1.6-1.7 लाख करोड़ रुपए के परिचालन लाभ के साथ 3.2-3.3 लाख करोड़ रुपए का राजस्व दर्ज करने की संभावना है। मॉर्गन स्टेनली के एक नोट के अनुसार, दूसरे टेलीकॉम प्लेयर्स भी मोबाइल टैरिफ हाइक करेंगे। नोट में कहा गया है, हमारा अनुमान है कि भारती एयरटेल और रिलायंस जियो के लिए मिश्रित एआरपीयू को 16-18 प्रतिशत की सीमा में लाभ होगा।

भारत का लौह अयस्क उत्पादन अप्रैल-मई में चार प्रतिशत बढ़कर 5.2 करोड़ टन पर

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-मई अवधि में देश का लौह अयस्क उत्पादन चार प्रतिशत बढ़कर 5.2 करोड़ टन रहा। अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में देश का लौह अयस्क उत्पादन पांच करोड़ टन हुआ था। खान मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अप्रैल-मई अवधि में चूना पत्थर का उत्पादन एक साल पहले की अवधि के 7.7 करोड़ टन से बढ़कर 7.9 करोड़ टन हो गया। बयान में कहा गया है, ''मैंगनीज अयस्क का उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 16.7 प्रतिशत बढ़कर वित्तवर्ष 2024-25 (अप्रैल-मई) में सात लाख टन हो गया है।

मूल्य के हिसाब से कुल खनिज उत्पादन में लौह अयस्क और चूना पत्थर का योगदान लगभग 80 प्रतिशत है। वर्ष 2023-24 में लौह अयस्क का उत्पादन 27.5 करोड़ टन और चूना पत्थर का उत्पादन 45 करोड़ टन रहा।

अलौह धातु क्षेत्र में प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन अप्रैल-मई अवधि में 1.2 प्रतिशत बढ़कर 6.98 लाख टन हो गया, जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 6.90 लाख टन था। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एल्युमीनियम उत्पादक, तीसरा सबसे बड़ा चूना उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक है।

आठ बुनियादी ढांचा उद्योग मई में 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। कोयला, प्राकृतिक गैस और बिजली क्षेत्र के उत्पादन में अच्छी वृद्धि होने से मई के महीने में देश के आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में 6.3 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

अप्रैल में इन आठ क्षेत्रों का उत्पादन 6.7 प्रतिशत बढ़ा था। इन प्रमुख ढांचागत क्षेत्रों की वृद्धि दर मई 2023 में 5.2 प्रतिशत थी। इन क्षेत्रों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल हैं।

आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि उर्वरक, कच्चे तेल और सीमेंट उत्पादन में मई के दौरान नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। इस तरह चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों (अप्रैल-मई) में इन ढांचागत क्षेत्रों का उत्पादन 6.5 प्रतिशत बढ़ा है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4.9 प्रतिशत बढ़ा था।

देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में इन आठ बुनियादी ढांचा उद्योगों का सम्मिलित रूप से योगदान 40.27 प्रतिशत है।

चार साल बाद लौटा कारों पर डिस्काउंट का मौसम

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो ये आपके पास अच्छा मौका है। करीब 4 साल के बाद कारों पर डिस्काउंट की वापसी हुई है। इस समय गाड़ियों पर एक से बढ़कर एक बंपर डिस्काउंट मिल रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के सूत्रों के अनुसार, वर्तमान छूट (पुरानी) स्विफ्ट जैसी हैचबैक पर 15,000 से 20,000 रुपये तक और होंडा सिटी पर 50,000 रुपये से अधिक (नकद छूट, कॉर्पोरेट लॉयल्टी और एक्सचेंज प्रोग्राम सहित) है।

एफएडीए के अतिरिक्त डेटा से पता चलता है कि कुछ उच्च ऑफ़र हैचबैक और सेडान पर उपलब्ध हैं, जिसमें मारुति सुजुकी ऑल्टो च्10 पर 42,000 रुपये (मैनुअल पेट्रोल वेरिएंट पर अधिकतम) तक की छूट मिल रही है। मारुति सुजुकी वैगनआर पर लाभ 25,000 रुपये से 30,000 रुपये के बीच है, और हुंडई ग्रैंड ह्व10 निओस पर 18,000 रुपये से 35,000 रुपये तक है। सेडान के मोर्चे पर, हुंडई ऑरा 23,000 रुपये से 40,000 रुपये के लाभ के साथ आती है - सीएनजी पर सबसे अधिक - जबकि होंडा अमेज़ 40,000 रुपये (एक्सचेंज ऑफ़र और कॉर्पोरेट छूट सहित) से अधिक प्राप्त कर रही है।

यहां तक कि महंगी इलेक्ट्रिक गाड़ियों और एसयूवी पर भी छूट मिल रही है, हुंडई अल्काजार पर 45,000 रुपये से 65,000 रुपये तक की छूट मिल रही है, महिंद्रा एक्सयूवी400 ईवी पर 1.5 लाख रुपये तक का लाभ मिल रहा है और होंडा सिटी ईएचईवी पर 65,000 रुपये तक की छूट मिल रही है।

इस वजह से मिल रहा डिस्काउंट

डीलरों का कहना है कि इसका मुख्य कारण उनके पास बढ़ती हुई इन्वेंट्री है। एफएडीए के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, जून और जुलाई सुस्त महीने हैं। इसलिए स्वाभाविक रूप से छूट अधिक है, लेकिन यह भी इसलिए है क्योंकि इन्वेंट्री का स्तर 55-60 दिनों का है। पिछले तीन महीनों से इसमें वृद्धि हो रही है। महिंद्रा थार जैसे कुछ मॉडल अभी भी वेटिंग लिस्ट में हैं। मारुति सुजुकी की नई स्विफ्ट और अर्टिगा जैसी अन्य कारों पर कोई छूट नहीं है। लेकिन आम तौर पर हैचबैक और सेडान पर छूट बहुत अधिक होती है।

परियोजना फ्लू गैसों से 10 टीपीडी फोरजी इथेनॉल का उत्पादन करेगी

जैक्सन ग्रीन ने इथेनॉल परियोजना के लिए एनटीपीसी की बोली जीती

- 25 टीपीडी कार्बन डाइऑक्साइड फ्लू गैस का संकलन किया जाएगा और उससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम हो जाएगा
- 7.5 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइज़र के माध्यम से 3 टीपीडी हरित हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। एक अग्रणी नई ऊर्जा संक्रमण मंच, जैक्सन ग्रीन परियोजना के लिए फ़्लू गैस सीओटू (कार्बन डायऑक्साईड) काफोर जी इथेनॉल मे रुपांतर करनेवाले प्रकल्प निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया है जो भारत के हरित भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह दुनिया में अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट है। इस परियोजना में उत्पादित ईंधन का उपयोग बिजली उत्पादन परियोजना के लिए किया जाएगा। इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) में भागीदार जैक्सन ग्रीन का लक्ष्य दो साल के भीतर इस परियोजना को निष्पादित करना है। इस परियोजना की परिकल्पना और डिजाइन नेत्रा (एनटीपीसी एनर्जी टेक्नोलॉजी रिसर्च एलायंस) द्वारा किया गया है। नेत्रा एनटीपीसी लिमिटेड की अनुसंधान और विकास शाखा है।

छत्तीसगढ़ के लारा में स्थापित होने वाली परियोजना फ्लू गैसों से प्रति दिन 10 टन (टीपीडी) फोर जी इथेनॉल का उत्पादन करेगी। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में यह एक बड़ी छलांग और प्रगति है। वेओलिया कार्बन क्लीन की नवीनतम कार्बन कैप्चर तकनीक का उपयोग करते हुए, परियोजना फ्लू गैसों से 25 टीपीडी कार्बन डाइऑक्साइड गैस कैप्चर करेगी। इससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में काफी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त, 7.5 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइज़र के माध्यम से तीन टीपीडी हरित हाइड्रोजन का भी उत्पादन किया जाएगा। इस प्रक्रिया में संग्रहित कार्बन डाइऑक्साइड गैस और उत्पादित हाइड्रोजन गैस को लेन्ज़ाटेक इंक की उन्नत माइक्रोबियल किण्वन तकनीक का उपयोग करके संयोजित किया जाता है। इन्हें अंततः फोरजी इथेनॉल में परिवर्तित किया जाता है ।

परियोजना के महत्व को समझाते हुए, जैक्सन ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक श्री कन्नन कृष्णन ने कहा, ÷इस ऐतिहासिक परियोजना के निर्माण में एनटीपीसी के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों को जारी रखने पर हमें बहुत गर्व है। यह साझेदारी हमारी अनेक संयुक्त परियोजनाओं की सफलता पर आधारित है। यह पावर-टू-एक्स मिशन में क्रांति लाने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

एक्सिस बैंक ने मध्य प्रदेश में 150 से अधिक एमएसएमई को किया सम्मानित

भोपाल। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने गतिशील और लचीले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर मध्य प्रदेश के 150 से अधिक एमएसएमई ग्राहकों को सम्मानित किया। यह समारोह भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर, रतलाम आदि में एक्सिस बैंक की चुनिंदा शाखाओं में आयोजित किया गया।

एक्सिस बैंक के वरिष्ठ प्रतिनिधि - श्री राकेश भोजनगरवाला, रीजनल ब्रांच बैंकिंग हेड - वेस्ट 2; श्री सुबोध चौधरी, सर्कल हेड - मध्य प्रदेश, ने एमएसएमई ग्राहकों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए और उनके संबंधित

क्षेत्रों और राज्य की आर्थिक वृद्धि में उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की । इसके अतिरिक्त, कुछ एमएसएमई ग्राहकों को उनके व्यावसायिक परिसर में रिलेशनशिप मैनेजरों द्वारा सम्मानित किया गया। एक्सिस बैंक ने इस अवसर पर एमएसएमई के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ प्रदान करने वाले विभिन्न किस्म के विशेष ऑफर लॉन्च किए, जो उन्हें लागत बचाने और अधिक आसानी से तथा तेज़ी से ऋण प्राप्त करने में मदद करेंगे। बैंक ने मौजूदा एमएसएमई ग्राहकों को सुरक्षित कार्यशील पूंजी उत्पादों के लिए प्रसंस्करण शुल्क पर 50 प्रतिशत छूट के साथ प्री-क्वालिफाइड ऑफर की पेशकश की। बैंक ने एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी ब्याज दर और कम प्रसंस्करण शुल्क पर अनसेक्योर्ड ईएमआई-आधारित ऋण की भी पेशकश की।

पोकेट एफएम ने ऑडियो सीरीज़ सीक्रेट अमीरज़ादा का प्रोमो जारी किया

मुंबई, एजेंसी। एक से बढ़कर एक कई ब्लॉकबस्टर ऑडियो सीरीज़ देने के बाद पोकेट एफएम ने आज अपने बहुप्रतीक्षित ऑडियो सीरीज़ सीक्रेट अमीरज़ादा का प्रोमो जारी कर दिया जिसमें अली गोनी और सुरभि दास शामिल हैं। दोनों ही कलाकार टीवी जगत की मशहूर हस्तियां हैं जिन्हें लोगों द्वारा उनके अभिनय के लिए ख़ासा पसंद किया जाता रहा है. अली और सुरभि को मुख्य भूमिकाओं में अहान रायज़ादा और शनाया गिल के रूप में देखा जाता है, जो इस रोमांचक कहानी में अपनी असाधारण प्रतिभा ला रहे हैं। प्रोमो में अनुभवी अभिनेत्री उपासना सिंह भी हैं, जो सिल्वर स्क्रीन पर अपने शानदार काम के लिए जानी जाती हैं.पोकेट एफएम की पहचान काल्पनिक कहानियों की बेहतरीन प्रस्तुति व अलग अलग जॉनर पर आधारित और विभिन्न भाषाओं में बनने वाली एक से बढ़कर एक ब्लॉकबस्टर ऑडियो सीरीज़ के लिए होती है.

स्मार्टवर्क्स ने 168 करोड़ रुपये फंड जुटाए

गुड़गांव, एजेंसी। भारत के अग्रणी मैनेज्ड वर्कस्पेस प्लेटफॉर्म स्मार्टवर्क्स ने आज घोषणा की कि उसने केपेल लिमिटेड, अनंत कैपिटल वेंचर्स फंड आई, प्लूटस कैपिटल, फैमिली ट्रस्ट्स और कुछ हाई नेटवर्थ व्यक्तियों समेत निवेशकों से व्यक्तिगत फंडिंग राउंड में 168 करोड़ रुपये (2.024 करोड़ डालर) जुटाए हैं। स्मार्टवर्क्स के प्रवर्तकों की इस कंपनी में बहुलांश हिस्सेदारी हालांकि बनी हुई है। यह कंपनी केपेल लिमिटेड, महिमा स्टॉक्स प्राइवेट लिमिटेड और ड्यूश बैंक ए.जी. लंदन ब्रांच को अपने प्रमुख निवेशकों में गिनती है। धन जुटाए जाने पर स्मार्टवर्क्स के संस्थापक श्री नीतिश सारदा ने कहा, हमारी क्षमताओं और कार्यालय अनुभव एवं मैनेज्ड कैंपस प्लेटफॉर्म में निरंतर भरोसा करने के लिए हम हमारे निवेशकों को धन्यवाद देते हैं। हाल ही में जुटाई गई पूंजी का उपयोग इस कंपनी के कारोबार की वृद्धि एवं विस्तार के लिए किया जाएगा और साथ ही इसके सामान्य कॉरपोरेट खर्चों को पूर

करने में किया जाएगा। हम हमारी वृद्धि को लेकर प्रतिबद्ध हैं। केपेल लिमिटेड के रीयल एस्टेट के सीईओ श्री लुइस लिम ने कहा, वर्ष 2019 में केपेल के शुरुआती निवेश के बाद से स्मार्टवर्क्स ने भारत का अग्रणी मैनेज्ड वर्कस्पेस प्लेटफॉर्म बनने के लिए वृद्धि की है। केपेल स्मार्टवर्क्स की वृद्धि में निरंतर सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह निवेश भारत के वाणिज्यिक ऑफिस मार्केट में हमारी दीर्घकालीन संलिप्तता को बनाए रखेगा क्योंकि हम भारत में केपेल के ऑफिस पोर्टफोलियो का विस्तार करने और हमारे अनूठे अर्बन स्पेस सॉल्यूशंस के जरिए इस देश के तेज शहरीकरण को सहयोग करने की उम्मीद करते हैं। वित्त वर्ष 2024 में इस कंपनी ने गुड़गांव में गोल्फ व्यू कॉरपोरेट टावर्स, नोएडा में लॉजिक्स साइबर पार्क, पुणे में अमार टेक सेंटर और 43ईक्यू और चेन्नई में ओलंपिया पिनैकल जैसे नए केंद्र जोड़े हैं। इस कंपनी के पोर्टफोलियो में कुछ बड़े परिसरों में बेंगलूरू में वैष्णवी टेक पार्क, पुणे में एम एजाइल, 43ईक्यू और एपी81 शामिल हैं। वर्ष 2019 से सिंगापुर स्थित केपेल लिमिटेड, स्मार्टवर्क्स में एक प्रमुख एवं दीर्घकालीन निवेशक रही है और इसने आज की तिथि तक 2.9 करोड़ डालर का निवेश किया है।

शेफाली का महिला टेस्ट में सबसे तेज दोहरा शतक

रोहतक में पिता बोले- रिकॉर्ड टूटने के लिए बनते हैं, एक भी गलत शॉट नहीं मारा

रोहतक (एजेंसी)। सहवाग के नाम से मशहूर रोहतक की शेफाली वर्मा ने महिला क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर कीर्तिमान स्थापित किया है। चेन्नई में खेले जा रहे भारतीय महिला क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के बीच मैच में महिला क्रिकेट टीम में सहवाग के नाम से मशहूर रोहतक की शेफाली वर्मा ने महिला क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर कीर्तिमान स्थापित किया है। इस पर हर तरफ खुशी का माहौल है। अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर शेफाली के पिता संजीव वर्मा ने कहा कि आज खेली गई पारी को देखकर ऐसा लगता है कि उसने एक भी गलत शॉट नहीं मारा। मैच से पहले जब हमारी बात हुई थी तो मैंने उससे कहा था कि डरकर मत खेलो। निडर होकर अपने शॉट लगाओ, परिणाम देखेंगे। उसने उसी के अनुसार बेहतर खेल दिखाया है।

● **शतक का इंतजार कर रहे थे** – शेफाली के पिता संजीव वर्मा ने कहा कि वह शतक का इंतजार कर रहे थे, लेकिन शेफाली ने दोहरा शतक लगाकर कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। रिकॉर्ड टूटने के लिए बनते हैं और हो सकता है कि शेफाली अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दे। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी शेफाली से बात हुई है और उन्होंने इसके लिए उसे बधाई दी है और अच्छा खेलने को भी कहा है। अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर संजीव वर्मा बेहद खुश हैं और उन्होंने भगवान का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने उस अकादमी का भी धन्यवाद किया जहां शेफाली वर्मा ने अभ्यास किया और उन कोचों का भी जिन्होंने उन्हें क्रिकेट के गुण सिखाए।

शेफाली ने 197 गेंद में बनाए 205 रन

भारतीय महिला टीम की ओपनर बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने चेन्नई के एमए चिंदबरम स्टेडियम में साउथ अफ्रीका की टीम के विरुद्ध खेलते हुए सबसे तेज दोहरा शतक लगाया है। शेफाली वर्मा ने 113 गेंद में अपना शतक पूरा किया। वहीं 194 गेंद में 8 छक्के और 22 चौक की मदद से दोहरा शतक बनाकर सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाली महिला बन गई है।
उन्होंने कुल 197 गेंद पर 205 रन बनाए और यह उनके टेस्ट करियर का सबसे बेस्ट स्कोर साबित हुआ है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी एनाबेल सदरलैंड 248 गेंद पर दोहरा शतक लगाया था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम ने महिला, टेस्ट क्रिकेट में बनाया सबसे बड़ा टीम स्कोर

छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की पारी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के नौ विकेट पर 575 रन के पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया।

भारतीय टीम ने रिकॉर्ड बनाने के बाद पहली पारी छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की।

ऑस्ट्रेलिया ने इस साल पर्थ में यह स्कोर बनाया था लेकिन ऋचा घोष (86 रन) के एनेरी डर्कसन के 109वें ओवर की शुरूआती गेंद पर चौका लगाते ही भारत ने नया रिकॉर्ड बना दिया। इस उपलब्धि का श्रेय काफी हद तक भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (205 रन) और स्मृति मंधाना (149 रन) को जाता है जिन्होंने 292 रन की ऐतिहासिक साझेदारी निभाई जो महिला क्रिकेट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी भी है।

जेमिमा रोड्रिग्स (55 रना) के साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर (69 रन) और ऋचा ने अर्धशतक बनाकर योगदान दिया। भारतीय महिला टीम ने पहले दिन चार विकेट पर 525 रन बनाए थे जो टेस्ट मैच में एक दिन का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी था।

इससे उसने श्रीलंकाई पुरुष टीम के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया जिसने 2002 में कोलंबो में बांग्लादेश के खिलाफ नौ विकेट पर 509 रन बनाए थे।

टीम इंडिया की जीत के लिए गणपति अथर्वशीर्ष का हुआ पाठ

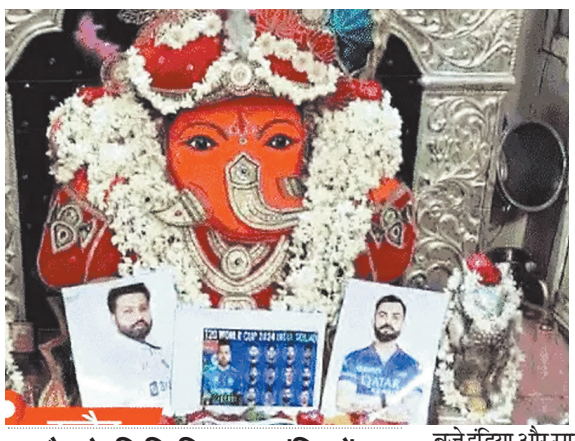

उज्जैन के सिद्धि विनायक मंदिर में पूजा ; महाकाल से भी की गई प्रार्थना

उज्जैन (नप्र)। टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की जीत के लिए पूजा-पाठ, प्रार्थनाएं हो रही थी। उज्जैन में महाकाल मंदिर के परिसर में स्थित श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में गणपति अथर्वशीर्ष पाठ हुआ। भगवान के सामने इंडियन टीम के खिलाड़ियों की फोटो रखकर जीत की कामना की गई थी।

सिद्धि विनायक मंदिर के पुजारी चम्मू गुरु ने कहा कि हर भारतीय यही चाहता है कि टीम इंडिया वर्ल्ड कप लेकर लौटे। इसीलिए भगवान महाकाल और श्री गणेश से भारतीय टीम की जीत की प्रार्थना की है। श्रद्धालु दर्शन के दौरान अपने साथ टीम इंडिया का फोटो भी लेकर आए थे।

जबलपुर में बीजेपी पार्षद कमलेश अग्रवाल ने विजय नगर स्थित दुर्गा मंदिर में कार्यकर्ताओं के साथ पूजा की। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भारतीय टीम खेल रही है, उसको देखते हुए लग रहा है कि भारत ही विश्व कप मैच जीतेगी।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मैच शनिवार रात 8 बजे इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेला। इस टूर्नामेंट में दोनों टीमें अब तक एक भी मैच नहीं हारी हैं।इससे पहले दोनों टीमें कभी टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में नहीं भिड़ीं।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी टीम इंडिया को दी शुभकामनाएं–मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी टीम इंडिया को जीत के लिए शुभकामनाएं दीं। सीएम शनिवार को छिंदवाड़ा दौरे पर हैं।

अमरवाड़ा विधानसभा के सिंगोड़ी गांव में उन्होंने पूर्व सरपंच रेखा कैलाश साहू के घर भोजन किया। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए कहा, बाबा महाकाल की कृपा से भारत विजेता बनेगा।

रोहित बड़े खिलाड़ी हैं, टी20 विश्व कप जीतने के हकदार : शोएब अख्तर

बारबाडोस (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टी20 वर्ल्ड के सेमीफाइनल

में इंग्लैंड पर भारत की 68 रन की जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की उनके नेतृत्व गुणों की सराहना करते हुए उन्हें एक निःस्वार्थ कप्तान करार दिया। शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में 39 गेंदों पर 57 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल थे। बहरहाल, अपने यूट्यूब चैनल पर अख्तर ने भारतीय टीम के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया और कहा कि टीम इंडिया रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने की दावेदार है। अख्तर ने कहा कि रोहित शर्मा ने बार-बार कहा है कि वह प्रभाव डालना चाहते हैं और ट्रॉफी जीतना चाहते हैं और इसलिए वह कप जीतने के हकदार हैं। वह एक बड़े खिलाड़ी हैं और इसका अंत बड़े पैमाने पर होना चाहिए। वह एक निस्वार्थ कप्तान हैं, टीम के लिए खेलते हैं। अख्तर ने 2023 वनडे विश्व कप में टीम इंडिया की हार पर भी निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा भारत के टूर्नामेंट जीतने के पक्ष में था।

पिछले साल जब भारत विश्व कप नहीं जीत सका तो मुझे दुख हुआ क्योंकि उन्हें इसे नहीं हारना चाहिए था क्योंकि वे जीत के हकदार थे। बता दें कि टीम इंडिया

ने सेमीफाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 171/7 रन बनाए थे। इसमें सूर्यकुमार यादव (36 गेंदों पर 47 रन) और हार्दिक पंड्या और रवींद्र जड़ेजा का योगदान रहा। गेंदबाजी विभाग में इंग्लैंड के क्रिस जॉर्डन उल्लेखनीय रहे, उन्होंने अपने स्पेल में 37 रन देकर तीन विकेट लिए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 16.4 ओवर में कुल 103 रन पर ऑल आउट हो गई। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक और जोस बटलर ने कुछ रन बनाए लेकिन यह काफी नहीं थे। भारत के लिए अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने तीन-तीन विकेट लिए, जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लिए।

जसप्रीत बुमराह ने कप्तान के लिए दिल खोलकर रख दिया, कहा

रोहित काफी फ्रीडम देते हैं...

बारबाडोस (एजेंसी)। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह 37 वर्षीय बल्लेबाज शानदार है। मौजूदा टी20 विश्व कप 2024 में रोहित शर्मा टूर्नामेंट में तीसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 7 मैचों में 155.97 के स्ट्राइक रेट से 248 रन बनाए हैं। आईसीसी के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए एक वीडियो में बात करते हुए बुमराह ने कहा कि पिछले एकदिवसीय विश्व कप 2023 में रोहित बहुत सक्रिय थे। बुमराह ने खुलासा किया कि भारतीय कप्तान ने अपने खिलाड़ियों को काफी आजादी दी थी।

कप्तान रोहित की बुमराह ने की जमकर सरहाना – जसप्रीत बुमराह ने रोहित को लेकर कहा, रोहित शर्मा असाधारण रहे हैं। यहां तक कि पिछले विश्व कप में भी आप जानते हैं वह सक्रिय रहे हैं। वह अपने खिलाड़ियों को बहुत फ्रीडम देते हैं।

इंजमाम के बयान पर भड़के रोहित शर्मा

हमें मत सिखाओ... दिमाग का इस्तेमाल करो...

बारबाडोस (एजेंसी)। टीम इंडिया के गेंदबाजों पर गेंद से छेड़छाड़ के आरोप लगाने वाले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक को मौजूदा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने दिमाग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था। रोहित के इस बयान पर इंजमाम भड़क गए हैं। उन्होंने एक टीवी शो के दौरान रोहित पर तीखे हमला करते हुए कहा है कि वह उन्हें न सिखाएं कि क्या कहना है और क्या नहीं। बता दें कि इंजमाम ने टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्शदीप सिंह द्वारा फेंके गए 15वें ओवर में मिल रही गेंद रिवर्स-स्विंग पर सवाल उठाए थे।

भारत की 24 रनों से जीत के बाद इंजमान ने दावा किया कि गेंद पर गंभीरता से काम किया गया है। लेकिन भारतीय कप्तान ने पलटवार किया और धूप में रिवर्स-स्विंग की बारीकियां बताईं। रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से पहले इंजमाम के आरोपों पर कहा था कि यहां के विकेट काफी शुष्क हैं। सभी टीमों को रिवर्स (स्विंग) मिल रही है। आपको अपना दिमाग खुला रखने की जरूरत है। यह ऑस्ट्रेलिया नहीं है।

बहरहाल, पाकिस्तान के एक टीवी शो पर इंजमाम ने कहा कि आप किसी ऐसे व्यक्ति को कुछ नहीं सिखाते जिसने वास्तव में दुनिया को सिखाया हो। उसे बताएं कि ये बातें कहना सही नहीं है। हम निश्चित रूप से अपने दिमाग का उपयोग करेंगे लेकिन पहली बात यह है कि उन्होंने (रोहित) स्वीकार किया कि ऐसा हो रहा है। तो इसका मतलब है कि हमने जो देखा वह सही है। दूसरी बात, रोहित को हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि रिवर्स स्विंग कैसे काम करती है, कितनी धूप में काम करती है। मैंने अंपायरों को केवल सुझाव दिया था कि अपनी आंखें खुली रखें क्योंकि 15वें ओवर में गेंद घूम रही थी और मैं अभी भी अपना रुख बनाए हुए हूं। मैं उनसे फिर कहूंगा अपनी आंखें खुली रखें। क्या हो रहा है? इंजमान का उनके साथी पैनलिस्ट पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सलीम मलिक भी समर्थन करते हुए नजर आए। हालांकि उक्त मामले पर पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि इस मामले को रिपोर्टर को आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं थी। हालांकि सहवाग ने यह भी कहा कि अगर वह रोहित की जगह होते तो ऐसी किसी भी टिप्पणी से बचते। बता दें कि भारत टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में पहुंच गया है और 29 जून को बारबाडोस में ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीका के साथ खेलेगा।

कैफ ने कोहली का समर्थन किया, कहा- धोनी का भी 2011 में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने विश्वास व्यक्त किया है कि विराट कोहली एमएस धोनी जैसा वीरतापूर्ण प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, जैसा उन्होंने 2011 वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारबाडोस में किया था। कैफ ने कोहली के मौजूदा फॉर्म और 2011 विश्व कप में धोनी के सफर के बीच तुलना की। उन्होंने प्रशंसकों को याद दिलाया कि धोनी ने एक असाधारण टूर्नामेंट नहीं खेलने के बावजूद श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में मौके का फायदा उठाया, नाबाद 91* रन बनाए और लॉन्ग ऑन पर एक यादगार छक्का लगाकर जीत सुनिश्चित की।

कैफ ने सुझाव दिया कि कोहली, जिन्होंने अभी तक इस टूर्नामेंट में कोई खास प्रदर्शन नहीं किया है, उनमें धोनी के वीरतापूर्ण प्रदर्शन की नकल करने की क्षमता है। कैफ ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, विराट कोहली को यह याद रखना चाहिए कि 2011 में धोनी का भी विश्व कप अच्छा नहीं रहा था, लेकिन फाइनल में उन्होंने अपनी फॉर्म हासिल कर ली। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, जो गेंद को अपनी योग्यता के अनुसार खेल सकते हैं और किसी भी गेंदबाजी आक्रमण पर हावी हो सकते हैं। कुलसेकरा की गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर धोनी का छक्का सभी के दिमाग में बसा हुआ है। इसलिए मुझे लगता है कि विराट कोहली के पास हीरो बनने का शानदार मौका है।

पिछले आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत के लिए अहम भूमिका निभाने वाले कोहली इस टूर्नामेंट में अभी तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं। हालांकि कैफ ने उन्हें वनडे विश्व कप में ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके शानदार शतक की याद दिलाई और कोहली को उस पारी से आत्मविश्वास लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा, उन्हें यह भूल जाना चाहिए कि वह खराब फॉर्म में हैं। उन्होंने तब शतक लगाया था, जब भारत ने आखिरी बार वनडे विश्व कप में ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उस दिन वह शानदार थे और उन्होंने बहुत अच्छा खेला, लेकिन वह उस दिन शानदार प्रदर्शन नहीं कर रहे थे, बल्कि उचित क्रिकेट शॉट्स के साथ गेंद को योग्यता के अनुसार खेल रहे थे। भारत का फाइनल तक का सफर शानदार रहा है, जिसमें शीर्ष मुकाबले तक वह अजेय रहा है। 11 साल से कोई बड़ा आईसीसी खिताब नहीं जीतने वाली टीम अपने खिताबी सूखे को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप से बहस में पिछड़ने के बाद आलोचकों के निशाने पर बाइडन, ओबामा ने भी माना- नवंबर में बहुत कुछ दांव पर

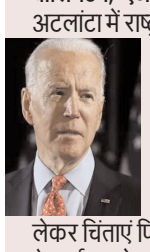

वॉशिंगटन, एजेंसी। गुरुवार को अमेरिका के अटलांटा में राष्ट्रपति चुनाव के लिए डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के बीच पहली बहस हुई। इस बहस में डोनाल्ड ट्रंप भारी पड़े और जो बाइडन बोलते हुए लड़खड़ाते नजर आए। जिसके बाद बाइडन की बढ़ती उम्र को लेकर चिंताएं फिर से उभर आई हैं और बाइडन के कई आलोचक उनकी उम्मीदवारी पर सवाल उठा रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी माना है कि बाइडन के लिए यह एक बुरी बहस वाली रात थी। हालांकि उन्होंने राष्ट्रपति बाइडन में अभी भी अपना भरोसा जताया और कहा कि नवंबर में बहुत कुछ दांव पर है। बहस के बाद सोशल मीडिया पर जो बाइडन को लेकर काफी मीम्स प्रसारित होने शुरू हो गए। साथ ही ये भी आशंका जताई जाने लगी कि क्या नवंबर के चुनाव में बाइडन, ट्रंप को रोक पाएंगे? इन आशंकाओं और आलोचनाओं के बीच पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, बाइडन के बचाव में उतरे हैं। सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में ओबामा ने लिखा कि बहस की बुरी रात होती हैं, लेकिन मेरा विश्वास कीजिए, मैं जानता हूं कि ये चुनाव अभी भी उन लोगों के बीच है, जिनमें से एक अपने पूरे जीवन में आम लोगों के लिए लड़ता आया है और दूसरे ने हमेशा अपनी फिक्र की है। एक सच बोलता है और जिसे पता है कि सही क्या है। वहीं दूसरा अपने फायदे के लिए झूठ बोलता है। बीती रात से भी कुछ नहीं बदला है और यही वजह है कि नवंबर के चुनाव में बहुत कुछ दांव पर है। अटलांटा की बहस में ट्रंप के सामने कमजोर साबित होने के बाद बाइडन को भी इसका अहसास था। यही वजह है कि बहस के बाद बाइडन ने नॉर्थ कैरोलिना में एक जनसभा को संबोधित किया। इस जनसभा में बाइडन जोश में दिखे और उन्होंने अपने संबोधन के दौरान स्वीकार किया कि वे भी मानते हैं कि अब वे जवान नहीं रहे हैं। पहले की तरह आसानी से चल नहीं पाते और आसानी से बातें नहीं कर पाते। हो सकता है कि पहले की तरह बहस भी न कर पाते हों, लेकिन मुझे पता है कि सच कैसे बताया जाता है।

जिनपिंग को याद आया पंचशील सिद्धांत, कहा- संघर्षों को खत्म करने के लिए अहम है

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पंचशील सिद्धांतों को याद किया और कहा कि ये वही सिद्धांत हैं, जिनके आधार पर भारत अपनी विदेश नीति और पड़ोसियों के साथ संबंध रखता है। इन्हीं पांच सिद्धांतों की बुनियाद पर गुटनिरपेक्ष आंदोलन का जन्म हुआ। जिनपिंग ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा वैश्विक संघर्षों को समाप्त करने और पश्चिम के साथ वैश्विक दक्षिण के टकराव को खत्म करने में पंचशील की अहम भूमिका है। पंचशील सिद्धांत की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक सम्मेलन में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए जिनपिंग ने कहा, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों ने समय की मांग को पूरा किया और इसकी शुरुआत एक अपरिहार्य ऐतिहासिक विकास था। अतीत में चीनी नेतृत्व ने पहली बार पांच सिद्धांतों को उनकी संपूर्णता में निर्दिष्ट किया, इनमें संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए सम्मान, परस्पर गैर-आक्रामकता, आंतरिक मामलों में परस्पर गैर-हस्तक्षेप, समानता और पारस्परिक लाभ व शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व शामिल हैं। जिनपिंग ने कहा कि इन सिद्धांतों ने मानव जाति के साझा भविष्य की परिकल्पना करने वाली वैश्विक सुरक्षा पहल की नई अवधारणा दी है। 1960 के दशक में उभरे गुटनिरपेक्ष आंदोलन के लिए ये पांच सिद्धांत मार्गदर्शक साबित हुए और अंतरराष्ट्रीय संबंधों और कानून के शासन के लिए इन्होंने ऐतिहासिक मानदंड स्थापित किए। शी ने कहा कि ये सिद्धांत संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों, हमारे समय के अंतरराष्ट्रीय संबंधों की उभरती प्रवृत्ति और सभी राष्ट्रों के मौलिक हितों के अनुरूप हैं।

न्यूयॉर्क में नेल सैलून में घुसी मिनीवैन, चार लोग मरे

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक मिनीवैन के एक नेल सैलून से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एबीसी7 न्यूयॉर्क ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि स्थानीय समय के अनुसार शुक्रवार शाम 4:30 बजे के आसपास मिनीवैन लॉन्ग आइलैंड के डियर पार्क में 796 ग्रैंड बुलेवार्ड पर हवाई नेल एंड स्पा के आर-पार निकल गई। दुर्घटना के कारण का अभी पता नहीं चल सका है। अधिकारियों ने कहा कि मरने वालों में सभी नेल सैलून के अंदर मौजूद लोग थे। डियर पार्क अग्निशमन विभाग के सहायक प्रमुख डोमिनिक अल्बानसे ने बताया कि ड्राइवर को अस्पताल ले जाया गया है और वह आंशिक रूप से होश में है। फंसे हुए लोगों को निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया। हवाई नेल एंड स्पा नामक नेल सैलून डियर पार्क के एक शॉपिंग क्षेत्र में कई दुकानों में से एक है।

यूएन ने अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति पर जताई चिंता, कहा- दोहा बैठक में लड़कियों को लेने दें भाग

वाशिंगटन, एजेंसी। महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव के उन्मूलन पर संयुक्त राष्ट्र समिति (सीईडीएडब्ल्यू) ने अफगानिस्तान के भविष्य पर यूएन के तत्वाधान में आयोजित हो रही बैठक से महिलाओं व लड़कियों को शामिल ना किए जाने पर गहरी चिंता जताई है। अफगानिस्तान के विशेष दूतों की दो-दिवसीय बैठक इस सप्ताहांत कतर की राजधानी दोहा में होगी।

दो दिन होगी बैठक : 30 जून से एक जुलाई तक होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता, शांतिनिर्माण एवं राजनैतिक मामलों की प्रमुख और अवर महासचिव रोजमैरी डीकार्लो करेंगी। इस दौरान अफगानिस्तान के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और अंतरराष्ट्रीय संपर्क व बातचीत को ढांचागत ढंग से आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है।

तालिबान प्रशासन को किया आमंत्रित : अवर महासचिव रोजमैरी डीकार्लो ने 18-21 मई को अफगानिस्तान की यात्रा के दौरान, सत्तारूढ़ तालिबान प्रशासन को इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए महासचिव एंतोनियो गुटेरेश की ओर से आमंत्रित किया था।

अफगान महिलाएं अपने हक के लिए लड़ रहीं : यूएन समिति सीईडीएडब्ल्यू ने दुख जताया है कि अफगान महिलाएं फिलहाल दुनिया में अपने अधिकारों के लिए सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण संकट का सामना कर रही हैं। इसके मद्देनजर, उन्होंने इस बैठक में महिलाओं को सक्रिय व प्रत्यक्ष रूप से शामिल किए जाने का आग्रह किया है। समिति के सदस्यों ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट किया है कि उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने में विफल रहने से अफगान महिलाओं व लड़कियों की चुप्पी और बढ़ेगी, जबकि उनके अधिकारों का पहले ही गंभीर रूप से हनन हो रहा है।

महिलाओं की स्थिति बद से बदतर : समिति ने अफगानिस्तान में महिलाओं व लड़कियों के लिए बद से बदतर होती स्थिति पर बार-बार चिंता जताई है, जिससे मौजूदा और भावी पीढ़ियों को ऐसा बड़ा नुकसान पहुंच रहा है, जिसकी भरपाई कर पाना मुश्किल होगा। समिति के अनुसार शिक्षा व रोजगार के अवसरों को नकारा जाने और आवाजाही व सार्वजनिक स्थलों पर उपस्थिति पर पाबंदियां थोपे जाने से, महिलाओं का सार्वजनिक जीवन से दूर रखे जाने की प्रवृत्ति गहराई तक रच-बस रही है। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर तालेबान की वापसी के बाद देश में महिलाओं व लड़कियों के मानवाधिकारों पर गहरा संकट उपजा है।

सशक्तिकरण पर चोट : सत्तारूढ़ तालेबान प्रशासन ने हाल ही में महिला सरकारी कर्मचारियों के वेतन में कटौती करने का निर्णय लिया था, जोकि पहले ही रोजगार से दूर हैं, भले ही उनकी योग्यता व अनुभव कुछ भी हो। यूएन समिति ने कहा कि यह उनके शक्तिहीन बनाने का सुनियोजित व हानिकारक कृत्य है। वहीं, समिति के अन्य सदस्यों ने कहा कि महिला मानवाधिकार कार्यकर्ताओं समेत अफगान नागरिक समाज को दोहा चर्चा में शामिल करने में विफल रहने से महिलाओं व लड़कियों के अधिकारों पर कारगर ढंग से विचार-विमर्श नहीं हो पाएगा।

जर्मन कंपनियों ने कहा- भारत में विकास की बहुत संभावनाएं, वे हिस्सेदार बनने को उत्सुक

बर्लिन , एजेंसी। अधिकतर जर्मन कंपनियों का मानना है कि भारत में विकास की बहुत संभावनाएं हैं और वे इस विकास की हिस्सेदार बनने को उत्सुक हैं, लेकिन 2023 में हालात कुछ अगल दिखाई दे रहे हैं। वहीं, अब अधिक जर्मन कंपनियों ने 2023 की तुलना में इस वर्ष देश में व्यापार करने में एक समस्या के रूप में भारत में नौकरशाही बाधाओं का हवाला दिया है। ये एक ऐसा मुद्दा जो इस वर्ष के अंत में चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के नई दिल्ली दौरे पर बातचीत में शामिल होने की संभावना है। इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 64त जर्मन व्यवसायों ने नौकरशाही बाधाओं - जैसे संरक्षणवादी उपायों और खरीद नियमों को देश में परिचालन में सबसे बड़ी कमी के रूप में सूचीबद्ध किया, जो पिछले साल 53त से अधिक है। रिपोर्ट से पता चलता है कि भ्रष्टाचार दूसरी सबसे बड़ी समस्या थी, जिसका हवाला 39त व्यवसायों ने दिया, जो पिछले साल 47त से कम है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, लगभग 2,000 जर्मन कंपनियाँ भारत में काम करती हैं, जिनमें लगभग 750,000 स्थानीय लोग कार्यरत हैं। एक सर्वे में शामिल कंपनियों ने बताया कि भारत में कुछ खास गुण हैं, जो उन्हें आकर्षित करते हैं। इन गुणों में सस्ता श्रम, राजनीतिक स्थिरता और कुशल कामगारों की उपलब्धता जैसी बातों को गिनाया गया है।

श्रीलंका में साइबर क्राइम के आरोप में 137 भारतीय नागरिक गिरफ्तार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के आपराधिक जांच विभाग ने ऑनलाइन वित्तीय घोटाले में शामिल 137 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी। 'डेली मिरर अखबार ने पुलिस प्रवक्ता एसएसपी (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक) निहाल थलदुवा के हवाले से बताया कि इन लोगों को बृहस्पतिवार को कोलंबो के उपनगरीय इलाकों मडीवेला और बट्टारामुल्ला तथा पश्चिमी तटीय शहर नेगोम्बो से गिरफ्तार किया गया। थलदुवा ने बताया कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ??ने इन इलाकों में एक साथ छापेमारी की और इस दौरान 158 मोबाइल फोन, 60 डेस्कटॉप और कई लैपटॉप जब्त किए।

पुलिस के अनुसार नेगोम्बो से 55 संदिग्धों को 55 मोबाइल फोन और 29 लैपटॉप के साथ हिरासत में लिया गया। इसी तरह कोच्चिकाडे में अधिकारियों ने 53 व्यक्तियों को पकड़ा और 31 लैपटॉप एवं 58 मोबाइल जब्त किये। मडीवेला में अभियान के दौरान 13 संदिग्धों को गिरफ्त में लिया गया और उनके पास से आठ लैपटॉप एवं 38 मोबाइल बरामद किये गये। थानालगामा में 16 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और आठ लैपटॉप एवं 38 मोबाइल जब्त किये गये। एसएसपी ने कहा कि गिरफ्तार किये गये संदिग्ध पुरूष हैं। यह कार्रवाई एक पीड़ित की शिकायत के आधार पर की गई जिसने आरोप लगाया था कि सोशल मीडिया पर संवाद करने के लिए उसे नकद राशि दिए जाने का वादा करके एक व्हाट्सऐप समूह में जोड़ा गया था। पुलिस जांच में ऐसी साजिश का पता चला जिसके जरिए पीड़ितों को शुरुआती भुगतान के बाद धनराशि जमा करने के लिए मजबूर किया जाता था। समाचार पत्र के अनुसार, पेराडेनिया में एक व्यक्ति और उसके बेटे ने धोखेबाजों की मदद करने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि नेगोम्बो में एक आलीशान मकान पर छापेमारी के दौरान मिले महत्वपूर्ण सबूतों के आधार पर शुरुआत में 13 संदिग्धों को गिरफ्तार किया और 57 फोन एवं कंप्यूटर जब्त किए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीड़ितों में स्थानीय और विदेशी दोनों शामिल हैं। ऐसा संदेह है कि आरोपी वित्तीय धोखाधड़ी, अवैध सट्टेबाजी और जुए से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में शामिल थे।

रूस ने 10 यूक्रेनी कैदियों को रिहा किया, जेलेंस्की बोले- इनमें एक राजनेता और दो पुजारी शामिल

मास्को, एजेंसी। यूक्रेन अपने 10 लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहा है। वेटिकन की मध्यस्थता से हुए समझौते के बाद कैदियों की रिहाई संभव हो पाई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कैदियों की रिहाई के बारे में शुक्रवार को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रूस और बेलारूस में बंदी बनाए गए एक राजनेता और दो पुजारियों सहित 10 नागरिकों को रिहा कर दिया गया है।

जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, हम अपने 10 और लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहे। हालांकि, जेलेंस्की ने यह नहीं बताया कि रिहाई यूक्रेन में बंद रूसी कैदियों से जुड़े समझौते का हिस्सा थी या नहीं। जेलेंस्की ने बताया कि जिन लोगों को रिहा किया गया है, उनमें से कुछ 2017 से जेल में हैं। इन लोगों को पूर्वी यूक्रेन के रूसी नियंत्रित हिस्सों से गिरफ्तार किया गया था। रूस ने 2014 से ही क्रीमिया प्रायद्वीप के साथ चार यूक्रेनी क्षेत्र- डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुगांस्क और जापोरिजिया पर कब्जा किया हुआ है। रिहा किए गए पांच लोगों को बेलारूस से गिरफ्तार किया गया था। इन पर रूसी सैन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाकर कीव की सेना की सहायता करने का आरोप था। मुक्त किए गए इन लोगों में एक वरिष्ठ क्रीमियन तातार राजनेता नरीमन जेलाल और यूक्रेनी ग्रीक कैथोलिक चर्च के दो पुजारी शामिल थे।

पाकिस्तान ने दी अफगानिस्तान में घुसकर हमला करने की धमकी तो भड़का तालिबान, कहा- नतीजे भुगतने होंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में आतंकवाद को लेकर एक बार विवाद गहरा गया है। दोनों देश एक दूसरे को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दे रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी थी कि आतंकवाद के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के तहत अफगानिस्तान में प्रतिबंधित आतंकवादी समूह टीटीपी के ठिकानों को निशाना बना सकता है। इससे अफगानिस्तान तिलमिला उठा। उसने शुक्रवार को पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर उसके देश में घुसपैठ की गई तो उसके गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

अफगानिस्तान की धमकी : अफगानिस्तान रक्षा बल ने चेतावनी दी कि हमारे क्षेत्र में किसी भी प्रकार की घुसपैठ, चाहे वह किसी भी बहाने या आड़ में हो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे और उल्लंघनकर्ताओं को जवाबदेह ठहराया जाएगा। रक्षा बल ने आगे कहा कि अफगानिस्तान की राष्ट्रीय संप्रभुता के संभावित उल्लंघन के संबंध में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का हालिया बयान मूर्खतापूर्ण है और यह मामला उलझाने की कोशिश है। इससे किसी को फायदा नहीं होने वाला है। पाकिस्तान के नेतृत्व को महत्वपूर्ण मुद्दों पर इस तरह के संवेदनशील बयान देने से बचना चाहिए।

क्या है पाकिस्तान का सैन्य अभियान : पाकिस्तान की सरकार ने पिछले सप्ताह अज्म-ए-इस्तेहकम (जिसका अर्थ है स्थिरता के लिए संकल्प) नाम के सैन्य अभियान को मंजूरी दी थी। पाकिस्तान सरकार का

कहना है कि इस ऑपरेशन का उद्देश्य पाकिस्तान के खिलाफ तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के विद्रोहियों द्वारा अपनी सरजमीं का इस्तेमाल रोकना है।

फैसला किसी भी जल्दबाजी में नहीं लिया : एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में आसिफ ने कहा कि आतंकवाद रोधी अभियान शुरू करने का फैसला किसी भी जल्दबाजी में नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा, अज्म-ए-इस्तेहकाम के बारे में फैसला आर्थिक कठिनाइयों के कारण लिया गया और यह सीमा पार टीटीपी के पनाहगाहों को भी निशाना बना सकता है। अफगानिस्तान पाकिस्तान में आतंकवाद का निर्यात कर रहा रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ नहीं होगा, क्योंकि अफगानिस्तान पाकिस्तान में आतंकवाद का निर्यात कर रहा है और वहां निर्यातकों को शरण दी जा रही है। टीटीपी पड़ोसी देश से अपनी गतिविधियां चला रहा है, लेकिन इसके कुछ हजार कैडर देश के अंदर से ही काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रतिबंधित संगठन के साथ बातचीत की किसी भी संभावना से इनकार करते हुए कहा कि इसका कोई साझा आधार नहीं है।

रूस के साथ जंग खत्म करने को तैयार यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की, बोले- एक बड़ी योजना पर चल रहा काम

कीव, एजेंसी। यूक्रेन हाल ही में अपने 10 लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कैदियों की रिहाई के बारे में शुक्रवार को जानकारी दी। इसी बीच उन्होंने बताया कि रूस के साथ जंग समाप्त करने के लिए वह एक बड़ी योजना तैयार कर रहे हैं। उनका मानना है कि उनकी योजना का दुनिया के अधिकांश देशों द्वारा समर्थन किया जाएगा।

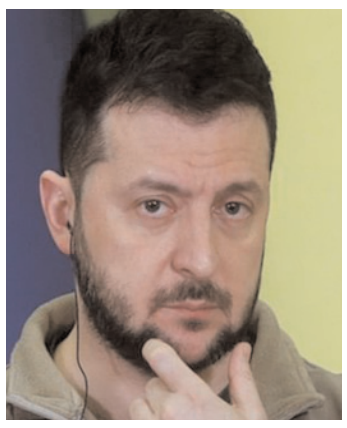

युद्ध को समाप्त करने के लिए... यूक्रेनी राष्ट्रपति ने स्लोवेनियाई राष्ट्रपति नताशा पिर्क मुसर के साथ शुक्रवार को कीव में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम युद्ध को समाप्त करने के लिए एक ऐसी योजना पेश करें, जिसका दुनिया के अधिकतर देशों द्वारा समर्थन किया जाएगा।

यह एक कूटनीतिक मार्ग : उन्होंने आगे कहा कि यह कूटनीतिक मार्ग है, जिस पर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यूक्रेन और रूस के बीच वर्तमान में कोई बातचीत नहीं चल रही है।

फिलहाल कोई बातचीत नहीं : एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सार्वजनिक बयानों के आधार पर, यूक्रेन और रूस के बीच वर्तमान में कोई बातचीत नहीं चल रही है और संभावित शांति समझौते की शर्तों के मामले में दोनों पक्ष पहले की तरह ही एक दूसरे से दूर दिखाई दे रहे हैं।

यूक्रेनी की चेतावनी : यूक्रेन ने बार-बार कहा है कि शांति वार्ता शुरू होने से पहले रूस को अपने सैनिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त क्षेत्र से बाहर निकालना होगा, जिसमें क्रीमिया प्रायद्वीप भी शामिल है। इसपर मॉस्को ने 2014 में कब्जा कर लिया था। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन से मांग कर रहे हैं कि वह अपने पूर्व और दक्षिण के क्षेत्रों को खाली करके आत्मसमर्पण कर दे, जिस पर अब रूस का कब्जा है।

10 और लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब : इससे पहले, जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, हम अपने 10 और लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहे। हालांकि, जेलेंस्की ने यह नहीं बताया कि रिहाई यूक्रेन में बंद रूसी कैदियों से जुड़े समझौते का हिस्सा थी या नहीं। जेलेंस्की ने बताया कि जिन लोगों को रिहा किया गया है, उनमें से कुछ 2017 से जेल में हैं। इन लोगों को पूर्वी यूक्रेन के रूसी नियंत्रित हिस्सों से गिरफ्तार किया गया था। रूस ने 2014 से ही क्रीमिया प्रायद्वीप के साथ चार यूक्रेनी क्षेत्र- डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुगांस्क और जापोरिजिया पर कब्जा किया हुआ है।

हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश के आरोप में निखिल गुप्ता अमेरिकी अदालत में पेश

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में एक खालिस्तानी अलगाववादी की कथित हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश में आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को पहली बार ट्रायल जज के सामने पेश किया गया। फेडरल सीनियर जज विक्टर मारेरो ने शुक्रवार को सुनवाई के बाद अगली तारीख 13 सितंबर तय की है। कोर्ट ने कहा है कि अभियोजन पक्ष उस दिन सबूत लेकर आएं। खाकी शर्ट और पैंट पहने गुप्ता को अमेरिकी मार्शल कोर्ट के अंदर ले गए और वो डिफेन्स टेबल पर बैठ गया, जहां उसने कार्यवाही शुरू होने से पहले अपने वकील जेफरी चैब्रो के साथ बातचीत की। पिछले साल जून में अमेरिका के अनुरोध पर निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था और 14 जून को उसे अमेरिका लाया गया। 17 जून को उसे मजिस्ट्रेट जज जेम्स कॉट कि अदालत में पेश किया गया, जिन्होंने उसे हिरासत में रखने का आदेश दिया। मामले में अभियोजक सहायक जिला अटॉर्नी केमिली लाटोया फ्लेचर ने शुक्रवार को ट्रायल जज को गुप्ता के खिलाफ सरकार के केस के बारे में बताया। उन्होंने आरोपों को दोहराया कि गुप्ता ने भारतीय मूल के एक अमेरिकी नागरिक के खिलाफ एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर साजिश रची थी। हालांकि दोनों की पहचान उन्होंने नहीं बताई। इशारा गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर था जो

अमेरिकी और कनाडाई नागरिकता वाला एक वकील है, और न्यूयॉर्क में रहता है और सिख फॉर जस्टिस समूह का नेतृत्व करता है। भारत सरकार ने पन्नू को आतंकवादी घोषित किया हुआ है। फ्लेचर ने कहा कि गुप्ता ने एक हिटमैन से बात की, हत्या की साजिश के लिए 100,000 डॉलर की कीमत तय की और उसे 15,000 डॉलर की अग्रिम राशि भी दी। अभियोजक सहायक जिला अटॉर्नी केमिली लाटोया फ्लेचर ने कहा कि जिस व्यक्ति को वह हिटमैन समझता था, वह वास्तव में एक अंडरकवर एजेंट था। फ्लेचर ने कहा कि सरकारी साक्ष्य में गुप्ता से जब्त किया गया फोन शामिल है, जिसमें भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ उसकी बातचीत दर्ज है। उसने कहा कि जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ-साथ एफबीआई और ड्रग प्रवर्तन एजेंसी की सामग्री भी है।

गुरुद्वारा बनाने को लेकर पाकिस्तान में बवाल, अल्पसंख्यकों पर भड़के मुस्लिम

फैसलाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के फैसलाबाद में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का एक और मामला सामने आया है। दरअसल पाकिस्तान के पंजाब की सरकार ने फैसलाबाद में गुरुद्वारा बनाने की इजाजत थी, मगर वहां मुस्लिम समुदाय के लोगों सरकार को ऐसा नहीं करने दे रहे हैं। साथ ही हिंदुओं और सिखों के खिलाफ अपना गुस्सा दिखा रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें स्थानीय मुस्लिम समुदाय को 76 साल से बंद पड़े एक गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण का विरोध करते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो में अमीन बट नाम का प्रदर्शनकारी भी शामिल है जो फैसलाबाद का उप मेयर है। अमीन बट गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण को बाधित करने की धमकी देते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में उसे सिख और हिंदू समुदाय के खिलाफ बोलते हुए सुना जा सकता है। वायरल वीडियो में बट ने कहा, ÷सिख मुसलमानों के बलात्कारी और हत्यारे हैं। हम फैसलाबाद में किसी भी सिख गुरुद्वारे की अनुमति नहीं देंगे। अगर सिख इसे बनाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें अल्लाह के लड़ाकों का सामना करना पड़ेगा।÷ बता दें कि इस तरह की घटना पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी भेदभाव और असहिष्णुता को उजागर करती है। पाकिस्तान के हिंदू, सिख, और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों को भेदभावपूर्ण कानूनों, सामाजिक बहिष्कार और धार्मिक उग्रवाद से उत्पन्न हिंसा जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सिख समुदाय ने पाकिस्तान में लंबे समय से हिंसा और भेदभाव का सामना किया है। गुरुद्वारों की

तोड़फोड़, सिख व्यक्तियों पर शारीरिक हमले और धमकियों जैसी घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। इसके अलावा, गुरुद्वारा संपत्तियों के अवैध कब्जे और संपत्ति विवाद से संबंधित कई चुनौतियों का भी सामना सिख समुदाय को करना पड़ता है। ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यक व्यवस्थित भेदभाव और हिंसा का सामना करते हैं। पाकिस्तान में के ईशनिंदा कानूनों का अक्सर दुरुपयोग किया जाता है, जिससे धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जाता है और उन्हें उत्पीड़न और हिंसा का सामना करना पड़ता है। फैसलाबाद की इस घटना को एक पाकिस्तान के अल्पसंख्यों के लिए व्यापक समस्या का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें धार्मिक असहिष्णुता और भेदभाव शामिल है। संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय समुदायों ने पाकिस्तान से इन मुद्दों को सुलझाने और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने का आह्वान किया है। फैसलाबाद में गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण को लेकर बढ़ते तनाव के बीच, यह महत्वपूर्ण है कि स्थानीय और राष्ट्रीय अधिकारी सिख समुदाय की सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करें। उन्हें सभी अल्पसंख्यकों के लिए धार्मिक स्वतंत्रता बनाए रखने और उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों को अभी भी सुरक्षा और सम्मान की आवश्यकता है। ऐसे में, सरकार और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को मिलकर इन समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रयास करने चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

अमरनाथ यात्रा शुरू, तीर्थयात्रियों का पहला जत्था पवित्र गुफा के लिए रवाना

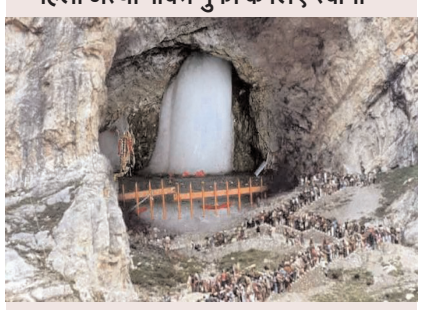

जम्मू कश्मीर, एजेंसी। शनिवार को कश्मीर में स्थित वार्षिक अमरनाथ यात्रा शुरू हो गई। श्रीनगर में हिमालय में स्थित बाबा अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए तीर्थयात्रियों का पहला जत्था बालटाल और नुनवान शिविरों से रवाना हो गया है। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। अमरनाथ गुफा समुद्र तल से लगभग 3800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हैं जहां प्राकृतिक रूप से बर्फ की शिवलिंग का निर्माण होता है। यह यात्रा 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और 14 किमी लंबे बालटाल मार्ग से शुरू हुई है। अमरनाथ यात्रा के लिए ये दोनों पारंपरिक मार्ग रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों रास्तों पर तीर्थयात्रियों के जत्थों को संबंधित उपायुक्तों और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने रवाना किया। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार सुबह जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री बेसिक कैंप से 4,603 तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया। तीर्थयात्री दोपहर में कश्मीर घाटी पहुंचे, जहां प्रशासन और स्थानीय लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। तीर्थयात्री गुफा मंदिर में बर्फ से बने शिवलिंग की पूजा-अर्चना करेंगे। यात्रा के सुचारू संचालन के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने के लिए पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और अन्य अर्धसैनिक बलों के हजारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इस बार यह यात्रा सिर्फ डेढ़ महीने चलेगी और 19 अगस्त को खत्म होगी।

विपक्ष के नेता का पद संवैधानिक नहीं, वैधानिक पद है : भाजपा

दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिलने के बाद कांग्रेस नेताओं द्वारा इसे लगातार संवैधानिक पद बताए जाने पर कटाक्ष करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि इस पद को लेकर राहुल गांधी को बरगलाया गया है और वास्तव में विपक्ष के नेता का पद संवैधानिक नहीं, बल्कि वैधानिक पद है। भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं पर कटाक्ष करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, ऐसा लगता है कि किसी ने थर्ड टाइम फेल राहुल गांधी को धोखे से विपक्ष के नेता का पद दिलवा दिया है। उनको किसी ने बता दिया कि ये संवैधानिक पद है। जो उनके कमजोर करियर के लिए प्रभावी साबित होगा। तब से दरबारियों ने भी शहज़ादे की जय-जयकार करना बंद नहीं किया है। मालवीय ने आगे कहा, लेकिन विपक्ष के नेता का पद कोई संवैधानिक पद नहीं है। यह एक वैधानिक पद है जिसे आपातकाल के बाद 1977 में एक गैर कांग्रेसी सरकार द्वारा पारित कानून द्वारा परिभाषित किया गया है। दरअसल, 2024 के लोकसभा चुनाव में सीटों की संख्या बढ़ने से उत्साहित कांग्रेस आलाकमान ने इस बार राहुल गांधी को ही विपक्ष के नेता के रूप में चुना है। नियमानुसार लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी राहुल गांधी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दे दी है। लेकिन राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा को रोक कर राहुल गांधी को शुक्रवार को नीट के मसले पर लोकसभा में नहीं बोलने देने को कांग्रेस ने एक बड़ा मुद्दा बना दिया है। कांग्रेस के आरोपों के जवाब में मालवीय ने राहुल गांधी पर यह कटाक्ष किया है।

पोती ने चुराए दादा के 90 लाख, मनाली में खूब किया सैर सपाटा ; पकड़ में ऐसे आई

भीलवाड़ा, एजेंसी। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के हरनी गांव में पोती ने दादा के घर से 90 लाख रुपए चुरा लिए। उसने रात को दादी की कमर में बंधा चाबियों का गुच्छा निकाला और जमीन बेच कर मिले पैसों को निकाल लिया। किसी को शक न हो, इसके लिए उसने रुपए अपने चचेरे भाइयों के साथ मिलकर छुपा दिए। यहीं नहीं चोरी के पाप से बचने के लिए उसने एक लाख रुपये मंदिर में दान भी कर दिए. साथ ही डेढ़ लाख रुपये में कार खरीद मनाली की सैर भी कर ली। डिप्टी अशोक जोशी ने बताया कि जब पुलिस टीम ने चोरी की घटना को लेकर जांच शुरू की तो कॉल डिटेल और गहन पूछताछ के आधार पर बड़ी बात सामने आई। शिकायतकर्ता बकसू जाट के पड़ोस में रहने वाली रिश्ते की पोती पूजा चौधरी की चोरी की वारदात में संदिग्ध रूप से संलिप्तता मिली। पुलिस की गहन जांच से पता चला कि 90 लाख रुपये की चोरी की इस वारदात में रिश्ते की पोती पूजा चौधरी के साथ भीलवाड़ा के सुरेश जाट और नारायण जाट सम्मिलित पाए गए। इन्होंने चोरी के रुपए हंस राज जाट के घर छुपाए थे। पुलिस की सख़्त पूछताछ में 90 लाख रुपये चोरी करने की बात कबूली। वारदात को अंजाम देने के बाद चोरी के रुपयों से इन्होंने पहले खाटू श्याम मंदिर में एक लाख रुपए भेंट चढ़ाये। अब पुलिस ने पोती सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर चोरी के 82 लाख रुपये और कार बरामद की है। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि बक्षु जाट के पड़ोस में ही उसके रिश्ते की पोती पूजा चौधरी रहती थी, जिसे पता था कि इन्होंने अभी हाल ही में जमीन बेचकर उसके 90 लाख रुपए लॉकर में रखे हैं।

एक जुलाई से नए आपराधिक कानूनों को लागू करने की तैयारी पूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। तीन नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को एक जुलाई 2024 से लागू करने की तैयारी पूरी हो गई है। हर स्तर पर प्रशिक्षण का सिलसिला तेजी से चल रहा है। एफआईआर दर्ज करने सहित नए आपराधिक कानूनों के साथ प्रौद्योगिकी अनुकूलता को सुगम बनाने के लिए मौजूदा सीसीटीएनएस एप्लीकेशन में 23 फंक?शनल संशोधन किए गए हैं। नई प्रणाली में निर्बाध ट्रांजिशन के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है।

नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की निरंतर समीक्षा और सहायता के लिए टीमें और कॉल सेंटर बनाए गए हैं। ऐसे एप्लीकेशन बनाए गए हैं जो सुरक्षित क्लाउड स्टोरेज सपोर्टेड हैं और इसमें अपराध स्थल की वीडियोग्राफी और इनमें फॉरेंसिक साक्ष्य एकत्र करने का प्रावधान शामिल होगा। 14 मार्च, 2024 को आपराधिक कानूनों का एनसीआरबी संकलन नामक मोबाइल ऐप वेब एप्लीकेशन लॉन्च किया गया था, वर्तमान में इसके लगभग 1.2 लाख यूजर्स हैं। नए आपराधिक कानूनों के तहत अपराध स्थलों की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी, न्यायिक सुनवाई और इलेक्ट्रॉनिक रूप से अदालती समन भेजने को सुगम बनाने के लिए ई-साक्ष्य, न्यायश्रुति और ई-समन ऐप विकसित किए जा चुके हैं।

ई-साक्ष्य ऐप अपराध स्थलों की वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और साथ ही दस्तावेजों की ऑनबोर्डिंग यानी ऐप पर दस्तावेजों को डालने की प्रक्रिया को सुगम बनाता है। इसे सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस विभाग के साथ साझा किया गया है। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने इस ऐप को परखा है। न्यायश्रुति ऐप इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से न्यायिक सुनवाई और दस्तावेजों की ऑनबोर्डिंग को सुगम बनाएगा। इसे सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ और न्यायालयों में कार्यान्वयन के लिए उच्चतम न्यायालय की ई-समिति के साथ साझा किया गया है। इसके अलावा ई-समन ऐप इलेक्ट्रॉनिक रूप से अदालती समन भेजने की सुविधा प्रदान कोगा । देश के सभी थाने आयोजित करेंगे विशेष कार्यक्रम देश के समस्त 17,500 पुलिस थाने एक जुलाई को एक विशेष आयोजन करेंगे जिसमें महिलाओं, छात्रों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और प्रतिष्ठित हस्तियों को उस दिन प्रभाव में आने वाले तीन नये अपराध कानूनों की प्रमुख विशेषताओं से अवगत कराया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। इन नये कानूनों में भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 हैं जो एक जुलाई से प्रभाव में आएंगे। ये तीनों नए कानून ब्रिटिश कालीन कानूनों क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। सूत्रों ने बताया कि इन तीन नये आपराधिक कानूनों के प्रभाव में आने के मौके पर एक जुलाई को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रत्येक पुलिस थाने में प्रभारी अधिकारी एक कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

भाजपा में जल्द हो सकती है नए अध्यक्ष की नियुक्ति, पीएम मोदी ने की बैठक

नईदिल्ली, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के केंद्र सरकार में मंत्री बनने के बाद पार्टी में जल्दी ही नए अध्यक्ष की नियुक्ति की जा सकती है। चार महीने बाद होने वाले झारखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा व जम्मू- कश्मीर के विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए बेहद अहम हैं और उसकी तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है। ऐसे में नड्डा पर दोहरा दायित्व के बजाए पार्टी नए अध्यक्ष की नियुक्ति कर सकती है। पार्टी में एक विचार कार्यकारी अध्यक्ष का भी है, लेकिन वह ज्यादा उपयोगी नहीं माना जा रहा है। भाजपा का केंद्रीय संसदीय बोर्ड जल्दी ही इस बारे में फैसला ले सकता है। ऐसी स्थितियों में संसदीय बोर्ड के पास नया अध्यक्ष नियुक्त करने का अधिकार है। सूत्रों के अनुसार, गुरुवार रात भाजपा के बड़े नेताओं की बैठक में भी इस बारे में चर्चा की गई है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पार्टी अध्यक्ष व स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह व संगठन महासचिव बीएल संतोष मौजूद थे। भाजपा के संगठन चुनावों की प्रक्रिया 15 जुलाई से सदस्यता अभियान के साथ शुरू होने की संभावना है। सदस्यता अभियान से लेकर मंडल, जिला, प्रदेश व राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव तक लगभग छह माह का समय लगेगा।

हिमाचल के मुख्यमंत्री का ऐलान, प्रदेश में 6 हजार प्री-नर्सरी टीचर्स की होगी भर्ती

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश सरकार तीन से छह साल के बच्चों के लिए हिमाचल प्रदेश प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा अनुशिक्षक योजना शुरू करने जा रही है। इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए 6297 प्री नर्सरी टीचर्स की भर्ती जल्द ही शुरू की जाएगी। इसके साथ ही सुक्खू ने बताया कि प्रदेश सरकार हर विधानसभा क्षेत्र में एक बोर्डिंग स्कूल खोलने जा रही है। इस बारे में जानकारी देते हुए सीएम सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में प्राथमिक विद्यालयों में 6297 प्री-प्राइमरी अनुभाग संचालित किए जा रहे हैं, जहां लगभग 60 हजार विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इसके अलावा इन प्राथमिक विद्यालयों के साथ 2,377 आंगनबाड़ी केंद्र भी को- लोकेट किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत राज्यों के शिक्षा विभाग को व्यापक प्रारंभिक बाल्य देखभाल और शिक्षा कार्यक्रम तैयार करने का सुझाव दिया गया है। शिक्षा विभाग प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा कार्यक्रम के सभी चार प्रारूपों को लागू करेगा। इन चार प्रारूपों के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों, प्राथमिक विद्यालयों में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्रों, पूर्व में स्थापित प्री-प्राइमरी स्कूलों में पढ़ रहे पांच से छह वर्ष की आयु के बच्चे और प्री-प्राइमरी स्कूलों को शामिल किया जाएगा। राज्य सरकार हर विधानसभा क्षेत्र में एक-एक राजीव गांधी डे- बोर्डिंग स्कूल खोलने जा रही है।

कर्नाटक में फिर नाटक की आहट; डगमगाने लगी सिद्धरमैया की कुर्सी, डीके शिवकुमार बना रहे दबाव

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार और कांग्रेस पार्टी में घमासान मचा हुआ है। वहां मुख्यमंत्री बदलने की मांग तेज हो गई है। सीएम सिद्धारमैया की अपने डिप्टी डीके शिवकुमार की वर्चस्व की लड़ाई उजागर होने के बाद कांग्रेस आलाकमान आलोचनाओं का सामना कर रहा है। आलोचकों का कहना है कि केंद्रीय नेतृत्व अंदरूनी कलह को दूर करने में विफल रहा है। शिवकुमार को उम्मीद है कि सिद्धारमैया सरकार के पांच साल के कार्यकाल के बीच में ही अपना पद छोड़ देंगे, लेकिन सिद्धारमैया ने पद छोड़ने की कोई इच्छा अभी तक नहीं दिखाई है। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सीएम पद के लिए रस्साकशी बीते विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के साथ ही शुरू हो गई थी। दोनों ही नेताओं ने अभी तक सार्वजनिक रूप से बहुत कम ही बोला है, लेकिन दोनों के समर्थकों ने और उपमुख्यमंत्रियों की मांग करके आग को सुलगाए रखा है। पिछले साल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत के तुरंत बाद डीके शिवकुमार ने कथित तौर पर सीएम पद के लिए आलाकमान पर दबाव बनाया। हालांकि, उन्हें उपमुख्यमंत्री का पद देकर फिलहाल के लिए शांत कर दिया गया। लेकिन अब सिद्धारमैया के करीबी लोग अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पद की मांग कर रहे हैं।

मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह देंगे इस्तीफा? अचानक दिल्ली पहुंच गए विधायक

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा की खबरें अब भी आए दिन आती रहती हैं। इसी बीच अटकलें हैं कि मणिपुर में नेतृत्व परिवर्तन भी हो सकता है। एन बीरेन सिंह सरकार के ही विधायकों के दिल्ली पहुंचने के बाद इस तरह के कयास और भी तेज हो गए हैं। हालांकि सीएम बीरेन सिंह ने इस तरह के कयासों को कोरी अफवाह बताते हुए खारिज किया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ के चलते इस तरह की अफवाह फैला रहे हैं। हालांकि उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि उनके कुछ विधायक दिल्ली पहुंचे हैं। उनका दावा है कि मणिपुर में जातीय हिंसा के समाधान के लिसए वह बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व के नेताओं से मुलाकात करने गए हैं।

कुछ दिन पहले रिपोर्ट आई थी कि मणिपुर सरकार में सहयोगी नागा पीपल्स फ्रंट, नेशनल पीपल्स पार्टी और जेडीयू मुख्यमंत्री पर इस्तीफे का दबाव बना रहे हैं। एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि बीजेपी नेतृत्व के इस बात कि लिए मनाने के प्रयास कई बार हो चुके हैं कि एन बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाया जाए और नया मुख्यमंत्री बनाया जाए। 2017 में वह मणिपुर के मुख्यमंत्री बने थे। वहीं पिछले साल 3 मई को मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू हुई। इस बार लोकसभा चुनाव में बीजेपी को मणिपुर में नुकसान भी उठाना पड़ा। यहां दोनों सीटों पर कांग्रेस का कब्जा हो गया।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री और उनके सहयोगी दलों के बीच बैठक हुई थी। बता दें कि राज्य की कुल 60 सीटों में से 53 एनडीए के पास हैं जिनमें से 37 बीजेपी के ही पास हैं। बैठक में निर्णय लिया गया था कि मणिपुर में शांति स्थापित करने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बीरेन सिंह ने कहा था, मैं खुद दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मिलना चाहता हूं। हालांकि वर्तमान में संसद का सत्र चलने की वजह से थोड़ी मुश्किल आ रही है। मैंने सोचा कि अभी क्यों डिस्टर्ब किया जाए। मैंने कहा कि जब भी बैठक होगी मैं जाऊंगा। लेकिन कुछ लोग पहले ही पहुंच गए। इसका इस्तीफे से कोई लेना देना नहीं है। कल की बैठक में 35 विधायक मौजूद थे और हमने ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी का आभारी हूं कि अगले 100 दिन के कामकाज में मणिपुर को प्राथमिकता दी गई है।

मणिपुर के एक मंत्री ने ही दावा किया था कि पिछले साल जून में मुख्यमंत्री ने लगभग इस्तीफा दे ही दिया था। वह अपना त्यागपत्र लेकर राजभवन पहुंच गए थे। लेकिन तभी उनके आवास के बाहर उनके समर्थन में महिलाओं ने मानव श्रृंखला बनाई। इसके बाद उन्होंने फैसला बदल लिया। बताया गया कि उनका त्यागपत्र दो मंत्रियों ने छीन लिया और फाड़ दिया। वे चाहते थे कि बीरेन सिंह मुख्यमंत्री बने रहें। बता दें कि मणिपुर की हिंसा में अब तक 200 से ज्यादा की मौत हो गई है। वहीं 50 हजार लोगों को घर बार छोड़ना पड़ा।

ओबीसी नियुक्तियों पर अनुप्रिया पटेल के उठाए सवाल पर आयोग का जवाब, आरोपों में दम नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। अपना दल (सोनेलाल) की अध्यक्ष केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर आरक्षित पदों को अनारक्षित घोषित किए जाने की व्यवस्था पर रोक लगाने की कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया है। इसके उलट विभिन्न भर्ती बोर्डों से जुड़े अधिकारियों ने कहा है कि अनुप्रिया के आरोपों में दम नहीं हैं। यदि किसी श्रेणी में अभ्यर्थी न्यूनतम अर्हता अंक हासिल नहीं कर पाते तो ऐसी रिक्तियों को आयोग स्तर पर किसी अन्य श्रेणी में करने का अधिकारी नहीं है। यह रिक्तियां शासनादेश के आधार पर आगे बढ़ाई जाती हैं।

गुरुवार को मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र में अनुप्रिया ने अनुरोध किया है कि सिर्फ साक्षात्कार आधारित नियुक्ति प्रक्रिया वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में पिछड़े वर्ग और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित पदों को सिर्फ इस वर्ग के

अभ्यर्थियों से ही भरा जाए। इन पदों को भरने के लिए जितनी भी बार नियुक्ति प्रक्रिया करनी पड़े की जानी अनिवार्य की जाए। साक्षात्कार आधारित नियुक्ति प्रक्रिया वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में ओबीसी व एससीएसी के लिए आरक्षित पदों पर प्राय-'नाट फाउंड शुटेबल' घोषित कर इन वर्गों से आने वाले अभ्यर्थियों का चयन नहीं किया जाता है।

इसके उलट विभिन्न भर्ती बोर्डों के उच्चपदस्थ अधिकारियों के मुताबिक यूपी में साक्षात्कार प्रक्रिया कोडिंग आधारित होती है। साक्षात्कार लेने वाले लोगों (साक्षात्कार परिषद) को अभ्यर्थी का क्रमांक, नाम, जाति (श्रेणी), आयु की जानकारी नहीं दी जाती है। इन समस्त जानकारियों को ढककर सेलोटेप से चिपकाया जाता है। साक्षात्कार के माध्यम से चयन के लिए साक्षात्कार परिषद द्विसदस्यीय होता है। प्रथम सत्र और द्वितीय सत्र में अलग-अलग साक्षात्कार परिषदें होती हैं। इतना ही नहीं साक्षात्कार परिषद द्वारा नाट शुटेबल अंकित नहीं किया जाता है, ग्रेडिंग अंकित की जाती है। आयोग को रिक्तियों की श्रेणी बदलने का कोई अधिकारी नहीं है। न ऐसा किया जाता है। ग्रेडिंग को औसत के सिद्धांत के आधार पर अंक में बदल कर मार्कशीट में अंकित किया जाता है। जिस पर सदस्य एवं प्राविधिक परामर्शदाताओं द्वारा हस्ताक्षर किया जाता है। साथ ही सामने ही मार्कशीट का लिफाफा सील कराया जाता है।

कर्नाटक में बीजेपी का जमकर हंगामा, घोटाले को लेकर कांग्रेस को घेरा- 100प्रतिशत कमीशन सरकार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में बीजेपी के नेताओं ने शुक्रवार को कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। बीजेपी नेताओं ने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम में कथित भ्रष्टाचार के विरोध में ओल्ड मैसूर क्षेत्र के सभी जिलों में धरना प्रदर्शन किया और कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार के खिलाफ नारे लगाए। मैसूर में भाजपा नगर अध्यक्ष एल नागेंद्र, जिला अध्यक्ष एल आर महादेवस्वामी और विधायक टी एस श्रीवत्स के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को मैसूर के बन्नूर रोड पर पुराने डेयरी सर्किल से नए डीसी कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला। उन्होंने डीसी कार्यालय का घेराव करने की कोशिश की। लेकिन, उन्हें पुलिस ने रोक दिया और कुछ नेताओं को हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। नागेंद्र ने आरोप लगाया कि वाल्मीकि निगम में 187 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है और इसलिए, मंत्री बी नागेंद्र ने इस्तीफा दे दिया है। श्रीवत्स ने कहा कि वाल्मीकि निगम में घोटाले से संबंधित सीआईडी ??जांच काफी नहीं है। उन्होंने कहा, वे कांग्रेस की गारंटी योजनाओं को लागू करने के लिए फंड का दुरुपयोग कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि निगम से मिलने वाले फंड को शराब की दुकानों और गहनों की दुकानों जैसी जगहों में लगाया जा रहा है। निगम को अपना पैसा वापस मिलना चाहिए और इसका उपयोग केवल एसटी समुदाय के कल्याण के लिए किया जाना

चाहिए। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को घोटाले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, कर्नाटक सरकार को यह मामला सीबीआई को सौंप देना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर 40प्रतिशत कमीशन सरकार होने का आरोप लगाया। लेकिन, अब यह कांग्रेस के नेतृत्व वाली 100प्रतिशत कमीशन सरकार बन गई है। भाजपा मैसूरु जिला मीडिया समन्वयक महेश राजे उर्स, प्रवक्ता एमजी महेश, अप्पन्ना, सिद्धाराजू सहित कई नेताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। मांड्या में भाजपा नेता सी टी मंजूनाथ, इंदुवालु सचिदानंद, के सी नंजुंदवगौड़ा, पीहल्ली रमेश व अन्य ने जयचामाराजेंद्र वाडियार सर्किल से डीसी कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला।

रेलवे ने दी बड़ी खुशखबरी, जगन्नाथ धाम रथ यात्रा के दौरान चलेंगी 315 स्पेशल ट्रेनें

नईदिल्ली, एजेंसी। पुरी के जगन्नाथ धाम के तीर्थयात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए रथ यात्रा के दौरान पुरी से 315 स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को नई दिल्ली में बैठक बुलाई थी। इस दौरान ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और उनके 2 उपमुख्यमंत्रियों कनक वर्धन सिंह देव व प्रवती परिदा को इस बारे में जानकारी दी गई। वैष्णव ने मीटिंग में कहा कि 6 जुलाई से 19 जुलाई के बीच रथ यात्रा उत्सव के लिए 315 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। ओडिशा का अधिकांश हिस्सा भी इसके दायरे में आएगा। उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय उत्सव के दौरान पुरी में 15,000 श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था भी करेगा।

ईस्ट कोस्ट रेलवे ने इसे लेकर एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि गुंडिचा यात्रा के लिए बादामपहाड़, राउरकेला, बालेश्वर, सोनपुर, दासपल्ला, जूनागढ़ रोड, संबलपुर, केंदुझारगढ़, पारादीप, भद्रक, अंगुल, गुनुपुर और बांगिरिपोसी से स्पेशल ट्रेनें चलाने का प्लान है। ईसीओआर के महाप्रबंधक परमेश्वर फुंकवाल ने पुरी स्टेशन पर रथ यात्रा की भीड़ को संभालने के लिए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने इस तरह की

व्यवस्थाओं को पहले ही पूरा करने के निर्देश दिए। इस बीच, नई दिल्ली के दौरे पर आए मुख्यमंत्री और उनके दो उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रियों पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, जुएल ओराम और गजेंद्र सिंह शेखावत से भी उनकी मुलाकात हुई।

अमरनाथ यात्रा के लिए भी स्पेशल ट्रेन : दूसरी ओर, भारतीय रेलवे ने अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर 3 जुलाई से जम्मू के लिए मौजूदा ट्रेनों के फेरे बढ़ाएगा और नई ट्रेनें भी चलाएगा। रेलवे सूत्रों ने बताया कि वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए देश भर से जम्मू आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेलवे ने जम्मू से चलने वाली दो फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों की आवृत्ति बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 04075-04076 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी-नई दिल्ली आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन के कुल 18 फेरे बढ़ाए गए हैं और यह ट्रेन 3 जुलाई से 1 अगस्त तक चलेगी। यह ट्रेन नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से सप्ताह में दो बार प्रत्येक बुधवार और रविवार को चलेगी। साथ ही, श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन से प्रत्येक गुरुवार और सोमवार को रवाना होगी।

सात्विक प्रो० प्रा० लि० कोलकता, पं० बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।